देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

# त्रिगुट

नासिरा प्रेस
मालवीयनगर-गोण्डा
मो0-9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।
एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

## महाकाल की नगरी से पीएम मोदी 30 को करेंगे चुनावी शंखनांद

भोपाल( ईएमएस )। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 अक्टूबर को बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन आ रहे हैं। आचार सहिंता के बाद उनका यह पहला दौरा है। इसी वक्त पीएम यहीं से चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए जनसभा को संबोधित करेंगे। यह सभा मालवा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में होगी। 15 दिनों तक बीजेपी का प्रचार अभियान धुआंधार चलेगा। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियां शुरू कर दी है। बता दें कि मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। इसे लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों ने कमर कस ली है। प्रदेश में दिग्गज नेताओं के दौरे भी तेज हो गए हैं। इसी कड़ी में पीएम नरेंद्र मोदी 30 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के उज्जैन आएंगे। जहां वे बाबा महाकाल की नगर में जनसभा करेंगे।प्रदेश में आचार संहिता लगने के बाद पीएम मोदी पहली बार मध्य प्रदेश में चुनावी सभा करेंगे।

गोण्डा गुरुवार 26 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 68 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स-05262-230683 डाक पंजीयन संख्या-NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ- 8 मूल्य 2.00 रुपये

## मोदी सरकार का किसानों को तोहफा

नई दिल्ली ( ईएमएस )। पांच राज्यों में चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों को राहत दी है। पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में किसानों के लिए कई बड़े फैसले लिए गए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। किसानों के लिए मोदी कैबिनेट ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मोदी कैबिनेट की बैठक के दौरान हुए फैसलों पर जानकारी देते हुए कहा कि सरकार ने निर्णय लिया है कि किसानों को खाद में सब्सिडी मिलती रहेगी। वहीं यूरिया के दाम भी नहीं बढ़ेगे। मोदी कैबिनेट की बैठक के दौरान हुए फैसलों पर जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि एनबीएस के तहत किसानों को खाद रिहायती दामों पर मिलते रहेंगे और यूरिया का एक भी पैसा नहीं बढ़ेगा। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तराखंड के जमरानी बांध को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-संवर्द्धित सिंचाई लाभ कार्यक्रम में शामिल करने को मंजूरी दी।

*दिवाली से पहले किसानों को तोहफा*

सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि एक बार फिर किसान हितैषी सरकार ने निर्णय लिया है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बढ़ती हुई कीमत का असर देश में किसानों पर नहीं पडने् देंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल के बीच रबी सत्र के लिए पीएंड के उर्वरकों पर 22,303 करोड़ रुपये की सब्सिडी मंजूर की। उन्होंने कहा की वैश्विक स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद किसानों को डीएपी पुराने 1,350 रुपये प्रति बैग के मूल्य पर मिलता रहेगा।

नहीं बढ़ेगी यूरिया की कीमत

वर्ष 2021 से ही सब्सिडी की दर को इस प्रकार निर्धारित किया जाता है कि किसानों पर बढ़ती कीमतों का भार ना पड़े। किसानों को एक रुपया भी ज्यादा देना नहीं पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि यूरिया पर एक रुपया दाम नहीं बढ़ेगा और एमओपी 45 रुपए प्रति बोरी कम पर मिलेगा।यूरिया, डीएपी पहले की कीमत पर मिलता रहेगा।

# प्रत्येक व्यक्ति में राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव होना चाहिए-मुख्यमंत्री

**मुख्यमंत्री ने गोरखपुर मण्डल के परिषदीय प्राथमिक शिक्षकों हेतु टैबलेट वितरण, आई0सी0टी0 लैब्स का लोकार्पण तथा स्मार्ट क्लास की स्थापना का शुभारम्भ किया**

लखनऊ कार्यालय

लखनऊः। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू की गई। प्रधानमंत्री जी भारत को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करने के अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। बेसिक शिक्षा परिषद के अध्यापकों की जिम्मेदारी है कि वह अपने-अपने विद्यालयों में इस अभियान का नेतृत्व करें। कोई भी राष्ट्र, सभ्य समाज के बिना सशक्त नहीं हो सकता है। यदि किसी राष्ट्र को सशक्त बनाना है तो उसको समर्थ बनाना पड़ेगा तथा राष्ट्र को समर्थ बनाने के लिए शिक्षा व्यवस्था को संस्कार युक्त बनाना पड़ेगा ताकि व्यक्ति में आत्म अनुशासन की भावना पैदा हो सके।

मुख्यमंत्री जी आज गोरखपुर में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा गोरखपुर मण्डल के जनपद गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर एवं महाराजगंज के परिषदीय प्राथमिक शिक्षकों हेतु 14,360 टैबलेट वितरण, 64 विकासखण्डों में आई0सी0टी0 लैब्स का लोकार्पण तथा 1,086 परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना का शुभारम्भ करने के पश्चात इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर शिक्षकों को टैबलेट वितरित किए। मुख्यमंत्री जी ने गोरखपुर मण्डल में प्री-प्राइमरी शिक्षा हेतु को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केन्द्रों को आई0आई0टी0 गांधीनगर द्वारा विकसित 3,780 वण्डर बॉक्स, आईसीटी स्मार्ट क्लास प्रमाण पत्र तथा 1,207 दिव्यांग बच्चों को 1,980 उपकरण-ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, क्रच, सी0पी0 चेयर, ब्रेल किट, सुगम्य केन, रोलेटर, हियरिंग ऐड का वितरण किया। उन्होंने शिक्षा प्राप्त करने हेतु सुगमता के लिए नवाचारों को प्रदर्शित करती हुई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर आई0सी0टी0 लैब्स तथा स्मार्ट क्लास से संबंधित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज बेसिक शिक्षा परिषद विगत 6 वर्षों में सम्पन्न हुए विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में अपने साथ नए अलंकरण जोड़ रहा है। सामूहिक प्रयास से बेसिक शिक्षा परिषद में नित नए परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। अपने आप को समय के अनुरूप ढालने की नई सकारात्मक प्रवृत्ति अभिनंदनीय है। आज यहां लगाई गई प्रदर्शनी से स्पष्ट होता है कि बच्चों को सहजता के साथ उदाहरणों और प्रयोगों के माध्यम से ज्ञान प्रदान करने के साथ भाषा की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा सकती है। टैबलेट, शिक्षकों को तकनीकी दृष्टि से सक्षम बनाने के साथ-साथ प्राथमिक विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन का कारण बनेगा। शासन और विद्यालयों के मध्य तारतम्यता बढ़ाने के लिए टैबलेट वितरण का कार्य किया गया है। आई0सी0टी0 लैब्स का निर्माण शिक्षकों को समय के अनुरूप आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करेगा। समाज जो सोच रहा है यदि हम उससे दो कदम आगे बढ़कर नहीं सोचेंगे तो पिछड़ जाएंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि व्यक्ति में समाज और राष्ट्र से जुड़े हुए मुद्दों को अपना मुद्दा समझने की प्रवृत्ति पैदा होनी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति में राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव होना चाहिए। शिक्षा इन समस्त भावों को व्यक्ति में प्रवेश कराने का माध्यम है। जैसी शिक्षा होगी वैसा ही व्यक्ति का चरित्र होगा तथा चरित्र के अनुसार ही समाज को दिशा प्राप्त होगी। यह सभी कार्य योग्य और कर्तव्य निष्ठ शिक्षकों द्वारा ही सम्भव हैं। भगवान श्री राम के मर्यादा पुरुषोत्तम बनने का कारण गुरु वशिष्ठ व गुरु विश्वामित्र ही हैं। गुरु चाणक्य के बिना चंद्रगुप्त मौर्य की शिक्षा संभव नहीं थी। गुरु संदीपनी के बिना भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा अधूरी थी। अच्छे गुरु के मार्गदर्शन में एक बच्चा कर्मठ और कर्तव्यनिष्ठ युवा होकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देता है। यही शिक्षकों की उपलब्धि होती है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यदि व्यक्ति अपने कार्यों का मूल्यांकन नहीं करता है, तो वह व्यक्ति समाज के साथ-साथ स्वयं के साथ भी धोखा करता है। इसलिए शिक्षकों को साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, छः माह तथा एक वर्ष में अपना मूल्यांकन करते रहना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति अपने कर्तव्यों का निर्वहन सम्यक रूप से करता है, तो वह समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को पूरा करता है। एक शिक्षक का आदर्श गुरु चाणक्य, ऋषि वशिष्ठ, ऋषि विश्वामित्र और ऋषि संदीपनी होने चाहिए। शिक्षक इस गुरु परम्परा के वाहक हैं। इस परम्परा के वाहक के रूप में शिक्षकों ने विगत 06 वर्षों में प्रदेश की बेसिक शिक्षा में हुये परिवर्तनों को क्रमिक रूप से आगे बढ़ते हुए देखा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में विगत 06 वर्षों में 1 लाख 64 हजार शिक्षकों की भर्ती हुई है। इस दौरान स्कूल चलो अभियान, ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण भारत अभियान जैसे अनेक कार्यक्रम चलाए गए हैं। पहले बच्चों को बैग, बुक्स, यूनिफॉर्म आदि प्रदान करने की कर्रवाई स्कूलों के माध्यम से की जाती थी, लेकिन बाद में तकनीक का उपयोग करते हुए डी0बी0टी0 के माध्यम से लाभार्थियों के खाते में धनराशि अंतरित की गई। प्रधानाचार्य व शिक्षक, अभिभावकों के साथ मीटिंग करें ताकि उन्हें बच्चों को साफ सुथरी यूनिफॉर्म पहनाकर स्कूल भेजने के लिए प्रेरित कर सकें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के विद्यालय ऑपरेशन कायाकल्प से आच्छादित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। सभी बच्चों को ऑपरेशन कायाकल्प से जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए। पुरातन पीढ़ी का विद्यार्थी चाहे वह किसी भी क्षेत्र में कार्य कर रहा हो, वह किसी न किसी रूप में बेसिक शिक्षा परिषद का भाग रहा है। ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत इन विद्यार्थियों का भी सहयोग लिया जाना चाहिए। ग्राम पंचायत को भी इस कार्य से जोड़ना चाहिए। विद्यालय परिसर साफ सुथरा होना चाहिए। विद्यालय परिसर में समुचित वृक्षारोपण कर पर्यावरण के प्रति जागरूकता का प्रसार करना चाहिए। विद्यालय को तकनीकी दृष्टि से भी सक्षम बनाने पर जोर दिया जाना चाहिए।

स्वच्छ भारत मिशन ने प्रदेश के गांवों में स्वच्छता के विषय में नई प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाया है। इससे बीमारियों में कमी आई है। पूर्व में जनपद गोरखपुर में इस सीजन में इंसेफेलाइटिस की बीमारी चरम पर होती थी। इस बीमारी से हजारों मौतें हो जाती थीं। स्वच्छ भारत मिशन और शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के माध्यम से प्रदेश से इंसेफेलाइटिस का पूरी तरह उन्मूलन किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा की कोरोना कालखंड में बच्चों को अगली क्लास में प्रमोट करना पड़ा। इस दौरान विद्यालय बन्द रहे और बच्चों की पढ़ाई पर विपरीत असर पड़ा। प्रधानमंत्री जी की पहल पर शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक के प्रयोग पर बल दिया गया। प्रदेश में 22,207 स्मार्ट क्लासेस को एक जगह से संचालित करने का सामर्थ्य तकनीक की वजह से ही सम्भव है। जो शिक्षक निरन्तर शोध करते हुए शिक्षा के सरलीकरण हेतु नवाचारों पर बल देता है, वही अच्छा शिक्षक है। प्री-प्राइमरी के रूप में आंगनबाड़ी केंद्रों को भी अपने साथ जोड़कर इस कार्यक्रम को मजबूती प्रदान की जानी चाहिए। आंगनबाड़ी केन्द्रों में 03 वर्ष तक के बच्चों को प्री-एजूकेशन दी जाती है। यदि बच्चा प्री-प्राइमरी में ही विद्यालय आएगा और अन्य बच्चों से घुले-मिलेगा तो इसका लाभ उसे प्राप्त होगा।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न प्रकार की योजनाओं से बेसिक शिक्षा परिषद के बच्चों को जोड़ा जाना चाहिए। इनमें खासतौर से केंद्र और राज्य सरकार की छात्रवृत्ति योजनाएं सम्मिलित की जानी चाहिए। बेटियों को 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला' जैसी योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए। इससे बेटियां स्कूल आएंगी और उन्हें इसका लाभ प्राप्त होगा। बेटी और बेटे में कोई भेदभाव न हो इसके लिए 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' के अन्तर्गत एक व्यवस्था बनाई गई है। इसमें बेटियों के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई के लिए शासन द्वारा पांच चरणों में 15,000 रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। राज्य सरकार अगले सत्र से इस धनराशि को बढ़ाकर 25,000 रुपये करने जा रही है।

# कड़ी सुरक्षाओं के बीच संपन्न होगी पीईटी परीक्षा-एडीएम

**जनपद में कुल 54720 परीक्षार्थी देंगे प्रारंभिक अर्हता परीक्षा ( पीईटी )**

निज संवाददाता

गोण्डा। जिला प्रशासन पेट प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा की तैयारियों में जुट गया है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कुल चार पालियों ( प्रत्येक दिवस दो पाली ) में आयोजित होने वाली परीक्षा को निष्पक्ष और सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक आयोजित की गयी। प्रथम पाली में सुबह 10 से 12 बजे जबकि द्वितीय पाली में दो से पांच बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। एडीएम ने बताया कि 28 और 29 अक्टूबर को होने वाली परीक्षा में जिले के 30 परीक्षा केन्द्रों पर दो शिफ्ट में परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा को सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए 30 परीक्षा केन्द्रों पर 10 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 37 स्टैटिक मजिस्ट्रेट लगाये गये है। बुधवार को अपर जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनी की अध्यक्षता में आगामी 28 व 29 अक्टूबर को आयोजित होने वाली प्रारंभिक अर्हता परीक्षा ( पीईटी ) की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुई। बैठक में एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि पीईटी परीक्षा को बहुत ही कड़े निर्देशों के साथ संपन्न कराया जायेगा। परीक्षा में किसी भी परीक्षा केंद्र पर किसी प्रकार की कोई समस्या ना होने पाए। सभी केंद्रों पर मजिस्ट्रेटों की तैनाती कर दी गई है तथा पर्याप्त मात्रा में पुलिस फोर्स की तैनाती की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि पीईटी परीक्षा चार पालियों में सम्पन्न होगी तथा छात्र/छात्राओं के प्रवेश पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। सभी संबंधित अधिकारियों व प्रधानाचार्यों को सख्त निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा है कि पीईटी परीक्षा में आने वाले छात्र/छात्राओं को बैठने की व्यवस्था, पानी की व्यवस्था, बिजली की व्यवस्था, ट्राफिक आदि की व्यवस्थाओं में कहीं भी कोई समस्या न होने पाये। सभी परीक्षा केंद्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। जनपद में कुल 54720 परीक्षार्थी पीईटी परीक्षा देंगे। जिसके लिए कुल 30 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, 37 स्टेटिक मजिस्ट्रेट व 10 सेक्टर मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं। जबकि तीन सेक्टर मजिस्ट्रेट व 15 स्टेटिक मजिस्ट्रेट को रिजर्व में रखा गया है। चार पालियों में परीक्षा संपन्न होगी। इस अवसर पर समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट व स्टेटिक मजिस्ट्रेट, जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश चौधरी, सहित सभी परीक्षा केंद्रों के प्रधानाचार्य व अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

## इसरो प्रमुख सोमनाथ की आत्मकथा, युवाओं को प्रेरित करने का प्रयास

नई दिल्ली ( ईएमएस )। भले ही उन्होंने करोड़ों रुपये की परियोजनाओं के तहत देश को चंद्रमा पर विजय प्राप्त करने में मदद की हो, सूर्य के लिए भी ऐसा ही प्रयास कर रहे हों और भारतीयों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी में लगे हों, लेकिन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन( इसरो )के अध्यक्ष एस. सोमनाथ की शुरुआत एक पुरानी साइकिल और एक मामूली से आवास से हुई जिनका इस्तेमाल वह कॉलेज में रहने के दौरान परिवहन और छात्रावास के खर्चों में कटौती के लिए करते थे।

कई अन्य बातों के अलावा इन छोटे विवरणों का उल्लेख उनकी मलयालम में लिखी आत्मकथा में मिलता है, जिसे वे प्रतिभाशाली लेकिन आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहे युवाओं को प्रेरित करने का प्रयास कहते हैं। मलयालम में 'निलावु कुदिचा सिम्हांगल' शीर्षक से लिखी गई आत्मकथा प्रेरणा की एक कहानी है। यह कठिनाइयों का सामना करने में कड़ी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति पर केंद्रित है। चंद्र मिशन की सफलता के बाद और आदित्य-एल1 सौर मिशन तथा गगनयान परीक्षण वाहन के लगातार प्रक्षेपण के बीच सोमनाथ ने अपनी आत्मकथा लिखने के लिए किसी तरह समय निकाल लिया। केरल स्थित लिपि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक नवंबर में बिक्री के लिए उपलब्ध होगी। यह किताब एक गरीब गांव के युवा की घटनापूर्ण गाथा, इसरो के माध्यम से विकास, वर्तमान प्रतिष्ठित पद तक पहुंचने और चंद्रयान-3 प्रक्षेपण तक की उनकी यात्रा की कहानी है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक साधारण ग्रामीण युवा की कहानी है, जो यह भी नहीं जानता था कि उस इंजीनियरिंग में दाखिला लेना चाहिए या बीएससी में... यह उसकी दुविधाओं, जीवन में लिए गए सही फैसलों और भारत जैसे देश में उस युवक को मिले अवसरों के बारे में है। इसरो अध्यक्ष ने कहा, ''इस पुस्तक का उद्देश्य मेरी जीवन की कहानी को पढ़ाना नहीं है। इसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को जीवन में प्रतिकूलताओं से जूझते हुए अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना है।''

## स्टेट लेवल कार्यशाला के लिए जनपद के तीन शिक्षक चयनित

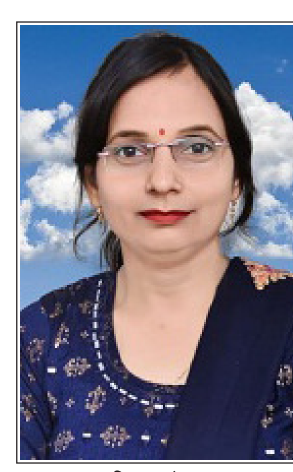

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। राज्य स्तरीय कार्यशाला के लिए जिले के तीन उत्कृष्ट शिक्षकों का चयन किया गया है। जिसमें बलजीत सिंह कनौजिया, वन्दना पटेल व मणि बाला शामिल हैं। कार्यशाला 26 व 27 अक्टूबर को अलीगढ़ में आयोजित होगी।बेसिक शिक्षा विभाग एवं मिशन शिक्षण संवाद के द्वारा अलीगढ़ में दो दिवसीय प्रादेशिक शैक्षिक समागम कार्यशाला का आयोजन कल्याण सिंह हैवीवेट सेंटर में किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बेसिक शिक्षा मंत्री स्वंतत्र प्रभार संदीप सिंह व विशिष्ट अतिथि के तौर पर जनपद बनारस, इलाहाबाद व कासगंज के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जिसमें विभिन्न जनपदों से आए दो सौ पचास शिक्षक शिक्षिकाएं अतिथियों के सामने अपने उत्कृष्ट कार्यों को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर जनपद के शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया ( प्र0प्र0अ0 ) कम्पोजिट विद्यालय सोनबरसा मनकापुर, शिक्षिका वन्दना पटेल( प्र0अ0 ) प्राथमिक विद्यालय महेशपुर नवाबगंज व मणि बाला ( स0अ0 ) प्राथमिक विद्यालय कटरा लकड़मण्डी द्वारा अपने नवाचारों का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।

# केन्द्रीय सड़क मंत्री को राम से जुड़े स्थलों पर स्काई वे बनाने का शोध केन्द्र ने भेजा प्रस्ताव

**शोध निदेशक ने भगवान राम से जुड़े मगहर मखौड़ा व सूकरखेत तक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए 170 किमी स्काई वे निर्माण कराने का प्रस्ताव में दिया सुझाव**

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के शोध निदेशक एवं हिन्दी विभाग के अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ मिश्र ने अयोध्या को वैश्विक धार्मिक नगरी/पयर्टन केन्द्र बनाने के लिए भगवान राम से जुड़े प्रमुख पौराणिक-सांस्कृतिक स्थलों में लोकमंगल पथ के नाम से स्काई वे का निर्माण कराने का सुझाव देते हुए केन्द्रीय सड़क मंत्री नितिन गडकरी को प्रस्ताव दिया है। प्रस्ताव में अयोध्या के पास मखौड़ा, अगौना, मगहर व तिमुहानी सूकरखेत तक 170 किमी स्काई वे का निर्माण कराने का सुझाव के साथ ही केन्द्रीय सड़क मंत्री श्री गडकरी से प्रस्तावित परियोजना पर वार्ता करने का अनुरोध किया गया है।

शोध केन्द्र के निदेशक श्री मिश्र ने पत्र में कहा है कि सप्तपुरियों में प्रमुख विश्व की प्राचीनतम् अयोध्या नगरी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की राजधानी व जैन तीर्थांकरो की जन्मस्थली के रूप में विख्यात रही है। आजादी के पांच दशक तक राजनैतिक दुराग्रह से उपेक्षा की शिकार रही यह पावन नगरी वर्तमान केन्द्र व प्रदेश सरकार के सद्प्रयास से कायाकल्प होकर विराट स्वरूप में विकसित हो रही है। अयोध्या को विश्व प्रसिद्ध तीर्थ व पयर्टन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए रामनगरी के सन्निकट मात्र 20 किमी की दूरी में स्थित पौराणिक क्षेत्र मखौड़ा में राजा दशरथ ने महर्षि श्रृंगी ऋषि के आचार्यत्व में पुत्रेष्ठि-यज्ञ किया था। इसी पावन भूमि से 84 कोसी परिक्रमा शुरू होती है। अयोध्या से पूर्वात्तर मात्र 100 किमी दूर संत कबीरनगर जनपद स्थित मगहर में निर्गुण व्रह्म के रूप में राम के उपासक कबीर का निर्वाण स्थल है। अयोध्या से 50 किमी पश्चिम भगवान राम की गोचर भूमि जनपद गोण्डा स्थित 'तिमुहानी सूकर खेत' में गुरु नरहरिदास से रामचरित मानस के रचनाकार गोस्वामी तुलसीदास ने राम कथा का श्रवण किया था। इन तीर्थो के मध्य और पौराणिक मखौड़ा के पास जनपद बस्ती में स्थित ग्राम अगौना में हिन्दी गद्य साहित्य और भाषा को आधुनिक स्वरूप प्रदान करने के साथ सगुण-निर्गुण में समन्वय व साहित्य में लोकमंगल की अवधारणा प्रस्तुत करने वाले आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की जन्म स्थली है। बस्ती-अयोध्या मार्ग विश्व का प्राचीनतम राम जानकी मार्ग कहलाता है। मान्यता है कि भगवती सीता इसी मार्ग से मिथिला से अपनी ससुराल अयोध्या आयीं थीं।

अयोध्या को वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक धार्मिक व साहित्य कला से सम्पन्न तीर्थ क्षेत्र व पयर्टन स्थल बनाने के लिए इन चारों स्थलां को राम नगरी से जोड़ने के लिए स्काई वे का निर्माण कराया जाना राष्ट्रीय हित में एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगा। अमेरिका और बेला रूस की कई कम्पनियां स्काई वे निर्माण में सक्रिय हैं।

पत्र में यह भी कहा गया है कि शोध केन्द्र ने अध्यात्म व साहित्य से लोकमंगल की भावना, राष्ट्रप्रेम, सद्भावना समाज में विकसित करने के लिए गहन अध्ययन-अनुशालन के साथ गत दिवस विद्वानों का विचार साझा करने के लिए गोण्डा व लखनऊ में संगोष्ठियां आयोजित करने के साथ देश के प्रतिष्ठित विद्वानों के साथ मगहर से अगौना व तिमुहानी सूकरखेत तक लोक मंगल यात्रा निकाल कर गोष्ठियां का भी आयोजन किया है। केन्द्रीय मंत्री को भेजे प्रस्ताव में अनुरोध किया गया है कि भगवान राम से जुड़े पौराणिक स्थलों व अयोध्या को विश्व प्रसिद्ध पयर्टन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए मखौड़ा अगौना, मगहर व तिमुहानी सूकर खेत तक लगभग 170 किमी स्काई वे के निर्माण हेतु एक वृहत परियोजना की स्वीकृति से अयोध्या विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी व वैश्विक स्तर पर पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बनेगा।

## बुराई पर अच्छाई की जीत,रावण का पुतला दहन किया गया

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। पंडरी कृपाल ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत बिशुनपुर बैरिया में स्थित कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में रावण का पुतला दहन हुआ। पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि श्रयेस्कर देव उर्फ गौरव सिंह ने बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने जिस दिन रावण का वध किया उस दिन शारदीय नवरात्र की दशमी तिथि थी। राम ने 9 दिन तक मां दुर्गा की उपासना की और फिर 10वें दिन रावण पर विजय प्राप ?त किया। इसलिए इस त्यौहार को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। देशभर में दशहरे के त्यौहार पर रावण का पुतला दहन करने की परंपरा है। इस दिन भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय प्राप्त की थी। नौ दिन की नवरात्रि के दसवें दिन दशहरा मनाया जाता है। विजयदशमी के दिन रावण वध व रावण पुतला दहन का कार्यक्रम बिशुनपुर बैरिया क्षेत्र में स्थित कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में किया गया। इससे पहले सालपुर बाजार में राम लक्ष्मण सीता और हनुमान जी की झांकी निकल गई। झांकी सालपुर बाजार में भ्रमण करते हुए विद्यालय के प्रांगण में पहुँचकर रावण का पुतला दहन किया गया। जिसमें दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष सहित हजारों की संख्या में रावण वध व पुतला दहन को देखने के लिए महिला पुरुष एवं बच्चे मौजूद रहे। और सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस चौकी सालपुर पुलिस तैनात रही।

## शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ नव दुर्गा पूजा दशहरा पर्व का त्यौहार मूर्ति विसर्जन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस रही मुस्तैद

अलावल देवरिया ( गोंडा )। शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ नवदुर्गा पूजा दशहरा का पर्व मूर्ति विसर्जन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के लिए जगह-जगह पुलिस रही मुस्तैद । थाना कोतवाली देहात गोंडा क्षेत्र के पुलिस चौकी सालपुर चौकी प्रभारी पवन कुमार सिंह ने बताया कि चौकी क्षेत्र में चल रहे नव दुर्गा पूजा दशहरा का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और मूर्ति विसर्जन कराने के लिए जगह-जगह पुलिस सुरक्षा व्यवस्था में जुटी रही। चौकी प्रभारी ने बताया की चौकी क्षेत्र के अंतर्गत सोनबरसा पोखरा पर तीन थाना क्षेत्र की दुर्गा प्रतिमा भक्तों द्वारा विसर्जन किया जाता है। मंगलवार को दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

# संक्षिप्त समाचार

## जनवरी तक तैयार होगा ट्रांसपोर्ट नगर, 50 दुकानें व 25 गोदाम होंगे

झांसी। झांसी विकास प्राधिकरण ने करारी में ट्रांसपोर्ट नगर बसाने का काम शुरू कर दिया है। इसे दो पैच में बनवाया जा रहा है। पहले पैच में सड़क डाली जा रही है। जनवरी 2024 तक यहां 50 से अधिक दुकानें और 25 गोदाम के लिए भूखंड का आवंटन कर दिया जाएगा। मौजूदा समय में महानगर में ट्रांसपोर्ट नगर नहीं है। ऐसे में शहर वासियों को हर समय जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। पिछले 20 वर्षों से झांसी में ट्रांसपोर्ट नगर बनाने के लिए कवायद जारी थी। अधिकारियों द्वारा सर्वे करने पर ट्रांसपोर्ट नगर के लिए पर्याप्त जमीन नहीं मिल पाती थी। ऐसे में ट्रांसपोर्ट नगर बसाने का सपना पूरी नहीं हो पा रहा था। फिर झांसी विकास प्राधिकरण ने पहल करते हुए ग्वालियर मार्ग पर करारी में नगर निगम की 76 एकड़ जमीन चिह्नित की। इसके एवज में नगर निगम को करीब 28 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया गया। अब जेडीए ने यहां पर दो फेज में ट्रांसपोर्ट नगर बसाने की योजना तैयार की है। इसके तहत करीब 15 एकड़ में पहला पैच बनाया जा रहा है। यहां पर सड़क बनाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। 50 से अधिक दुकानें बनाने का काम भी जल्द शुरू हो जाएगा। करीब 25 गोदाम के लिए भी भूखंडों का आवंटन किया जाएगा।

दो महीने बाद शुरू होगा दूसरे पैच का काम

पहले पैच का काम पूरा होने के बाद यहां पर 50 से अधिक ट्रकों की एक साथ एंट्री हो सकेगी। वहीं, झांसी विकास प्राधिकरण द्वारा दूसरे पैच का काम दो महीने बाद शुरू कराया जाएगा।

## बीएड - पूल काउंसलिंग में भी नहीं दिखा रुझान, सिर्फ 162 ने लिया प्रवेशय

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा कराई जा रही पूल काउंसलिंग के पहले दिन भी अभ्यर्थियों में बीएड में प्रवेश लेने को लेकर रुझान देखने को नहीं मिला। दिनभर में सिर्फ 162 अभ्यर्थियों ने काउंसलिंग प्रक्रिया में हिस्सा लेकर कॉलेज की च्वाइस भरी। तीन चरणों की काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी ने रविवार से पूल काउंसलिंग शुरू की है। इसमें एक से 4.22 लाख रैंक तक के वो अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं, जिन्होंने अब तक काउंसलिंग प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया है या फिर काउंसलिंग कराने के बाद सीट आवंटन होने के बावजूद संबंधित कॉलेज में प्रवेश नहीं लिया। इस बार पूल काउंसलिंग में पहली बार राजकीय और अनुदानित कॉलेजों में प्रवेश लेने का भी अभ्यर्थियों को मौका दिया गया है। इन महाविद्यालयों में अभी 432 सीटें खाली हैं। हालांकि, पूल काउंसलिंग के पहले दिन अभ्यर्थियों का रुझान देखने को नहीं मिला। महज 162 छात्र-छात्राओं ने काउंसलिंग कराकर फीस जमा करके कॉलेज की च्वाइस भरी। बीयू के कुलसचिव विनय कुमार सिंह का कहना है कि पूल काउंसलिंग के दौरान 28 अक्तूबर तक अभ्यर्थी च्वाइस भर सकेंगे। 29 अक्तूबर को इन्हें कॉलेज आवंटन कर दिया जाएगा। 30 और 31 अक्तूबर को आवंटन पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। एक से तीन नवंबर तक अभ्यर्थियों का डाटा एकत्र किया

## धर्मांतरण कराने वाले गिरोह के मास्टर माइंड समेत सात पर गैंगस्टर

झांसी। प्रेमनगर पुलिस ने धर्मांतरण कराने वाले गिरोह के मास्टर माइंड पास्टर आस्टिन समेत सात के खिलाफ गैंगस्टर लगा दिया। इनमें से अधिकांश आरोपी अभी जेल में ही हैं। गैंगस्टर लगाने के बाद पुलिस अब इनकी संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई करने की तैयारी में है। 29 जुलाई को प्रेमनगर के महावीरन नगर में धर्मांतरण का बड़ा खेल उजागर हुआ था। पुलिस ने इस मामले में मास्टर माइंड माने जाने वाले पास्टर आस्टिन समेत कुल सात लोगों को अब तक जेल भेज चुकी। माइंड पास्टर आस्टिन स्मिथ अभी भी जेल में है। पुलिस ने 19 सितंबर को आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल कर दी। डीआईजी जोगेंद्र कुमार ने इन सभी आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर समेत अन्य कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। अब पुलिस ने पास्टर अभिषेक कुमार, पूनम चौधरी, संतोष चौधरी, रोशनी अहिरवार, मोहन सिंह एवं रविशंकर अहिरवार के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई भी कर दी है। उधर, धर्मांतरण से जुड़ा मामला होने के नाते गृह विभाग इसकी सीधी निगरानी कर रहा है। पुलिस अफसरों के मुताबिक आरोपियों को मिलने वाली विदेशी मदद की भी जांच की जा रही है।

## सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सात साल बाद शुरू होंगी अल्ट्रासाउंड

कन्नौज। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सात साल बाद अल्ट्रासाउंड फिर शुरू होंगे। इससे अब मरीजों को निजी सेंटरों पर जाकर अपनी जेब नहीं कटवानी पड़ेगी। सीएचसी में यह सुविधा दो से तीन दिन में शुरू होने की उम्मीद है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जनवरी 2016 से पहले अल्ट्रासाउंड की सुविधा मरीजों को मिलती थी। स्वास्थ्य केंद्र में तैनात डॉ. अभिषेक कटियार का स्थानांतरण सौ शैय्या अस्पताल में हो गया, जिसके बाद अल्ट्रासाउंड की सुविधा बंद हो गई। सीएचसी की अल्ट्रासाउंड मशीन को भी सौ शैय्या अस्पताल भेज दिया गया था। अब सात साल बाद स्वास्थ्य केंद्र में फिर से अल्ट्रासाउंड की सुविधा शुरू होने जा रही है। इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं। रविवार को अस्पताल में डॉ. महेश विश्वकर्मा ने अल्ट्रासाउंड मशीन को चेक किया। उन्होंने बताया कि मशीन इंस्टॉल तो है, लेकिन इसका प्रोव और बाल खराब है, इसके लिए साइरेक्स कंपनी के इंजीनियर को बुलाया गया है। एक से दो दिन के अंदर इंजीनियर आकर मशीन को सही कर देंगे, जिसके बाद अल्ट्रासाउंड की सुविधा शुरू हो जाएगी। प्रभारी चिकित्साधिकारी डाॅ. राहुल मिश्रा ने बताया कि मशीन को सही कराकर अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधा दो से तीन दिन में शुरू करा दी जाएगी।

## बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं पर सपाइयों का प्रदर्शन, नारेबाजी

कन्नौज। जिले में डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड व संक्रामक रोग तेजी से फैल रहे हैं। संक्रामक बीमारियों ने स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोलकर रख दी है। इनकी रोकथाम न होने और जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर इलाज न मिलने पर सपाइयों ने शुक्रवार को आक्रोश जताया। जिला अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। सीएमएस को ज्ञापन देकर व्यवस्थाएं बेहतर करने की मांग की। शुक्रवार को सपा के पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव की अगुवाई में बड़ी संख्या सपा नेता जिला अस्पताल पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर अस्पताल परिसर में नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। बाद में सीएमएस डॉ. शक्ति बसु को ज्ञापन सौंपा। सपाइयों ने ज्ञापन में कहा कि बुखार से हजारों लोग पीड़ित हैं। लेकिन सरकारी अस्पतालों में न तो उचित इलाज लोगों को मिल रहा है और न ही पर्याप्त डॉक्टर हैं। आरोप लगाया कि सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में दवाएं भी नहीं हैं। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की यह हालत है कि डायलिसिस के समय बिजली की सप्लाई कट जाती है, जिससे मरीजों की जान खतरे में पड़ जाती है। जिले भर में डेंगू का प्रकोप है। लोग प्राइवेट अस्पतालों में इलाज करवाने के लिए मजबूर हैं। दूसरी तरफ जिला अस्पताल में वार्ड खाली पड़े हैं। इस मौके पर संजय दुबे, मनोज कठेरिया, विनोद यादव, अनुराग मिश्रा, बबलू, आफाक खां, आसिफ सिद्दकी, बाबू यादव, वीर पाल, राम वीर कठेरिया, दीपू यादव, रामजी दुबे आदि मौजूद रहे।

## 50 हजार आबादी को मिलेगी जलभराव से निजात

लखीमपुर खीरी। नगर पालिका के वार्ड शिवकालोनी सहित पांच मोहल्लों की करीब 50 हजार की आबादी को अब जलभराव से मुक्ति मिलेगी। जलभराव से निजात दिलाए जाने को लेकर 55 लाख रुपये खर्च हुए हैं। मोहल्ले के बीचोबीच संपवेल का निर्माण कराया गया है। करीब 35 सालों से ज्यादा जलभराव का दंश झेल रहे मोहल्ला शिवकालोनी वासियों को अब इस समस्या से निजात मिल जाएगी। शहर की सरकार बनने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने वार्डवासियों की इस समस्या से समाधान कराए जाने की बात कही थी। समस्या को दूर करने के लिए 55 लाख रुपये की कीमत से संपवेल का निर्माण कराया गया है।

करीब डेढ़ महीने पहले निर्माण कार्य शुरू हुआ था। संपवेल शुरू हो जाने से मोहल्ला शिवकालोनी के अलावा ईदगाह, कमलापुर, गोटैय्याबाग, सरबती देवी कालोनी में जलभराव की समस्या दूर हो जाएगी। इसमें तीन मोटरों को लगाया गया है जो 7500 लीटर प्रति सेकेंड पानी डिस्चार्ज करेंगी। इन मोहल्लों की बात करें तो यहां पर करीब 50 हजार की आबादी इस समस्या से प्रभावित थी।

सदर विधायक और पालिकाध्यक्ष ने किया उद्घाटन

संपवेल का रविवार को सदर विधायक योगेश वर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव ने उद्घाटन किया। इस मौके पर सदर विधायक योगेश वर्मा ने कहा कि इस समस्या से पिछले साल ही निजात मिल जाती, लेकिन कुछ दिक्कतों की वजह से यह समस्या समाप्त नहीं हो सकी थी। अब वार्डवासियों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस अवसर पर वार्ड सभासदगण कपिल श्रीवास्तव, हेमंत गुप्ता, मनोज राज, मंजुला बरतरिया, सुमित सक्सेना, संदीप वर्मा, अनूप शुक्ला, राकेश सिंह, सुमित तिवारी सहित तमाम मोहल्ले वासी मौजूद रहे।

# झांसी में मां-बेटे की मौत-अपनों की चार मौतों से टूट गई थी हेमलता, 20 साल से नहीं निकली थी घर से बाहर

झांसी। पति, बेटा, बेटी और दामाद की मौत ने हेमलता को तोड़कर रख दिया था। हेमलता अपनों को खोने के बाद डिप्रेशन में चली गई थी। पड़ोसियों ने बताया कि बड़े बेटे रवि की मानसिक स्थिति भी कुछ दिनों से ठीक नहीं थी। झांसी में रविवार को घर के अंदर कमरे में मां और बेटे की लाश मिली थी। मामले की जांच हुई तो खुलासा हुआ कि पति, बेटा, बेटी और दामाद की मौत ने हेमलता को तोड़कर रख दिया था। कभी हर रिश्तेदारी और शादी-विवाह में जाने वाली हेमलता अपनों को खोने के बाद डिप्रेशन में चली गई थी। हालात ऐसे बने कि घर से बाहर निकलना बंद कर दिया। कभी कभार ही वह अपने आंगन या गेट पर दिखती थी। मोहल्ले के किसी भी शख्स से मां-बेटे का कोई संबंध नहीं था। स्थिति यह थी कि जब मां-बेटे की मौत के बाद पुलिस पहुंची तो कोई इन दोनों का नाम तक नहीं बता सका। पुरानी तहसील के पीछे एक मोहल्ले में तीन छोटे-छोटे कमरों के एक मकान में हेमलता (70) अपने बेटे रवि (45) के साथ रहती थी। रवि अविवाहित था। पड़ोस में रहने वाले हरिओम, मालती देवी, शशि किरण से जब बात की गई तो उनका कहना था कि हेमलता के पति कृपाराम भी मोहल्ले में कम ही निकलते थे। उनको लोग सिर्फ बाबूजी के नाम से जानते थे। शादी के बाद से ही हेमलता यहां रहती थी। परिवार खुशहाल था, लेकिन एक के बाद एक परिवार के चार लोगों की मौत ने इस परिवार की सारी खुशियां छीन लीं। तकरीबन बीस साल पहले हेमलता के पति कृपाराम की हार्ट अटैक से मौत हुई। पति की मौत के कुछ महीने बाद छोटे बेटे भानू ने जहर खाकर जान दे दी। उसके तीन महीने बाद ही इंदौर में रहने वाली बेटी मीरा और दामाद की भी मौत हो गई। परिवार के लोगों की मौत से मिले दर्द की वजह से हेमलता ने खुद को घर के भीतर कैद कर लिया। दो दशकों से उन्होंने मोहल्ले के लोगों और रिश्तेदारों से रिश्ते-नाते खत्म कर रखे थे। मोहल्ले में चाहें कोई शादी हो या गमी यह दोनों शरीक नहीं होते थे।

पड़ोसियों ने बताया कि बड़े बेटे रवि की मानसिक स्थिति भी कुछ दिनों से ठीक नहीं थी। अक्सर घर के अंदर से रवि की चीखने-चिल्लाने की आवाज आती थी। पति कृपाराम रेलवे में थे। लिहाजा उनकी पेंशन के सहारे दोनों का जीवन यापन होता था। मोहल्ले वालों ने बताया कि रवि को 19 अक्तूबर की दोपहर को देखा गया था। उसने एक बैग थाम रखा था। माना जा रहा है कि घर का सामान परचून की दुकान से लाया था। इसके बाद से वह भी कभी नजर नहीं आया। पुलिस का कहना है कि कानपुर में रहने वाली हेमलता की बहन से पुलिस ने संपर्क किया, लेकिन वह भी आने को राजी नहीं हुई। कहा कि उनके पास आने का कोई साधन नहीं है। लिहाजा वह कल ही आ सकेंगी।

## संगीत की दुनिया में विदुषी चमकता हुआ तारा

जलालपुर। त्रिलोचन बाजार निवासी प्रतिभावान बाल गायिका व उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी से पुरस्कृत विदुषी वर्मा एक चमकता हुआ तारा है। अभी हाल ही में उनको काशी आइकान अवार्ड से सम्मानित किया गया। कम उम्र में ही विदुषी ने लोकगीत व भक्तिगीत में बड़ा नाम कमाया है, ऐसे में वह देश के कोने-कोने में स्टेज शो करके जिले का नाम बढ़ा रही हैं। विदुषी के पिता विनय वर्मा त्रिलोचन बाजार में सराफा के व्यापारी हैं। बचपन में ही पिता के साथ संकट मोचन संगीत समारोह में जाती थी। इन पर हनुमान जी की कृपा बरसी तो संकट मोचन के मासिक भजन में हिस्सा लेने लगी। इसके बाद संकट मोचन के सालाना कार्यक्रम में अनूप जलोटा, मालिनी अवस्थी, महाभारत वाले गजेंद्र पाल के सामने प्रस्तुति देकर आशीर्वाद लिया। विदुषी चौथी कक्षा में जब आठ साल की थी तभी से शास्त्रीय संगीत, उप शास्त्रीय संगीत जैसे-कजरी, ठुमरी, चहती, चइता, दादरा व भजन सीखने लगी।

## तीन राजकीय हाईस्कूल हुए उच्चीकृत, इंटर तक संचालित होंगी कक्षाएं

ललितपुर। जनपद में संचालित तीन राजकीय हाईस्कूल विद्यालय उच्चीकृत हो गए है। इन उच्चीकृत हुए तीनों विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2024-25 से इंटरमीडिएट की कक्षाएं संचालित होगी। क्षेत्र में इंटरमीडिएट तक विद्यालय हो जाने से इस क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के लिए काफी सहूलियत र। जिले के दूरस्थ तहसील महरौनी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुम्हैडी और पाली तहसील अंतर्गत ग्राम दूधई व डोंगराकलां में राजकीय हाईस्कूल विद्यालय संचालित हैं। इन विद्यालयों को हाईस्कूल तक की मान्यता होने के चलते इस क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को हाईस्कूल के बाद की शिक्षा पाने के लिए दूर दराज के इंटर कॉलेजों में जाने को विवश होना पड़ रहा था। दूर दराज के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए परेशान न होना पड़े। इसे देखते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से इन तीनों विद्यालयों को उच्चीकृत कर इंटरमीडिएट तक करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। हाल ही में शासन ने इन तीनों विद्यालय को इंटरमीडिएट तक उच्चीकृत करने की स्वीकृति दे दी। इसके बाद यह तीनों विद्यालयों का नाम अब राजकीय इंटर कॉलेज कुम्हैडी, राजकीय इंटर कॉलेज दूधई और राजकीय इंटर कॉलेज डोंगराकलां हो गया है। विद्यालय को इंटरमीडिएट का दर्जा मिल जाने से स्थानीय छात्र-छात्राओं को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। बच्चों को इंटर तक की पढ़ाई के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इंटरमीडिएट तक उच्चीकृत होने के बाद विद्यालय में संसाधनों का भी विकास होगा। प्रयोगशाला, शिक्षण कक्ष, प्रसाधन, कॉमन रूम आदि बनाए जाएंगे। विभागीय अधिकारियों के अनुसार इंटरमीडिएट तक उच्चीकृत हुए तीनों विद्यालयों में इंटर की कक्षाओं का संचालन शैक्षिक सत्र 2024-25 में शुरू हो जाएगा। राजकीय इंटर कॉलेज कुम्हैडी, राजकीय इंटर कॉलेज दूधई और राजकीय इंटर कॉलेज डोंगराकलां इंटरमीडिएट तक उच्चीकृत हो गए हैं। इनमें इंटर की कक्षाओं का संचालन शैक्षिक सत्र 2024-25 में शुरू हो जाएगा।

# मंडलीय कबड्डी प्रतियोगिता में कन्नौज के खिलाड़ियों का दबदबा

कन्नौज। मंडल स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन ऋषि भूमि इंटर कॉलेज के खेल मैदान में हुआ। छह जनपदों की 21 टीमों ने प्रतिभाग किया। जूनियर और सीनियर वर्ग की प्रतियोगिताओं में कन्नौज के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। सौरिख के ऋषि भूमि इंटर कॉलेज में आयोजित मंडलीय कबड्डी प्रतियोगिता में फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा, औरैया, कानपुर देहात व कानपुर नगर की 21 टीमों ने भाग लिया। शुभारंभ जिला क्रीड़ा अधिकारी नूर हसन, प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह यादव व नगर पंचायत अध्यक्ष राहुल गुप्ता ने किया। मंडलीय प्रतियोगिता में अंडर 19 बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला कन्नौज व इटावा के बीच हुआ। जिसमे कन्नौज ने जीत हासिल की। अंडर 14 बालक वर्ग के फाइनल कन्नौज व औरैया की टीमों के बीच भिड़ंत हुई, इसमें भी कन्नौज की टीम ने हावी रहते हुए जीत का स्वाद चखा। अंडर-19 बालिका वर्ग के फाइनल में औरैया की टीम ने कन्नौज को तथा अंडर 14 बालिका वर्ग के फाइनल मैच में कन्नौज ने इटावा की टीम को पटखनी देते हुए जीत हासिल की। जिला विद्यालय निरीक्षक पूरन सिंह ने विजेता व उप विजेता टीम को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि खेल में हार भी प्रयास में कमी की नसीहत देती है। इस कमी को दूर कर आगे अच्छे से प्रयास करें और विजय प्राप्त करें।

विनोद शुक्ला के संचालन में हुए आयोजन में जिला क्रीड़ा सचिव सुनील यादव, अजय यादव, आदित्य गंगवार, प्यारेलाल विद्यापति, उमेश पांडे, समर्थ राजपूत, प्रभात यादव, हरिश्चंद्र, अनुराग पाठक, उमेंद्र पाल सिंह, विनीत त्रिपाठी, चंद्रभान यादव, नरेंद्र शंखवार, आकाश गुप्ता, राहुल त्रिपाठी, वेद प्रकाश, वीरेंद्र वर्मा, समेत कई प्रतिभागी विद्यालयों के क्रीडाअध्यक्ष शामिल हुए।

## अब रिटायर्ड रेलकर्मियों को आपात स्थिति में मिलेगा कैशलेस इलाज

झांसी। रेलवे ने रिटायर्ड रेल कर्मचारियों के लिए नई सुविधा शुरू की है। 75 साल से अधिक आयु के रेल कर्मचारी आपात स्थिति में सीधे रेलवे के इम्पैनल्ड अस्पताल में कैशलेस सुविधा के जरिये इलाज करा सकेंगे। इस सुविधा का झांसी के आठ हजार से ज्यादा सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। रिटायर्ड रेल कर्मचारियों को अब तक आपात स्थिति में कैशलेस इलाज की सुविधा नहीं मिलती थी। कर्मचारियों को पहले से तय ऑपरेशन और अन्य इलाज कराने पर ही कैशलेस इलाज मिलता था। अब आपात स्थिति में भी कर्मचारी इलाज के दौरान कैशलेस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए कर्मचारी सीधे रेलवे से जुड़े अस्पताल में भर्ती होकर इलाज कराएंगे। इलाज के बाद अस्पताल की ओर से रेलवे को बिल भेजे जाएंगे। रेलवे बोर्ड के प्रधान (स्वास्थ्य) डॉ. एके मल्होत्रा ने बताया कि इस सुविधा से रिटायर्ड रेल कर्मियों को काफी राहत मिलेगी।

# मां की अंत्येष्टि में भी नहीं पहुंचा आशू...पिता ने दी मुखाग्नि, बोले- पुलिस परिवार को कर रही टार्चर

कानपुर। सूत्रों के अनुसार पिछले 24 घंटे से पुलिस अधिकारियों की नजर आशु पर है। सोमवार सुबह करीब 11.30 बजे आशु की मां के शव को घर से उठाया गया। इसके बाद परिजनों और रिश्तेदार उनका शव लेकर सिद्धनाथ घाट पहुंचे, जहां विश्वजीत ने उन्हें मुखाग्नि दी। कानपुर के चकेरी गांव निवासी किसान बाबू सिंह की आत्महत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी डॉ. प्रियरंजन आशु दिवाकर सोमवार को अपनी मां उर्मिला प्रकाश के अंत्येष्टि में भी शामिल होने नहीं पहुंचा। छोटे भाई की नामौजूदगी में उनके मझले भाई विश्वजीत ने मां उर्मिला प्रकाश को पुलिस की मौजूदगी में सिद्धनाथ घाट पर मुखाग्नि दी। इस दौरान सादे कपड़ों पर पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीम भी मौजूद रही।

आशु दिवाकर की मां उर्मिला प्रकाश (70) का रविवार सुबह उनके चकेरी के श्यामनगर स्थित आवास पर निधन हो गया था। परिजनों ने आरोप था कि कुर्की की नोटिस जारी होने से उन्हें सदमा लगा और उनकी मौत हो गई। आशु की मां की मौत की सूचना पर आशु दिवाकर की गिरफ्तारी के पुलिस की टीम सादे कपड़ों में घर के आस पास तैनात रही। पुलिस लगातार आशु दिवाकर पर नजर गड़ाए रही।

मुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच की मांग की

सूत्रों के अनुसार पिछले 24 घंटे से पुलिस अधिकारियों की नजर आशु पर है। सोमवार सुबह करीब 11.30 बजे आशु की मां के शव को घर से उठाया गया। इसके बाद परिजनों और रिश्तेदार उनका शव लेकर सिद्धनाथ घाट पहुंचे, जहां विश्वजीत ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान विश्वजीत पहली बार मीडिया से रूबरू होकर अपने भाई को बेगुनाह बताते हुए मुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच की मांग की।

परिवार को बंधक बनाकर अपराधियों जैसा बर्ताव किया

उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि बेगुनाह होते हुए भी पुलिस ने उनके भाई को अपराधी साबित कर एक लाख रुपये का इनाम रख दिया। बुजुर्ग माता पिता, महिलाओं और बच्चों को बंधक बना अपराधियों जैसा बर्ताव किया। विरोध पर विधवा भाभी से अभद्रता की गई। महिला दरोगा द्वारा तमाचा भी मारा गया।

मैनपुरी में पति ने दिलाई भाजपा को दो सीटें, अब सबने हाथ खड़े किए

आशु की भाभी रेनू ने अमर उजाला के संवाददाता से बातचीत कर बताया कि उनके देवर आशु मैनपुरी के चर्चित युवा नेता हैं। सपा मुखिया मुलायम सिंह भी उन्हें बहुत मानते थे। भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने सपा के गढ़ में अपने दम और मेहनत पर भाजपा का दो सीटें दिलवाई। इसके चलते सपा के लोग भी उनके पीछे पड़ गए। परिजन जब आशु की बेगुनाही लेकर भाजपा के बड़े नेता के पास पहुंचे, तो उन्होंने भी हाथ खड़े कर दिए।

# खेतों में धान की कटाई कर रहे थे मां-बाप, खेलते हुए कुएं में गिरा तीन साल का बच्चा, मौत

फतेहपुर। थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौका स्थल का निरीक्षण किया गया। रास्ते में बने हुए कुएं में बच्चे के गिरने की आशंका हुई। देरी ना करते हुए फायर सर्विस को सूचना दी गई। फायर सर्विस के कर्मचारियों ने बच्चे का शव बरामद किया। फतेहपुर जिले के थरियांव थाना क्षेत्र में खेत से घर वापस आ रहे तीन साल के बच्चे का पैर फिसल गया। इससे बच्चा कुएं में जा गिरा और मौके पर ही मासूम की मौत हो गई। थाना क्षेत्र के चौकीदार का पुरवा निवासी जागेश्वर लोधी ने बताया कि कल शाम चार बजे वह पति-पत्नी समेत खेतों में धान की कटाई कर रहे थे। इसी दौरान बच्चा रविशंकर उर्फ सोनू (3) भी वहां साथ गया था। पति-पत्नी धान की कटाई कर रहे थे और बच्चा इधर-उधर खेल कूद रहा था। उसके बाद बच्चा धीरे-धीरे खेलते हुए घर की ओर चला गया। परिजन जब घर वापस आए, तो देखा बच्चा घर से गायब था। गांव में इधर-उधर काफी खोजबीन की गई। बच्चे का कहीं भी पता नहीं चला। परिजनों ने पुलिस को शाम 6:30 बजे सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने खेत गई और निरीक्षण करना शुरू किया, तो रास्ते में उन्हें एक कुआं दिखाई दिया। पुलिस को बच्चे के कुएं में गिरने की आशंका हुई। पुलिस ने देरी न करते हुए फायर सर्विस को सूचना दी।

शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया

मौके पर पहुंचे फायर सर्विस के कर्मचारियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कुएं से बच्चे का शव नौ बजे बरामद किया। बच्चे का शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बच्चा अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा भाई था। मां सुमन और भाई उदयराज व बुधराज का रो- रोकर बुरा हाल है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौका स्थल का निरीक्षण किया गया। रास्ते में बने हुए कुएं में बच्चे के गिरने की आशंका हुई। देरी ना करते हुए फायर सर्विस को सूचना दी गई। फायर सर्विस के कर्मचारियों ने बच्चे का शव बरामद किया। पंचनामा भर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

## कॉलेज जा रहे प्रधानाचार्य को मनबढ़ों ने पीटा

खुटहन। जौकाबाद गांव के मोड़ के पास शनिवार को एक निजी कॉलेज के प्रधानाचार्य को सुबह बाइक से कालेज जाते समय नौ की संख्या में अज्ञात मनबढ़ों ने ओवरटेक कर रोककर जमकर पीट दिया। घटनास्थल के बगल स्थित ईंट भट्ठा के मजदूरों के दौड़ाने पर हमलावर गौसपुर बाजार की तरफ भाग गए। प्रयागराज जिले के नैनी निवासी धीरेंद्र कुमार शुक्ला इमामपुर गांव में संचालित राधा बल्लभ ग्रुप आफ इंस्टीट्यूट में प्रधानाचार्य के पद पर तैनात हैं। वह खुटहन बाजार में किराए के मकान में रहते हैं। रोज की तरह शनिवार को बाइक से कॉलेज जा रहे थे। इस दौरान जिला मुख्यालय मार्ग के जौकाबाद गांव के मोड़ पर पीछे से तीन बाइक सवार नौ की संख्या में मनबढ़ों ने उन्हें ओवरटेक कर रोक लात घूंसों से पिटाई शुरू कर दिए।

# वंदेभारत एक्सप्रेस पर फिर पथराव, टूटा शीशा

झांसी। हजरत निजाद्दीन से चलकर रानी कमलापति जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस पर रविवार को एक बार फिर पथराव हो गया। आगरा से झांसी रेलखंड पर हेतमपुर-सिकरौदा के बीच अराजकतत्वों ने ट्रेन के सी-13 कोच पर पत्थर मारे। इसके चलते कोच की सीट नंबर 50 का कांच टूट गया। पथराव होने के बाद सीट और कोच में सवार यात्री दहशत में आ गए। ट्रेन की ग्वालियर और झांसी स्टेशन पर जांच की गई। आरपीएफ ने ट्रेन पर पथराव करने वालों की तलाश शुरू कर दी है। हजरत निजामुद्दीन से चलकर रानी कमलापति स्टेशन जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस रविवार शाम को 5:07 बजे हेतमपुर स्टेशन से सिकरौदा स्टेशन की ओर बढ़ रही थी। इस दौरान अराजक तत्वों ने ट्रेन पर पत्थर मारने शुरू कर दिए। ट्रेन में पत्थर लगने की आवाज से यात्री दहशत में आ गए। एक पत्थर सी-13 कोच की सीट नंबर 50 के शीशे में लगा। पत्थर लगने से शीशा टूट गया। सीट नंबर 50, 51 और 52 पर रानी कमलापति के लिए यात्रा कर रहे बुजुर्ग दंपती डर गए। उन्होंने तत्काल ट्रेन के सीटीआई को सूचना दी। सीटीआई ने बुजुर्ग दंपती को दूसरी सीट पर बिठाया और कंट्रोल रूम को जानकारी दी। कंट्रोल रूम में जानकारी मिलने के बाद ट्रेन को ग्वालियर स्टेशन पर आरपीएफ कर्मियों ने अटैंड किया। यहां टूटे हुए शीशे पर टेप लगाया गया। इसके बाद ट्रेन को झांसी रवाना किया गया। झांसी पहुंचने पर भी आरपीएफ ने ट्रेन की जांच की।

## झोलाछाप के इंजेक्शन लगाने से युवक की हालत बिगड़ी, मौत

कन्नौज। नगर की गीतापुरम कॉलोनी के रहने वाले बुखार से ग्रसित युवक को झोलाछाप ने दो इंजेक्शन लगा दिए। इससे उसकी हालत बिगड़ गई। सौ शैया अस्पताल में डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। युवक ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने झोलाछापों पर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने उन्हें शांत कराया। छिबरामऊ कोतवाली क्षेत्र की गीतापुरम कॉलोनी निवासी मीरा देवी ने बताया कि उसके पति धनीराम उर्फ विजय सिंह (37) को बुधवार को बुखार आया। गुरुवार को ताजपुर रोड पर क्लीनिक चलाने वाले झोलाछाप के पास ले गई। झोलाछाप ने उन्हें ग्लूकोज की दो बोतलें चढ़ाई लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। शुक्रवार को वह पति को विशुनगढ़ के एक झोलाछाप के पास ले गई, जहां उसने दो इंजेक्शन लगा दिए। इससे पति की हालत बिगड़ गई। आनन-फानन में वह उन्हें लेकर सौ शैया अस्पताल पहुंची, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। स्वास्थ्य कर्मियों ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। मृतक की पत्नी मीरा देवी झोलाछाप के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही थीं, तभी परिजन आ गए और हंगामा करने लगे। सूचना पाकर मंडी चौकी इंचार्ज रॉबिन सिंह मौके पर पहुंचे और परिजनों से मामले की जानकारी ली। परिजनों ने बताया कि धनीराम पिकअप चलाता था।

# अधेड़ किसान ने फंदा लगाकर दी जान, पहली पत्नी ने भी की थी आत्महत्या, मासूम बेटे को भी लटकाया था

हमीरपुर। थानाध्यक्ष रामआसरे सरोज ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। हमीरपुर जिले में सुमेरपुर थाना क्षेत्र के देवगांव में अधेड़ किसान ने घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इसके पहले मृतक की पहली पत्नी ने भी अपने दो साल के बच्चे को फंदे में लटकाने के बाद खुद फंदे पर झूल गई थी। मामले में मृतक के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था और समझौता होने पर जेल से बाहर आया था। बता दें कि देवगांव निवासी अशोक सिंह (45) पुत्र भागवत उर्फ चुन्नू सिंह खेतीबाड़ी कर परिवार का भरण पोषण करता था। पिता भागवत सिंह ने बताया कि इसकी पत्नी शांति देवी दो दिन पूर्व अपनी दोनों बेटियों के साथ मायके चली गई थी।

सूना घर पाकर रविवार की रात अशोक ने घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह होने पर उन्हें जानकारी हुई, तो पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है।

पहली पत्नी ने दो साल के बेटे को फंदे में लटका कर खुदकुशी की थी

वहीं, सूचना पाकर पत्नी शांति अपनी दोनों बेटियों के साथ गांव आ रही है। अशोक सिंह की पहली शादी वर्ष 2000 में चंदपुरवा गांव निवासी राजेंद्र उर्फ भूरा सिंह की बेटी मेनका देवी से हुई थी। उससे एक बेटा हुआ था। बताते है कि वर्ष 2007 में पहली पत्नी मेनका ने दो साल के बेटे को फंदे में लटकाने के बाद खुद भी फंदे से झूल गई थी।

2010 में कानपुर जनपद में दूसरी शादी की थी

इस मामले में अशोक सिंह के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया था और वह जेल भी गया था। हालांकि बाद में इसके ससुरालीजनों ने समझौता कर लिया था। जेल से बाहर होने पर इसने वर्ष 2010 में कानपुर जनपद में दूसरी शादी की थी। उससे दो बेटियां रोशनी (7) और लाडो (5) है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

दो दिन पूर्व इसकी पत्नी बेटियों के साथ अपने भाई के साथ अपने मायके चली गई थी। सूना घर पाकर यह रविवार की रात घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष रामआसरे सरोज ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

# ट्रक वालों की मनमानी से खतरनाक हुआ हाइवे पर सफर

*-हाइवे पर कही भी ट्रक खड़ा कर भोजन, नाश्ता करने चले जाते हैं चालक*

कुशीनगर। हाईवे पर सफर खतरनाक साबित हो रहा है। इसकी वजह मनमानी तरीके से हाईवे पर ट्रकों का खड़ा करना है। दुर्घटनाओं में इजाफा होने के बाद भी एनएचआई के जिम्मेदारों को कोई फिक्र नहीं हैं। यही वजह है कि बीते 10 दिनों में तमकुहीराज से सलेमगढ़ टोल प्लाजा के बीच डीसीएम चालक की जान चली गई। इसके अलावा इसी टोल प्लाजा के बीच दो दुर्घटनाएं हुई हैं जिसमें गंभीर रूप से लोग घायल हो गए हैं। हाईवे पर ट्रक या कोई भी वाहन नहीं खड़ा किया जा सकता है। इसके सड़क किनारे पार्किंग की व्यवस्था एनएचएआई की ओर से किया गया है। बावजूद ट्रक चालक मानमानी से बाज नहीं आ रहे हैं। एनएचआई की टीम भी पेट्रोलिंग नहीं कर रही है। बीते सोमवार की रात हादसे के बाद भी एनएचआई की टीम नहीं हाईवे पर नजर नहीं आ रही है। ट्रकें भी हाईवे पर जहां-तहा खड़े रहते हैं। हाईवे पर गाजीपुर बैरियर पर भी पंक्तिबद्ध मालवाहक खड़े रहते हैं। तमकुहीराज पूर्वी ओवरब्रिज चौराहे से लेकर बिहार बार्डर (बहादुरपुर) तक मालवाहक ट्रकें हाईवे पर नियमविरूद्ध खड़े रहते हैं। इसकी वजह से बाइक और चार पहिया वाहन ओवरटेक करने के प्रयास मे अक्सर अवैध कट से गलत लेन में आने वाले वाहनों से टकरा जाते हैं। एनएच किनारे पेट्रोल पंप, गाजीपुर बैरियर और ढाबों के पास ट्रकों को पार्किंग के बजाय हाईवे पर खड़ा कर दिया जा रहा है। इससे दुर्घटनाएं हो रही हैं।

यहीं हाल रहा तो कोहरे में बढ़ेगी दुर्घटनाएं

-एनएचआई की पेट्रोलिंग सिर्फ खानापूर्ति है। हाइवे पर होने वाले दुर्घटना स्थल पर कभी भी पेट्रोलिंग टीम नहीं पहुंचती है। यहीं हाल रहा तो ठंड के दिनों में कोहरा के कारण हाइवे पर दुर्घटनाएं और बढ़ जाएगी। इसके लिए एनएचआई को पेट्रोलिंग बढ़ानी चाहिए और बेतरतीब तरीके से खड़े ट्रक चालकों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

इधर कुछ दिनों में हाइवे पर हुई दुर्घटनाएं

-10 सितंबर कों सलेमगढ़ के सियरहा के पास गलत लेन से आ रहे बाइक से दूसरी बाइक टकरा गई, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं 26 सितंबर की सुबह हाईवे पर मंझरिया के पास हाइवे पर खड़े निजी बस में अनियंत्रित ट्रक टकरा गया। इसमें दो लोगों को चोटें आई थी। 26 सितंबर कों रात करीब आठ बजे लतवा बाजार के समीप गलत लेन से आ रहे बाइक की दूसरे बाइक से टक्कर हो गई। नाबालिग सहित दो लोग घायल हो गए। 7 अक्तूबर को सलेमगढ़ टोल प्लाजा के पैसा जमा करने वाले लेन मे खड़े ट्रक में डीसीएम ने पीछे से टक्कर मार दी। डीसीएम सवार खलासी की मौत हो गई थी।

## प्रवेश लेकर कक्षाओं से गायब हो गए आईटीआई छात्र

झांसी। आईटीआई समेत कई अन्य प्रोफेशनल कोर्स में प्रवेश लेने के बाद अधिकांश छात्र कक्षाओं में ही नहीं आते। इसका खुलासा पिछले दिनों हुई जांच-पड़ताल में हुआ। अफसर जब जांच-पड़ताल को इन संस्थानों में पहुंचे तब यहां चुनिंदा छात्र ही कक्षाओं में मिले। अफसरों को आशंका है सिर्फ छात्रवृत्ति के लिए छात्रों ने प्रवेश ले लिया। ऐसे में इन संस्थाओं को नोटिस भेजकर छात्रों की उपस्थिति सत्यापित कराने को कहा गया है। केंद्र एवं राज्य सरकार आईटीआई समेत अन्य प्रोफेशनल कोर्स में प्रवेश लेने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति देती है। आईटीआई में प्रवेश लेने वाले छात्रों को सालाना करीब दस हजार से लेकर 14 हजार रुपये तक छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति दी जाती है। झांसी में पांच सरकारी समेत कुल 60 प्राइवेट आईटीआई कॉलेज हैं। अगस्त माह तक इन संस्थाओं में प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली गई। प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद पिछले दिनों छात्रों की कक्षाओं में उपस्थिति जांची गई। इसमें कई संस्थान ऐसे सामने आए जहां पचास से अधिक प्रवेश होने के बाद भी कक्षा में महज 5-10 छात्र ही निरीक्षण के दौरान मिले।

## खोरा पहुंची नगर पालिका परिषद की टीम, पानी के तीन नमूने लिए

कौशांबी। नगर के खोरा गांव में छह साल के अंदर कैंसर से पांच लोगों के मौत की खबर छपने के बाद रविवार को नगर पालिका परिषद हरकत में आ गया। मामले को गंभीरता से लेकर कर्मचारियों की टीम भेजी गई। अलग-अलग बोरिंगों से पानी के तीन नमूने लिए। उसका नमूना भी लिया, जिसकी परत पानी में जमती है। नगर पालिका परिषद मंझनपुर के वार्ड नंबर 17 गौतमबुद्ध नगर के खोरा मोहल्ले में 25 से 30 घरों के बीच कैंसर का खौफ फैला हुआ है। इसकी वजह छह साल के अंदर ही पांच लोगों की मौत है। वहीं दो लोग अब भी पीड़ित हैं, जिनका वाराणसी के पं. मदन मोहन मालवीय कैंसर हॉस्पिटल से इलाज चल रहा है। लोग दूषित पानी की वजह से बीमारी फैलने की आशंका जता रहे हैं। कई बार यहां के लोगों ने शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। अमर उजाला ने रविवार के अंक में 'छह साल में पांच लोगों की कैंसर ने ली जान, खोरा क्षेत्र में दहशत' शीर्षक की खबर छपी। इसको नगर पालिका परिषद के ईओ अनूप राय ने संज्ञान में लिया। उनके निर्देश पर पालिका के कर्मचारी रामशरण और शिव सिंह खोरा पहुंचे। यहां पर पालिका के सबमर्सिबल पंप, हरिओम के घर के सामने लगे हैंडपंप और राज बहादुर के निजी नलकूप के पानी का नमूना लिया। पानी में जमने वाली सफेद रंग की परत के बुरादे का सैंपल भी लिया। अब इसे जांच के लिए लैब भेजा जाएगा। टीम के गांव पहुंचने के बाद मोहल्ले के धनराज सिंह, चंद्रभान सिंह आदि ने राहत की सांस ली। उम्मीद जताई कि शायद अब उनकी समस्या का समाधान हो जाएगा। इसके लिए लोगों ने अमर उजाला का आभार भी जताया। ईओ ने बताया कि पानी के लिए गए नमूनों को जांच के लिए प्रयागराज स्थित लैब भेजा जाएगा। पानी की गुणवत्ता की जांच तो नगर पालिका करा ही रही है, स्वास्थ्य विभाग ने भी प्रकरण को गंभीरता से लिया है। सीएमओ डॉ. सुष्पेंद्र कुमार ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। एक ही इलाके में कुछ घरों के बीच कैंसर के मरीजों का मिलना चिंता का विषय है। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी पड़ताल कराई जाएगी। दशहरे के अवकाश के बाद टीम गठित होगी।

## संक्षिप्त समाचार

### नेपाली हाथियों ने सोहनरा भूड़ में मचाया उत्पात

बांकेगंज। किशनपुर सेंक्चुरी के मझरा सेक्शन में डेरा डाले नेपाली हाथी शनिवार रात जंगल से निकलकर मैलानी रेंज की जटपुरा बीट जंगल किनारे बसे सोहनरा भूड़ गांव आबादी से सटे खेतों में पहुंचे। हाथियों ने किसानों जगतार सिंह और मंजीत सिंह के खेतों में घुसकर गन्ना फसल में जमकर उत्पात मचाया। गन्ना खाने के साथ रौंद डाला। हाथियों के चिंघाड़ने की आवाज सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने शोर मचाकर, ढोल बजाकर किसी तरह इन्हें खदेड़ा। इसके बाद हाथी नकुला होते हुए फिर मझरा की ओर चले गए। इसी रेंज की सुल्तानपुर बीट में पहुंचे हाथियों के दूसरे झुंड ने कई किसानों की गन्ना, मटर फसल बर्बाद कर डाली। रविवार सुबह मौके पर पहुंचे फॉरेस्टर अखिलेश सिंह और राजाराम तिवारी ने फसल नुकसान का सर्वे किया। निगरानी टीमों के मुताबिक रविवार सुबह हाथियों की लोकेशन मझरा में मिली है।

### गन्ना उत्पादन में महिला किसान ने फिर किया कमाल

कुशीनगर। क्षेत्रीय महिला किसान को एक बार फिर बड़े फलक पर पहचान मिली है। बिजुआ ब्लॉक की महिला किसान राजेदी देवी को गन्ना उत्पादन के क्षेत्र में प्रगतिशील कृषक सम्मान मिला। प्रदेश की गन्ना एवं चीनी उद्योग की प्रमुख सचिव वीना कुमारी मीना ने सम्मानित किया। राजेदी देवी के अस्वस्थ होने के कारण उनके पुत्र व पेशे से शिक्षक वीरेंद्र शुक्ला ने अपनी मां का सम्मान ग्रहण किया। राजेदी देवी को 2018 में गन्ना पेड़ी उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश में प्रथम पुरस्कार, 2020 में राज्य में सर्वश्रेष्ठ गन्ना उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार, जबकि 2021 में राज्य स्तरीय गन्ना उत्पादन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार मिल चुका है। इसी महीने की 11 अक्टूबर को बलरामपुर चीनी मिल समूह की चेयरपर्सन अवंतिका सरावगी भी राजेदी देवी को सम्मानित कर चुकी हैं।

### करंट से झुलसे किशोर की इलाज के दौरान मौत

कुशीनगर। नगर के श्रीरामजानकी नगर स्थित लिटिल फ्लावर स्कूल के पास बीते 15 अक्टूबर को करंट की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया था। जिसकी इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। अधिवक्ता अशोक सिंह के 12 वर्षीय पुत्र आयुष सिंह बीते 15 अक्टूबर को लिटिल फ्लावर स्कूल के पास हाईटेंशन बिजली तार की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए थे। उन्हें मौजूद लोगों ने सीएचसी कसया भेजवाया, जहां डॉक्टर ने हालत गंभीर देख मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया था। उनका इलाज मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में चल रहा था। वहां रविवार को उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किशोर की मौत पर अधिवक्ता अशोक यादव, मनोज यादव, दीपक कुशवाहा, प्रशांत कुशवाहा आदि ने शोक जताया है।

### दो करोड़ रुपये की लागत से होगा पोखरे का कायाकल्प

कुशीनगर। कस्बा के श्री राम जानकी मंदिर के पास बने पोखरे का सुंदरीकरण कार्य दशहरा बाद शुरू हो जाएगा। चेयरमैन के पहल पर करीब एकड़ में फैले इस पोखरे की कायाकल्प के लिए शासन की तरफ से दो करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। अब यहां पोखरे की सीढ़ी, सुबह शाम लोगों के टहलने के लिए रास्ते के अलावा चारो तरफ छायादार पेड़ के पौधे आदि लगाए जाएंगे। श्री राम जानकी मंदिर कस्बा के बीच में स्थित है। इसकी देखरेख नहीं होने से पोखरे के घाट बदहाल होने के साथ उसमें जलकुंभी आदि उग आए हैं। इसकी वजह से पोखरे का पानी गंदा हो गया है। इसके किनारे उगे घास फूस पशुओं के लिए चारागाह बना है। इसकी कायाकल्प के लिए स्वीकृत 2.07 करोड़ रुपये से पोखरे के चारों तरफ छह घाट और पाथवे के साथ पोखरे में उतरने के लिए संगमरमर की सीढ़ी बनाई जाएगी।

### शिव तांडव देख पंडाल में गूंजा हर-हर महादेव

पडरौना। क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेलवा बुजुर्ग स्थित सचिवालय परिसर में शनिवार की रात निशा पूजा के दौरान भगवती जागरण का आयोजन किया गया। इसमें देवी गीतों पर श्रद्धालु झूम उठे। वहीं कलाकारों ने जब शिव तांडव का मंचन किया, तो पंडाल हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। जागरण का उद्घाटन भाजपा नेता अनिल कुमार निर्मल व समाजसेवी आनंद सिंह ने देवी पूजन कर किया। इसके बाद गोरखपुर से आए हरिओम कुमार व उनकी टीम ने मां दुर्गा के भजन आज तेरा जगराता माता व मइया बाड़ी खप्परवाली, तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए समेत कई भक्ति गीत प्रस्तुत किए। गीतों की धुन पर श्रद्धालु झूमने पर मजबूर हो गए। जगराते में आए कलाकारों ने राधा रानी, शिव तांडव का मंचन किया तो हर-हर महादेव के नारों से पूरा पंडाल गूंज उठा। इसके बाद कलाकारों ने शिव-पार्वती विवाह व हनुमान की झांकी भी निकली। इस दौरान वीरेंद्र सिंह, प्रह्लाद सिंह, दीपक श्रीवास्तव, अजय तिवारी, श्रीराम सिंह, दिनेश गुप्ता, पिंटू सिंह आदि मौजूद रहे।

### जुआ खेलने के आरोप में चार लोग चालान

महाराजगंज। पुरंदरपुर थाना क्षेत्र के बड़हरा कन्हई में जुआ खेलते हुए चार को लोगों का गिरफ्तार कर चालान कर दिया गया। थानाध्यक्ष पुरुषोत्तम राय ने बताया कि शंकर निवासी बड़हरा कन्हई, रियाजुद्दीन निवासी बरगदवा रामसहाय, जितेंद्र प्रसाद निवासी परसौना थाना लोटन जिला सिद्धार्थनगर, इंद्रजीत साहनी निवासी खुर्समपुर नर्सरी, शत्रुधन गुप्ता निवासी मधुकर महदेवा के कब्जे से 52 ताश के पत्ते व कुल 7285 रुपया बरामद कर चालान कर दिया गया।

### रेलवे ट्रैक पर मिला समधी-समधन का शव

कुशीनगर। एक माह से गायब चल रहे मैगलगंज और पसगवां थाना क्षेत्र निवासी समधी-समधन का क्षत-विक्षत शव हरदोई जिले की सीमा में पिहानी मोड़ के पास रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। बताया गया कि प्रेम-प्रसंग में दोनों एक माह पहले घर से चले गए थे। उधर, मृतकों के परिजन लोकलाज के चलते ट्रेन से कटकर आत्महत्या करने की बात कह रहे हैं। रविवार की सुबह हरदोई के पिहानी कोतवाली की जहानीखेड़ा चौकी क्षेत्र में पिहानी मोड़ के पास रेलवे लाइन पर एक युवक-युवती का क्षत-विक्षत शव पड़ा पाया गया। सूचना पर जहानीखेड़ा चौकी प्रभारी रामानंद मिश्रा मौके पर पहुंचे और साक्ष्य जुटाए। मृतकों की शिनाख्त पसगवां थाने के खैरिया निवासी 40 वर्षीय रामनिवास और मैगलगंज के मुबारकपुर में रहने वाली आशारानी के रूप में हुई। शव मिलने के सूचना पर परिजन पहुंचे तो पता चला कि मृतक आपस में समधी-समधन थे। प्रेम-प्रसंग के चलते दोनों करीब एक माह पूर्व चले गए थे। परिजन इनकी तलाश में जुटे थे। मृतकों के परिजनों का कहना है कि दोनों ने लोकलाज के डर से आत्महत्या जैसा कदम उठाया होगा। जहानीखेड़ा पुलिस भी घटना को आत्महत्या मान रही है। बताया जा रहा है कि समधी-समधन ने सीतापुर-शाहजहांपुर पैसेंजर से कटकर आत्महत्या की है।

### पांच साल से एक ही स्वास्थ्य केंद्र में तैनात चार चिकित्साधिकारियों का तबादला

कौशांबी। पांच साल से एक ही स्वास्थ्य केंद्र में जमे चार चिकित्साधिकारियों का शनिवार को स्थानांतरण कर दिया गया। इनमें से कई तो ऐसे थे जो स्वास्थ्य विभाग और राजनीतिक गलियारे में अपनी मजबूत पकड़ के चलते कुर्सी पर डटे हुए थे। कमिश्नर के आदेश पर सीएमओ ने तबादला कर दिया। हाल ही में दौरे पर आए कमिश्नर विजय विश्वास पंत ने जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को परखा था। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज का भी निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्हें कई खामियां मिली थीं। इसी दौरान उन्हें पता चला कि पीएचसी के इंचार्ज पांच साल से यहीं पर डटे हैं। सीएमओ कार्यालय में समीक्षा बैठक के दौरान सीएमओ डॉ. सुष्पेंद्र कुमार को ऐसे चिकित्साधिकारियों का तबादला करने के निर्देश दिया था, जो पांच साल से एक ही जगह तैनात हैं। सीएमओ ने चार चिकित्साधिकारियों का तबादला कर दिया। सीएचसी चायल के अधीक्षक डॉ. मुकेश द्विवेदी को पीएचसी नेवादा, पीएचसी नेवादा के चिकित्साधिकारी डॉ. ललित कुमार सिंह को सीएचसी चायल, पीएचसी मूरतगंज के इंचार्ज डॉ. सुनील कुमार सिंह को पीएचसी सरसवां और पीएचसी सरसवां के चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार गुप्ता को पीएचसी मूरतगंज की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

### कार की टक्कर से ओवरलोड टेंपो पलटा, 11 यात्री घायल

सोनाली। कोतवाली के पास नौतनवा से सोनौली के लिए जा रही यात्रियों से भरी एक टेंपो हाइवे पर ही पलट गया। गनीमत रही कि यात्रियों को हल्की चोटें आईं। डॉक्टरों ने इलाज के बाद उन्हें घर भेज दिया। नौतनवा निवासी शनि चौरसिया की तहरीर पर कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार सोनौली की तरफ जा रही एक कार की हल्की सी ठोकर से राष्ट्रीय राजमार्ग पर टेंपो पलट गया। टेंपो में चालक समेत 11 यात्री सवार थे। एक यात्री को कंधे में चोट लगी है। अन्य यात्रियों को भी हल्की चोट लगी है। उनको दवा देकर डॉक्टरों ने घर भेज दिया। घटना सुबह 10 बजे की है। नौतनवा से तेज गति से यात्रियों को भरकर सोनौली के लिए टेंपो जा रहा था। लोगों के अनुसार टेंपो पलटने के बाद ऐसा लगा कि कोई बड़ा हादसा हो गया है, लेकिन गनीमत रही कि यात्रियों को कम चोटें लगी थी। घटना के बाद सभी किसी तरह से नौतनवा सीएचसी पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने घायलों का इलाज कर घर भेज दिया। एक यात्री शनि चौरसिया निवासी नौतनवा के कंधे में चोट लगी है।

## शौचालय निर्माण के लिए पूर्व प्रधान के बेटे के बैंक खाते में आए 1.10 लाख रुपये

कुशीनगर। पूर्व प्रधान के बेटे के बैंक खाते में तीन सचिवों ने शौचालय निर्माण के लिए तीन बार में 1.10 लाख रुपये भेज दिया। आईजीआरएस पर शिकायत के बाद पोल खुला तो बीडीओ ने जांच शुरू की। तीनों सचिव से स्पष्टीकरण मांगा है, लेकिन अभी तक किसी ने जवाब नहीं दिया है। तमकुहीराज ब्लॉक के बभनौली (रजवटिया) गांव के पूर्व प्रधान के बेटे पप्पू सिंह के बैंक खाते में शौचालय निर्माण के लिए तीन बार में 1.10 लाख रुपये भेजा गया है। गांव के प्रदीप सिंह की शिकायत के बाद इसका खुलासा हुआ है। जिस समय पूर्व प्रधान के खाते में शौचालय निर्माण के लिए रकम भेजा गया है। उस समय तीनों सचिवों की तैनाती उसी गांव में रही है। पहली बार बैंक एकाउंट में 13440 रुपये, दूसरी बार 30 मई 2019 को 60000 हजार और तीसरी बार 11 दिसंबर 2020 को 40000 हजार रुपये भेजा गया है। सरकारी धन का दुरुपयोग तत्कालीन ग्राम पंचायत अधिकारी (सचिव) ओमप्रकाश सिंह, सुनील कुमार सिंह और प्रमोद कुमार यादव के कार्यकाल में हुआ है। बीडीओ ने इस मामले में जांच का निर्देश दिया है और तीनों सचिवों को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा है। लेकिन समय पूरा होने के बाद भी सचिव अभी तक स्पष्टीकरण नहीं दिए हैं। इसके अलावा सचिव प्रमोद यादव के कार्यकाल में दो लाभार्थी वीरेंद्र पुत्र झुलन व परमात्मा पुत्र सुचित ओझा की पशु शेड की फाइल भी गायब कर दिया गया है।

इसमें लाखों रुपये सरकारी धन का गबन करने का आरोप लगाया है। इस बाबत प्रशिक्षु एसडीएम/बीडीओ तमकुहीराज श्रेया ने बताया कि मामला संज्ञान में है। इसकी जांच चल रही है। सचिवों से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

### सर्प दंश से युवक की मौत

कुशीनगर। नगर के आजाद नगर के निवासी एक युवक की सर्प दंश से रविवार को मौत हो गई। मृतक एक दुकान पर काम कर परिवार को भरण-पोषण करते थे। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आजाद नगर निवासी 40 वर्षीय तुलसी कन्नौजिया हाटा विद्युत केंद्र के पास परिवार के साथ रहते थे। शनिवार की रात काम से वे घर पहुंचे, तो उनके घर के बाहर ही एक सांप ने दंश मार दिया। परिजनों को इसकी जानकारी हुई, तो वे उन्हें हाटा सीएचसी ले गए, डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान शनिवार की देर रात उनकी मौत हो गई।

## पुलिस की पहल पर शुरू हुआ मकान का निर्माण

कुशीनगर। सूरज नगर बाजार में दबंगों की वजह से मकान और जमीन बेचने का बैनर लगाने वाले कुलवे की समस्या का समाधान हो गया है। रविवार को पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच राजस्व अभिलेखों के आधार पर वार्ता कराया। इसके बाद मकान का निर्माण शुरू हुआ। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के खजुरिया गांव के चौराहा सूरजनगर में नगेश्वर अपने पांच भाइयों के साथ काफी दिनों से रहता था। मकान जर्जर होने की वजह से उसे तोड़वा दिया और दोबारा मकान का निर्माण शुरू कराया। एक पक्ष ने अपनी जमीन बताते हुए उसे निर्माण कार्य को रोक दिया। इससे परेशान नगेश्वर ने मकान और जमीन को बेचने के लिए निर्माणाधीन मकान पर बैनर लगवा दिया और निर्माण कार्य को रोकने वालों का नाम भी बैनर पर अंकित करवा था। अमर उजाला में खबर प्रकाशित होने के बाद अफसरों ने इसे गंभीरता से लिया। रविवार को प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्ष को थाने पर बुलाकर मामले का सलटा दिया। इस बाबत इंस्पेक्टर अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों पक्षों को बैठाकर बताया गया कि मिलाजुला अराजी नंबर होने के कारण एक पक्ष निर्माण कार्य रोका था।

## सैकड़ों पर मुकदमा दर्ज होने से ग्रामीणों ने गांव छोड़ा

कौशांबी। सदर कोतवाली के सेलरहा पश्चिम गांव में शनिवार सुबह गांव के प्रधान पति और ब्रह्मदेव के पुजारी के परिजनों के बीच हुए विवाद को लेकर गांव में सन्नाटा पसरा है। घटना में 300 से ज्यादा अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। खौफ होने के कारण ज्यादातर ग्रामीण गांव से पलायन कर गए हैं। वर्चस्व को लेकर ग्राम प्रधान के पति लवलेश यादव और गांव में बरम बाबा देव स्थान के पुजारी चंद्रकांत मिश्रा के समर्थक शनिवार को आमने-सामने आ गए थे। दोनों पक्ष के बीच मारपीट और पथराव में सिपाही समेत कई लोग घायल हो गए थे। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने क्रॉस मुकदमा दर्ज किया था। घटना में 300 से ज्यादा अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद गांव में पुलिस की चहलकदमी बढ़ गई है। इसे लेकर हर व्यक्ति अपने को अपराधी महसूस कर रहा है। गांव के ज्यादातर पुरुष सदस्यों ने फिलहाल घर छोड़ दिया है। हर किसी के जेहन में इस बात का खौफ है कि पुलिस कहीं उन्हें आरोपी बनाकर जेल न भेज दे। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया है। आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस घटना के बाबत पूछताछ कर रही है। गांव में पुलिस फोर्स तैनात है। गांव के लोग खुलकर कुछ नहीं बोल रहे हैं। रविवार को बरम बाबा अनुयायी भी दूर-दूर तक नजर नहीं आए। सीओ सिटी अभिषेक सिंह का कहना है कि किसी निर्दोष को जेल नहीं भेजा जाएगा। घटना में जो लोग चिह्नित हुए हैं, उन पर ही कार्रवाई की जाएगी।

### बिना झिझक हेल्प लाइन नंबरों का करें इस्तेमाल -एसपी

कौशांबी। महेवाघाट कोतवाली के अंधावां गांव में रविवार को मिशन शक्ति फेज-4 के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तीकरण पर चर्चा की गई। एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने महिलाओं और बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबरों 1076, 1090, 1930 आदि की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध हो या अन्य कोई घटना, हर मामले में महिलाओं की सुरक्षा के लिए यह हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। विपत्ति आए तो महिलाएं और बालिकाएं बिना झिझक इनका उपयोग करें। तत्काल मदद मिलेगी।

## दारानगर का ऐतिहासिक कुप्पी युद्ध कल, देखने के लिए जुटती है लाखों की भीड़

कौशांबी। एक कुप्पी युद्ध लगभग पांच मिनट का होता है और जैसे ही सीटी बजाई जाती है कुप्पी युद्ध बंद हो जाता है। दो दिनों के बीच में कुल सात युद्ध होते हैं। पहले दिन चार और दूसरे दिन तीन युद्ध होते हैं। इस युद्ध में चाहे जिसको जितनी भी चोट लग जाए, लेकिन सेनानी उस चोट में रणभूमि की मिट्टी लगाकर फिर युद्ध के मैदान में उतर जाते हैं। कड़ा दारानगर के ऐतिहासिक श्री रामलीला कमेटी के 244 वर्ष का ऐतिहासिक कुप्पी युद्ध मंगलवार एवं बुधवार को होगा। यह युद्ध इतना विकराल होता है कि देखने वालों की रूह कांप जाती है। राम और रावण दल के सेनानी प्लास्टिक की बनी कुप्पी से आमने-सामने एक दूसरे पर प्रचंड प्रहार करते हैं। इस कुप्पी युद्ध को छुड़ाने के लिए कमेटी के पदाधिकारी निर्धारित होते हैं। सीटी बजते ही कुप्पी युद्ध प्रारंभ हो जाता है। एक कुप्पी युद्ध लगभग पांच मिनट का होता है और जैसे ही सीटी बजाई जाती है कुप्पी युद्ध बंद हो जाता है। दो दिनों के बीच में कुल सात युद्ध होते हैं। पहले दिन चार और दूसरे दिन तीन युद्ध होते हैं। इस युद्ध में चाहे जिसको जितनी भी चोट लग जाए, लेकिन सेनानी उस चोट में रणभूमि की मिट्टी लगाकर फिर युद्ध के मैदान में उतर जाते हैं। कमेटी के अध्यक्ष आद्या पांडे ने बताया कि यह कुप्पी युद्ध की परंपरा जब से रामलीला शुरू हुई है तब से निभाई जा रही है। यह कुप्पी युद्ध यहां की रामलीला की विशेषता है, जिसे देखने के लिए लाखों की संख्या में लोग जिले ही नहीं दूसरे जिले से भी आते हैं।

हर जगह रावण विजयदशमी को मारा जाता है, लेकिन दारानगर की रामलीला में रावण वध एकादशी को होता है, मान्यता यह है कि जब भगवान राम ने रावण का वध किया था तो उस समय दशमी थी, लेकिन जब रावण के प्राण पखेरू उड़े हैं उस समय एकादशी की तिथि लग गई थी। इसलिए दारानगर की रामलीला में रावण वध एकादशी यानी विजयदशमी के दूसरे दिन होता है।

### अन्नप्राशन भारतीय संस्कृति का हिस्सा -डीएम

महराजगंज। अन्नप्राशन हमारी भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बच्चों के सही पोषण के लिए परिवार व विशेषतौर पर माताओं का जागरूक करना है। सभी लोग इस कार्यक्रम में सहभागी बनते हुए इसे सामुदायिक कार्यक्रम का रूप दें तथा ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को इसके प्रति जागरूक करें। ये बातें जिलाधिकारी अनुनय झा ने रविवार को सदर ब्लॉक के सिसवा अमहवा में हुए अन्नप्राशन कार्यक्रम में जिलाधिकारी अनुनय झा ने अष्टमी के दिन आठ बालिकाओं को अन्नप्राशन कराते हुए कही। उन्होंने कहा कि बेटियां देवी का अवतार हैं, अभिभावक उन्हें बिना किसी भेदभाव के अच्छी शिक्षा देने का कार्य करें। उन्होंने ग्रामीणों से पराली न जलाने की अपील भी की। जिला कार्यक्रम अधिकारी दुर्गेश कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में नैंशी, अराध्या, रिया, अनन्या, अशिता, दिव्या, वेदिका व सुंदरी को अन्नप्राशन कराया गया। जिलाधिकारी ने अन्नप्राशन कार्यक्रम से पूर्व पोषण वाटिका में आंवला के पौधे लगाए। जिले भर में कुल 12,768 बच्चियों को अन्नप्राशन कराया गया है।

## कहीं डॉक्टर देर से पहुंचे तो कहीं मरीज को काम चलाऊ दवा देकर घर भेजा

महराजगंज। आरोग्य मेले में मरीजों का बेहतर ढंग से इलाज नहीं हो रहा है। पनियरा क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्रों की पड़ताल में आरोग्य मेले के हकीकत की पोल खुल गई। कहीं डाक्टर साहब बीस मिनट बाद पहुंचे तो कहीं काम चलाऊ दवा देकर मरीज को घर भेज दिया गया। बदहाल व्यवस्था के बीच मरीज किसी तरह से दवा लेकर घर चले गए। 11:25 नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मौलागंज की पड़ताल के दौरान वहां कोई चिकित्सक नहीं दिखे। फार्मासिस्ट दीनानाथ पटवा मौजूद थे। आरोग्य मेले में प्रचार प्रसार के लिए कहीं पर कोई बैनर नहीं लगा था। फार्मासिस्ट दीनानाथ पटवा ने बताया कि चिकित्सक डॉ. रणविजय सिंह की ड्यूटी हैं, लेकिन वह अभी रास्ते में हैं। एएनएम अनुपमा मौर्य मौजूद है। लगभग बीस मिनट के बाद डॉ. रणविजय सिंह आए और मरीजों को देखना शुरू किया। मरीज शांति देवी ने बताया कि न्यू पीएचसी मौलागंज में 10:30 बजे गठिया रोग की इलाज के लिए आरोग्य मेले में पहुंची थी, जहां पर कोई चिकित्सक नहीं थे। अस्पताल के बाहर डाक्टर के इंतजार में आधा घंटे तक बैठी रहीं। जब कोई चिकित्सक नहीं मिला तो फिर मौलागंज बाजार में एक निजी क्लीनिक केंद्र पर दवा लेकर घर चली गई। मरीज खेताऊ का कहना है कि जोड़ों में बहुत तेज दर्द हो रहा था अस्पताल पर इलाज के लिए पहुंचे थे। जहां पर फार्मासिस्ट मौजूद थे। बिना लक्षण जाने ही दर्द की दवा देकर लौटा दिए।

रामनगर के हुड़रा टोले पर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बभनौली माफी में 12:55 बजे मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में डॉ खालिद खां मरीजों का इलाज करते हुए मिले।

फार्मासिस्ट नवीन जायसवाल, एएनएम ज्योति तिवारी, आशा कार्यकर्ता किरण, चंद्ररेखा व चौकीदार उमेश सिंह मौजूद मिले, लेकिन अस्पताल पर प्रचार-प्रसार के लिए बैनर नहीं लगा था। मरीज माया ने बताया कि दांत में सूजन के वजह से बहुत तेज दर्द हो रहा था। अस्पताल पर इलाज के लिए गई। अस्पताल में जो दवा उपलब्ध थी उसको चिकित्सकों ने दी। मरीज शिवा के कान से मवाद आ रहा है। ड्रॉप दिया गया।

### महराजगंज की टीम ने सिरसिया को 13 अंक से हराया

महराजगंज। पिपरपाती तिवारी में आयोजित स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव मंडल स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में दूसरे दिन रविवार का पहला मैच महराजगंज और सिरसिया के बीच खेला गया। जिसमें महराजगंज की टीम ने शुरू से ही बढ़त बनाते हुए 21 अंक व सिरसिया की टीम केवल आठ अंक प्राप्त की। इस तरह महराजगंज की टीम ने सिरसिया को 13 अंक से हरा कर पहला मैच जीत लिया। बासपार नूतन ने विशुनपुरा को पांच अंक, पिपरपाती तिवारी ने बरियारपुर को चार अंक से हराया। कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव श्रवण पटेल ने किया। उन्होंने कहा कि खेल से भाई चारे की भावना बढ़ती है। खेल का जीवन में बड़ा महत्व है। आयोजनकर्ता सपा के जिला महासचिव शमसुद्दीन अली सिद्दीकी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कमेंट्री रितेश निगम व अंकित मणि त्रिपाठी ने किया। निर्णायक विवेक वर्मा, कमरुद्दीन सिद्दीकी, एनुद्दीन सिद्दीकी रहे। इस अवसर पर ग्राम प्रधान गिरिजेश गुप्ता, पूर्णमासी यादव आदि मौजूद रहे।

## एक दिन की कोतवाल बनीं अनामिका तिवारी

गोला गोकर्णनाथ। मिशन शक्ति फेस 4 के तहत कक्षा 12 की छात्रा एनसीसी कैडेट अनामिका तिवारी ने अपनी एनसीसी की वर्दी में एकदिवसीय कोतवाल का पद संभाला। एसडीएम रत्नाकर मिश्रा, तहसीलदार विनोद कुमार गुप्ता की मौजूदगी में प्रभारी निरीक्षक इंद्रजीत सिंह ने कृषक समाज इंटर कॉलेज की कक्षा 12 की छात्र एवं एनसीसी कैडेट अनामिका तिवारी को मिशन शक्ति के तहत इंस्पेक्टर और क्षमा शुक्ला को सहयोगी इंस्पेक्टर का चार्ज ग्रहण कराया। दोनों ने दीवान वीरेंद्र बहादुर सिंह के कंधे पर स्टार लगाकर एसआई के रूप में पदोन्नति की। कोतवाली के पटलों का निरीक्षण करने के बाद शहर में महिला सशक्तिकरण जागरूकता रैली निकाली गई।

कृषक समाज इंटर कॉलेज, सेंट जॉन्स सीनियर सेकेंडरी, सरस्वती विद्या निकेतन, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की बेटियों ने हाथों में बैनर पोस्टर लेकर नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया। नगर पालिका गेट पर पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने बेटियों पर पुष्प वर्षा की। इस मौके पर महिला पुलिस चौकी इंचार्ज अपूर्वा शर्मा, प्रधानाचार्य डॉ एलआर वर्मा, डॉ अनिल कुमार, अशोक कुमार, देवेंद्र सिंह, सचिन गुप्ता, पवन सक्सेना, विजय मिश्रा, रविंद्र कटियार, धीरज बाजपेई आदि मौजूद रहे।

महिला संबंधी मामलों में की जाए तुरंत कार्रवाई

कोतवाली में जनसुनवाई के दौरान आई महिला के घरेलू विवाद के मामले में अनामिका तिवारी ने संबंधित दरोगा को तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अधिकारियों से वार्ता के दौरान अनामिका ने कहा कि महिलाओं संबंधी किसी भी मामले में पुलिस को तत्परता दिखाते हुए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। इसके अलावा स्कूल, कालेजों के पास सुरक्षा सख्त करने की जरूरत है।

## आत्महत्या के इरादे से बांध में कूदी छात्रा, दरोगा ने बचाया

ललितपुर। आत्महत्या के इरादे से एक छात्रा ने गोविंद सागर बांध में छलांग लगा दी। जानकारी मिलते ही बांध चौकी में तैनात दरोगा साजेश कुमार भी पानी में कूद गए और उन्होंने उसे अचेतावस्था में बाहर निकाल लिया। हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। मोबाइल फोन को लेकर परिजनों से हुए विवाद के बाद छात्रा ने यह कदम उठाया था। दोपहर 22 वर्षीय एक छात्रा ने गोविंद सागर बांध पर स्थित पंप हाउस से छलांग लगा दी।

उसे छलांग लगाते हुए वहां मौजूद मछुआरों ने देख लिया। उन्होंने इसकी सूचना मोबाइल के जरिए तत्काल दरोगा साजेश कुमार को दी। उस समय साजेश कुमार बांध के नजदीक ही थे, जिससे वे बगैर समय गंवाए बांध में कूद गए और छात्रा को बाहर निकाल लाए। पानी में डूबने से युवती अचेत हो चुकी थी। युवती के पेट में भरे पानी को बाहर निकालने के लिए पंपिंग की। इसके बाद उसे जिला अस्पताल भेजा गया। जानकारी मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने बताया कि युवती बीए की छात्रा है। शनिवार को मोबाइल फोन को लेकर घर में विवाद हो गया था, जिसके बाद वह बाहर निकल गई थी। इधर, चिकित्सकों ने छात्रा की हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया। बता दें कि उप निरीक्षक साजेश कुमार पहले भी एक युवक की जान बचा चुके है। कुछ माह पूर्व उन्हें मोहल्ला तालाबपुरा के एक घर में युवक के फंदे पर लटकने की सूचना मिली थी।

इस पर उप निरीक्षक बंद कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंच गए थे और युवक को नीचे उतारा था। बांध में युवती के कूदने की सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक साजेश कुमार तत्काल मौके पर पहुंच गए थे और उन्होंने बांध में कूदकर पानी में डूब रही युवती को बाहर निकाला। उपनिरीक्षक द्वारा युवती की जान बचाने के लिए तत्परता दिखाई और इस कारण से युवती की जान बच गई। पुलिस ने अपनी मित्र पुलिस की भूमिका को सार्थक किया।

- मोहम्मद मुश्ताक, पुलिस अधीक्षक

### बीएसए ने परखा बच्चों का ज्ञान, पूछे गणित और विज्ञान के सवाल

ललितपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने विकासखंड जखौरा के दो विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से विज्ञान और गणित के सवाल पूछकर उनके ज्ञान को परखा। साथ ही शिक्षकों को दिशा निर्देश भी जारी किए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रामपाल सिंह शनिवार को ब्लॉक जखौरा अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बम्हौरी नांगल पहुंचे। यहां उन्होंने शिक्षकों व छात्र-छात्राओं की उपस्थिति जांची। स्कूल परिसर, कक्षाओं और शौचालय की साफ सफाई व्यवस्था को देखा। साथ ही कायाकल्प के तहत कराए गए कार्यों की जानकारी ली। बीएसए ने कक्षाओं में पहुंचकर छात्रों का शैक्षिक ज्ञान परखने के लिए कई सवाल पूछे, जिसका उन्हें सही जवाब मिला। इस दौरान मिड डे मील की गुणवत्ता भी जांची गई। इसके बाद बीएसए उच्च प्राथमिक विद्यालय बालाढाना पहुंचे। यहां अध्यापक बच्चों को अध्यापन कार्य कराते हुए मिले। इस दौरान दोनों विद्यालयों में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित मिले।

## मिनी स्टेडियम में इंसान और जानवर साथ टहलते हैं...सांसद आएं तो बने बाउंड्री

कौशांबी। पश्चिमशरीरा के मिनी स्टेडियम में 16 सालों से खिलाड़ियों और सुबह सैर करने वालों के साथ ही जानवर भी घूमते हैं। क्योंकि स्टेडियम में बाउंड्रीवाल नहीं है। एक साल पहले निर्माण की नौबत भी आई तो शिलान्यास के लिए सांसद का समय नहीं मिल पा रहा है। नींव की ईंट उन्हें ही रखनी है। जानवरों की मौज का समय बढ़ता जा रहा है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड (वार्ड नंबर 11) में स्थित स्टेडियम में तमाम युवा प्रतिदिन सुबह खेलकूद और दौड़ लगाने आते हैं। महिलाएं और बुजुर्ग भी टहलते हैं। बाउंड्रीवाल न होने से गंदगी तो फैली ही रहती है। मवेशी आने से बुजुर्गों को ज्यादा समस्या होती है। बाउंड्रीवाल के लिए अक्तूबर 2022 में नगर पंचायत से 35.63 लाख रुपये का टेंडर पास हुआ। कार्यदायी संस्था को तीन महीने के अंदर काम पूरा करना था, जो अब तक न शुरू हो पाया।

खेल सामग्री के नाम पर सिर्फ वॉलीबॉल स्टेडियम में पंजीकृत खिलाड़ियों को सिर्फ वॉलीबॉल और नेट दे रखा है। इसके अलावा चार पीआरडी के जवान तैनात कर दिए हैं, जो स्टेडियम की देखरेख करते हैं। इसके अलावा विभाग से कुछ नहीं मिला है। जबकि यहां पर फुटबॉल से लेकर जिम और क्रिकेट की खेल सामग्री की भी जरूरत है।

मिनी स्टेडियम में खेल सामग्री का पहले से ही संकट है। चहारदीवारी नहीं होने से यह और भी बदहाल हो गया है। चहारदीवारी बन जाएगी तो कम से कम स्टेडियम साफ-सुथरा रहेगा।- अक्षय कुमार, पश्चिमशरीरा

मिनी स्टेडियम में हर तरफ गंदगी फैली रहने से दिक्कत होती है। कम से कम चहारदीवारी बन जाए और कुछ संसाधन उपलब्ध करा दिए जाएं तो युवाओं को सुविधा होगी।- हरीश त्रिपाठी, पूरबशरीरा

तैनाती के पहले मिनी स्टेडियम की चहारदीवारी के निर्माण का टेंडर हुआ था। कुछ कारणों से इसका काम शुरू नहीं हो पाया। अब जल्द निर्माण होगा। सांसद इसकी नींव रखेंगे। क्षेत्र में उनका कार्यक्रम तय होने का इंतजार है।- निशंख भास्कर, ईओ, पूरब-पश्चिमशरीरा

### किशोरी का धर्म परिवर्तन कराने का आरोप, धरना

कौशांबी। किशोरी को अगवा कर धर्म परिवर्तन कराने के आरोपी पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज विश्व हिंदू परिषद (विहिप) कार्यकर्ताओं ने रविवार को महेवाघाट कोतवाली के समक्ष धरना देकर कार्रवाई की मांग की। एएसपी के आश्वासन पर मामला शांत हुआ। महेवाघाट कोतवाली क्षेत्र के एक व्यक्ति का आरोप है कि 14 अक्तूबर को पड़ोस में रहने वाले दूसरे समुदाय का युवक उसकी 15 वर्षीय बेटी को अगवा कर ले गया था। शिकायत के बाद भी कोतवाली पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। शनिवार को आरोपी के पिता, भाई समेत आधा दर्जन लोग पीड़ित के घर पहुंचे और धर्म परिवर्तन कराके किशोरी को बहू बना लेने की जानकारी दी। कहीं शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। इससे नाराज विहिप व बजरंग दल के कार्यकर्ता प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण कुमार मिश्रा व गोरक्षा के जिला प्रभारी रूपेंद्र विश्वकर्मा की अगुवाई में रविवार को कोतवाली पहुंच गेट के सामने धरने पर बैठ गए। सूचना के बाद एएसपी समर बहादुर ने 72 घंटे में किशोरी को खोज निकालने का आश्वासन देकर मामला शांत करा दिया।

## ये हैं खतरों के खिलाड़ी.. मगरमच्छ का मुंह बांधकर कंधे पर लादा और बांध में छोड़ आए युवक

### सौ किलो वजन के मगरमच्छ को कंधे पर लादकर 300 मीटर दूर तक ले गया नौजवान

झांसी। यह नौजवान तो वाकई खतरों के खिलाड़ी निकले। 100 किलो वजन के विशालकाय मगरमच्छ को गांव के दो युवकों ने पकड़ लिया और फिर उसका मुंह रस्सी से बांध दिया गया। बाद में एक नौजवान ने उसे कंधे पर लादा और फिर पास के एक बांध में छोड़ दिया। हालांकि मगरमच्छ ने कई बार छूटने की कोशिश की लेकिन युवक की पकड़ इतनी मजबूत थी कि उसने हिलने तक नहीं दिया। दरअसल ललितपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव अनौरा में एक बड़े मगरमच्छ ने गांव में दहशत फैला रखी थी। हर कोई परेशान था। लोग जंगल में अकेले जाने से भी डरने लगे थे। शनिवार को गांव के ही आजाद सिंह ठाकुर के तालाब के पास यह मगरमच्छ फिर नजर आया। ग्रामीणों ने वन विभाग को भी सूचना दी। इसी दौरान गांव के युवक सोहन और संजू भी यहां पहुंच गए। इन युवकों ने ग्रामीणों की मदद से पहले मगरमच्छ का मुंह रस्सी से मजबूती के साथ बांध दिया। हालांकि इस दौरान मगरमच्छ ने हमला करने की कई दफा कोशिश की लेकिन दोनों नौजवान घबराए नहीं। दोनों युवकों की हिम्मत देख कुछ और ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए। बाद में संजू ने अपने साथियों की मदद से मगरमच्छ को कंधे पर लाद लिया। संजू के कंधे पर मगरमच्छ था और पीछे पीछे ग्रामीणों की भीड़। इस दौरान कोई उसकी पूंछ पकड़ लेता तो कोई मुंह पर हाथ फेर रहा था। यह युवक मगरमच्छ को लेकर 300 मीटर तक पैदल चले फिर पिकअप वाहन में लादकर उसे सजनाम नहर पर ले गए। यहां उसके मुंह पर बंधी रस्सी को खोल दिया और नहर में छोड़ दिया। पिछले कई दिनों से मगरमच्छ की दहशत में जी रहे ग्रामीणों ने संजू और सोहन की तारीफ की।

पिछले दो महीनों में 25 मगरमच्छ घुस चुके आबादी में

झांसी। अगर 20 सितंबर से 21 अक्तूबर तक की बात की जाए तो झांसी और ललितपुर में 25 मगरमच्छ आबादी में घुस चुके हैं। झांसी में बेतवा नदी के किनारे सर्वाधिक मगरमच्छ पकड़े गए। पारीछा क्षेत्र में तो गांव तक आ गए थे। बाद में वन विभाग की टीम ने किसी तरह से रेस्क्यू करके इन्हें पकड़ा और नदी और बांध में छोड़ा। वन विभाग के अफसरों का कहना है कि बांध और नदियों में मगरमच्छ की संख्या काफी है। बरसात में जब नदियों और बांध में पानी बढ़ता है तो बाहर निकलने लगते हैं।

### जीआरपी गोंडा ने पूछताछ के लिए एक युवक को उठाया

महराजगंज। बृजमनगंज थाना क्षेत्र के बंगला चौराहे से सटे नोसागर गांव के 22 वर्षीय विनोद यादव को रविवार की सुबह 8:45 बजे चार पहिया सवार लोग जबरन गाड़ी में बैठाकर फरार हो गए। साथ ही उसकी मोटरसाइकिल को भी उठा ले गए।

स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी बृजमनगंज थाना की पुलिस को दी। घटना की सूचना पाकर थाना प्रभारी श्याम सुंदर तिवारी ने अपने हमरहियों के साथ मौके पर पहुंचकर मौके पर लोगों से बातचीत की। पास में लगे सीसी कैमरे की जांच की। घटना की पुष्टि हो जाने के बाद बृजमनगंज की पुलिस नाकाबंदी कर सघन चेकिंग करने लगी। घंटों तक पुलिस परेशान रही, लगभग तीन बजे पुलिस को सूचना मिला कि जीआरपी गोंडा की टीम किसी घटना संबंधी पूछताछ के लिए विनोद यादव को उठा कर ले गई है। इस दौरान सही जानकारी नहीं होने पर जहां परिजन परेशान रहे, वही क्षेत्रवासियों में भी दहशत रही।

## जल्द ही बिजली से रोशन होंगे लंखजर, पापड़ा और हीरापुर गांव

ललितपुर। जनपद के मड़ावरा विकास खंड के तीन गांव लंखजर, पापड़ा व हीरापुर में आजादी के बाद से अब तक बिजली नहीं पहुंच सकी थी, पर अब जिलाधिकारी ने तीनों गांवों में बिजली पहुंचाने के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली है। तीनों गांवों में करीब 10 हजार की आबादी लाभान्वित होगी। लखंजर में कॉरपोरेशन सर्विस रिलीफ फंड से और पापड़ा व हीरापुर गांव में दक्षिणांचल विद्युत विकास निगम उत्तर प्रदेश विद्युत पहुंचाने का कार्य करेगा। इन गांवों में सौर ऊर्जा प्लांट लगाकर विद्युत आपूर्ति करने का प्रयास किया गया था, लेकिन पिछले एक साल से प्लांट की बैटरी खराब होने के कारण यह गांव अंधेरे का दंश झेल रहे थे।

वैसे तो जनपद में अठारह गांव ऐसे हैं, जहां पर विद्युत आपूर्ति के लिए लाइन ही नहीं गई हुई है। यह सभी गांव वन क्षेत्र के आसपास पड़ते हैं, इन गांवों में बिजली पहुंचाने के लिए सबसे बड़ी बाधा वन विभाग है, क्योंकि वन विभाग अपनी भूमि पर खंभे लगाने की अनुमति आसानी से नहीं देता है। इसके चलते यह गांव आज भी विकास की मुख्य धारा से दूर हैं। यहां पर बिजली जैसी मूलभूत सुविधा भी नहीं है। लंखजर, पापड़ा व हीरापुर गांवों में कुछ वर्ष पूर्व सौरऊर्जा प्लांट के माध्यम से विद्युत उपलब्ध कराई गई थी। लेकिन यह आपूर्ति पर्याप्त नहीं थी, साथ ही करीब एक साल से सौर ऊर्जा प्लांट की बैटरी खराब हो गई थी, जबसे इन गांवों में फिर से अंधेरा है। तत्कालीन जिलाधिकारी ने बैटरी बदलने के लिए यूपी नेडा को निर्देश दिए थे, लेकिन इसके बाद भी शासनस्तर से बैटरी न आने के कारण इन गांवों में अंधेरा रहा। इन गांवों की बिजली की समस्या के स्थायी निराकरण के लिए जिलाधिकारी के आदेश पर कार्ययोजना बनाई गई है। अब इन तीनों गांवों में अंधकार नहीं रहेगा, साथ ही दूसरे चरण में जनपद के अन्य गांव में भी विद्युत आपूर्ति सुचारु करने के जिलाधिकारी ने निर्देश जारी किए हैं।

त्रिगुट
गुरुवार 26 अक्टूबर 2023

## नफरत की लड़ाई में अस्पताल और डॉक्टर भी सुरक्षित नहीं

इंसानियत किस तरह से दम तोड़ रही है। इसका उदाहरण है गाजा की अस्पताल में इजरायल सेना द्वारा भीषण बमबारी की गई। इसमें 500 से ज्यादा बच्चों, बीमार और डॉक्टरों की मौत हो गई। इसके बाद भी मानवीय संवेदना इजरायल के प्रधानमंत्री में देखने को नहीं मिली। निरपराध, निसहाय, औरतों और बच्चों पर जिस तरीके का कहर ढाया गया। उससे मानवता न केवल शर्माशार हुई है, वरन मानव के रूप में राक्षस मिल हो रहे हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है। अंतरराष्ट्रीय कानून के होते हुए, संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा लगातार अपील किए जाने के बाद भी जिस तरह से इजरायली सरकार द्वारा नफरत की आग में जलते हुए, अस्पताल को निशाने पर लिया गया। फिलिस्तीन की पानी, बिजली और खाना की सप्लाई रोकरकर जिस अमानुषिक ढंग से फिलिस्तीन के नागरिकों के साथ व्यवहार किया जा रहा है। इसकी जितनी निंदा की जाए, वह कम है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है कि दुनिया के इतने बड़े-बड़े विकसित और विकासशील राष्ट्र यह सब होते हुए देख रहे हैं। फिलिस्तीन बीच में हजारों बच्चों और महिलाओं की मौत, इलाज नहीं मिलने और खाद्य सामग्री नहीं मिलने के कारण हो गई। प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध की भीषण विभीषका से सारी दुनिया के देश वाकिफ है।

संयुक्त राष्ट्र संघ और जेनेवा कन्वेंशन की धारा 18 की खुले आम अवहेलना करते हुए, इजराइल ने जिस तरह के से सिविलियन अस्पताल पर हमला किया है। हमला करने के बाद भी जिस तरह से उसे झूठलाने का प्रयास किया है। पानी-बिजली इत्यादि की सप्लाई बंद करके वहां के नागरिकों को घेरकर करने की जो कोशिश की है। उसके बाद भी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा कोई उपयुक्त कार्यवाही इजरायल के ऊपर नहीं की गई। सुयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा केवल ब्यान दिये जा रहे है। इसकी आलोचना सभी देशों के नागरिकों के बीच में तीव्र प्रतिक्रया के रूप में हो रही है। एक अपवाद को छोड़ दिया जाए, जिसमें सेना के कमांडरों और सैनिकों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। बोस्निया युद्ध में एक अस्पताल पर जानबूझकर किए गए हमले के मामले में, अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में मुकदमा चलाया गया था। 21 साल पहले मानवता के खिलाफ अपराधों पर मुकदमा चलाने के लिए इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट का गठन किया गया था। उसमें सजा दी गई थी। उसके बाद से इन 21 वर्षों में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा कोई ऐसी कार्यवाही नहीं की गई, जिससे यह विश्वास जगे की युद्ध की विभीषिका में घायल और बीमारों को अस्पताल और डॉक्टरों का इलाज मिल सके। युद्ध के दौरान बीमार एवं घायलों के जीवन को सुरक्षित रख पाए। युद्ध के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं के ठिकानों पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। इजराइल और गाजा पट्टी की यह घटना कोई नई-नई है। सीएचसी संगठन के अनुसार 2022 में अस्पतालों पर हमले की 1989 घटनाएं हुई है। यूक्रेन में सबसे ज्यादा घटना हुई है। इसके पहले म्यांमार में भी इसी तरीके के हालात बने थे। म्यांमार में 2021 में हुई फौजी बगावत के बाद 800 हेल्थ वर्करों को गिरफ्तार किया गया था। 2014 से 2016 के बीच अफ़ग़ानिस्तान सीरिया और यमन में भी अस्पतालों पर भयावह तरीके से बम बरसाए गए थे। 2015 में कुंदुंज, अफगानिस्तान स्थित ट्रामा सेंटर पर अमेरिकी हवाई हमला भी इसमें शामिल है। इस हमले में उस समय 42 लोगों की मौत हुई थी। पिछले कुछ वर्षों में कई बड़े युद्ध दुनिया के कई देशों में हुए हैं। इथोपिया,यूक्रेन, सूडान और अब गाजा शामिल है। 7 अक्टूबर के बाद से बेस्ट बैंक और गाजा के अस्पतालों पर 115 से अधिक बार हमले किए जा चुके हैं। इजराइल ने गाजा के अस्पतालों को खुलेआम चेतावनी दी, और अस्पतालों को खाली करने के लिए कहा। युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं और रेड क्रॉस सोसाइटी घायलों और बीमारी की मदद के के रूप में सुरक्षा का कवच दिया गया है। यह सुरक्षा कवच भी, अब केवल कागजों तक सीमित होकर रह गया है। विकसित एवं विकासशील देश जो आर्थिक रूप से सक्षम है। वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का ना तो पालन करते हैं, नाही अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का कहना मानते हैं। जिसके कारण अब संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद की उपयोगिता पर प्रश्न चिन्ह लगना शुरू हो गया हैं। अस्पतालों, डॉक्टर और हेल्थ कर्मियों को यदि सुरक्षित नहीं रखा गया तो बहुत बड़े पैमाने पर युद्ध के दौरान नागरिकों और सैनिकों की मौतों को रोक पाना संभव नहीं होगा। इजरायल द्वारा गाजा पट्टी के क्षेत्र में लगातार हमने किया जा रहे हैं। अस्पतालों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। इससे बड़ा कोई मानवीय अपराध हो नहीं सकता है। युद्ध के दौरान यदि अस्पताल और डॉक्टर भी सुरक्षित नहीं रहेंगे तो मानवता की सुरक्षा कर पाना संभव नहीं होगा। इजराइल ने नागरिक आबादी को भी अपने निशाने पर लिया है, उससे सारी दुनिया में इजराइल रोष फैलता चला जा रहा है। दुनिया के सभी देशों को इजरायल की इस मामले में न केवल निंदा करनी होगी। वरन, फिलिस्तीन नागरिकों की सुरक्षा के लिये आगे आना होगा। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की साख जिस तेजी के साथ गिर रही है, उसके बाद वैश्विक अराजकता चिंता का विषय है। अमेरिका, रूस, चीन जैसे देशों के लिए इस मामले में गंभीर हो जाने की जरूरत है। समय रहते उपयुक्त कार्यवाही नहीं होने पर दुनिया के देशों में अराजकता का नया रूप देखने को मिल सकता है। जो मानव के लिये सबसे बड़ा संकट होगा।

### लघुकथा

## मां को गद्गद् कर दिया

'मां!' 'कहो बेटा!' 'हम तीन भाई बहन हैं। हैं न ?' 'हाँ हैं।' 'हम आपस में झगड़ते हैं।' 'हां!' 'तुम तंग आ जाती हो।' आठ वर्षीय बच्चा कह रहा था। 'बिल्कुल!' 'पापा भी!' 'हां, वह भी।' मां ने एक बार फिर झिड़क दिया। 'मां! कौरव बहन भाई सौ से भी ज्यादा थे। जब वे झगड़ते होंगे... तो उनके मां-बाप की क्या हालत होती होगी... क्या कभी सोचा है आपने? उनके मां-बाप भी तो सहते ही होंगे... आप तो सदा ही खीझती रहती हैं। हम तीनों से! प्लीज गुस्सा होना छोड़ दें।' मां ने आठ वर्षीय पप्पू को अपनी ओर खींचा। पुचकारा और बांहों में समेटते हुए बोली- 'वाह! तू तो बड़ा सयाना बन गया है... मां-बाप को भी समझाने लायक।'

# कितने शरीफ हैं नवाज शरीफ

आर.के. सिन्हा

पिछले करीब चार सालों से लंदन में अपना निर्वासित जीवन बिता रहे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और मुस्लिम लीग-एन नेता नवाज शरीफ पाकिस्तान लौट आए हैं। वे फिर से अपने देश का प्रधानमंत्री बनने के ख्वाब लेकर ही स्वेदश लौटे हैं। पाकिस्तान में संसद के लिए नाम-निहाद चुनाव आगामी जनवरी में होने हैं। नाम निहाद इसलिए क्योंकि वहां पर चुनाव कोई भी पार्टी जीते या कोई भी प्रधानमंत्री बने, देश की शक्तियों पर असली कब्जा तो रावलपिंडी में सेना के मुख्यालय में बैठे मोटी तोंद वाले जनरलों के पास ही रहता है। नवाज शरीफ ने पाकिस्तान के मौजूदा हालात पर चिंता जताई है । उन्होंने कहा कि देश में हालात 2017 की तुलना में कहीं अधिक बिगड़ गए हैं। यह बात तो सही है कि पाकिस्तान में हालात बेहद खराब हो चुके हैं। मंहगाई, कठमुल्लापन और बेरोजगारी ने देश को तबाह कर दिया है। वहां पर लगातार बम धमाके हो रहे हैं। नवाज शरीफ स्वयं भी एक सड़कछाप किस्म के इंसान हैं। भाग्य की खाते रहे हैं। वे युगदृष्टा तो छोड़िए, प्रखर वक्ता तक नहीं हैं। उनसे बेहतर वक्ता तो बेनजीर भुटटो और इमरान खान थे।

अगर नवाज शरीफ आगामी चुनाव के बाद प्रधनामंत्री बन भी गए तो देश की किस्मत बदलने वाली नहीं है। पाकिस्तान आज दाने-दाने को मोहताज है। नवाज शरीफ के पुरखे मूलतः कश्मीरी पंडित थे। कोई 125 साल पहले मुसलमान बन गए थे। वे कश्मीर से अमृतसर के पास जट्टी उमरा गांव में जाकर बसे थे। पाकिस्तान के बाकी नेताओं की तरह शरीफ भी घोर भारत विरोधी हैं। बस, उनके नाम के साथ ऽशरीफऽ आना संयोग मात्र ही माना जाएगा। नवाज शरीफ ने तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पद संभाला है। उन्हीं के कार्यकाल के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल युद्ध ( 3 मई-26 जुलाई 1999 ) लड़ा गया था। इस जंग के दौरान एक बार ऐसा भी हुआ जब तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहार वाजपेयी ने फोन कर नवाज शरीफ की जमकर क्लास लगाई थी। उन्हें 2016 में उड़ी हमलों के बाद कायदे से अपने देश में चल रहे आंतकी शिविरों को ध्वस्त करना चाहिए था। पर बेशर्मी की हद देखिए, कि वे भारत को ही कोसते रहे। नवाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र में उड़ी की घटना के लिए कश्मीर में बुरहान की मौत के बाद पैदा हुए हालातों को जिम्मेदार घोषित कर दिया। उड़ी हमला 18 सितम्बर 2016 को जम्मू और कश्मीर के उड़ी सेक्टर में एलओसी के पास स्थित भारतीय सेना के स्थानीय मुख्यालय पर हुआ था जिसमें 16 जवान शहीद हो गए थे । यह भारतीय सेना पर किया गया, लगभग 20 सालों में सबसे बड़ा हमला था। उड़ी हमले में सीमा पार बैठे आतंकियों का हाथ था। इनकी योजना के तहत ही सेना के कैंप पर फिदायीन हमला किया गया था। हमलावरों के द्वारा निहत्थे और सोते हुए जवानों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की ताकि ज्यादा से ज्यादा जवानों को मारा जा सके।

नवाज शरीफ के कुछ मंत्री भी भारत के खिलाफ युद्धोन्माद का माहौल बनाते रहते थे। क्या जिस देश के लाहौर और कराची जैसे शहरों में रोज दस-दस घंटे बिजली न आती हो, जहाँ बेरोजगारी लगातार संक्रामक बीमारी की तरह फैल रही हो और जिधर विदेशी निवेश नाम मात्र के लिये आता हो, वह देश भारत जैसी विश्व शक्ति से लड़ने के लिए कैसे तैयार हो सकता है? नवाज शरीफ सन 2013 में पाकिस्तान के वजीरे आजम की कुर्सी पर फिर से बैठे थे। बावजूद इसके कि नवाज शरीफ और उनके अनुज शाहबाज शरीफ, जो आगे चलकर देश के प्रधानमंत्री बने, पर करप्शन के अनेकों केस थे। शरीफ परिवार के लिए कहा जाता है कि इनके लिए पाकिस्तान ही इनका खानदान है। इनका बड़ा औद्योगिक घराना भी है। ये जनता को झूठे सब्जबाग दिखा कर ही चुनाव जीतते रहे हैं। पाकिस्तान लौटने पर लाहौर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बेहद खराब स्थिति में है। पर वहां की अर्थव्यवस्था तो तब भी खराब थी जब नवाज शरीफ देश छोड़कर चले गए थे। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कौन से सघन प्रयास किए? जब नवाज शरीफ देश के प्रधानमंत्री थे तब वे बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में भी बार-बार हस्तक्षेप करते थे। बांग्लादेश में सन 1970 के बाद ईस्ट पाकिस्तान ( अब बांग्लादेश ) में पाकिस्तानी सेनाओं का साथ देने वालों को लगातार दंड दिया जाता रहा है। इन गुनाहगारों ने पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर अपने ही देश के लाखों मासूमों का कत्ल कर दिया था। जब उन गुनाहगारों को फांसी पर लटकाया जाता है, तो शरीफ को बहुत तकलीफ होती है । यानी जिनके हाथ खून से रंगे हैं, उन्हें नवाज शरीफ सरकार समर्थन दे रही थी।

नवाज शरीफ ने अपने मुल्क के अल्पसंख्यकों के हक में कोई कदम नहीं उठाया। पाकिस्तान में सुन्नियों के अलावा सब असुरक्षित हैं। सब मारे जा रहे हैं। शिया, अहमदिया, ईसाई, सिख, हिन्दू भी। लाहौर से लेकर पेशावर तक ईसाई मारे जा रहे हैं। विभिन्न देशों में बसे पाकिस्तानी अपने देश में वापस जाने से पहले दस बार सोचते हैं। नवाज शरीफ दावा करते थे कि इस्लाम और मुल्क के संविधान के मुताबिक, अल्पसंख्यकों को जिंदगी के सभी क्षेत्रों में मुसलमानों के बराबक हक मिलता रहेगा। लेकिन, वे सारे वादे धूल में मिल गए थे। वहां पर गैर-मुसलमानों के लिए सामाजिक दायरा घटता गया। जब नवाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे, तब ही मुंबई पर हमला हुआ था। उनके प्रधानमंत्रित्व काल में हाफिज़ सईद और अजहर मसूद जैसे भारत विरोधी आतंकी लाहौर में खुले घूम रहे थे। पर शरीफ चुप रहे।

नवाज शरीफ अपने देश के अवाम का मूल मसलों से ध्यान हटाने के लिए ही भारत को किसी न किसी रूप में दोषी ठहराते रहते थे। वे पाकिस्तान में होने वाले बम धमाकों के लिए भारत की खुफिया एजेंसी रॉ को दोष देते रहते थे बिना किसी ठोस सुबूतों के। नवाज शरीफ तो वास्तव में निहायत एहसान फरामोश शख्स हैं। उनके ाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने पर उनके भारत स्थित गांव के लोग खुशी से मिठाइयां बांट रहे थे ढ्ढ उनके अब्बा की तो इच्छा थी कि मृत्यु के बाद उन्हें उसी मिट्टी में दफन किया जाए जिससे उनके परिवार का सदियों पुराना नाता है। पर अफसोस कि उन्हीं का पुत्र अपने पुरखों की देश को क्षति पहुंचाना चाहते थे। यकीन मानिए कि नवाज शरीफ न अपने देश के और न ही भारत के सगे हैं। पर पता नहीं क्यों हमारे यहां ही कुछ ज्ञानी लोग शरीफ को बहुत शरीफ बताते हैं। ऐसे शरीफ का चोला ओढ़े हुये लोगों से सावधान रहना होगा

# ये सर्वे, फर्वे छोड़ो, सीधा लॉटरी सिस्टम एडॉप्ट करो.....

चैतन्य भट्ट

ये तमाम राजनीतिक दल बेवजह में अपना और चुनाव की टिकट चाहने वालों का समय और पैसा बर्बाद करते हैं बाहर से सर्वे करने बड़े बड़े नेता आते हैं प्रत्याशियों से एप्लीकेशन मंगाई जाती है उसमें उन गरीबों का पैसा खर्च होता है फिर जो सर्वे करने वाले आते हैं उनके आने-जाने, रहने, खाने पीने सब में पैसा बर्बाद होता है फिर जब टिकट घोषित होती है तो धक्का मुक्की, गाली गलौज, कपड़े फाड़ने जैसी स्थितियां बन जाती है। अब देखो ना पूरे प्रदेश में टिकट के लिए हाहाकार मचा है कोई विद्रोही कपड़े उतार कर प्रदर्शन कर रहा है, तो कोई शीर्षासन कर नेताओं को चेतावनी दे रहा है कि अगर टिकट नहीं दी तो ऐसा शीर्षासन वो पार्टी को करवा देगा, तो कोई अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगाने तैयार है। झगड़ा टिकट का है, पार्टियों का है और हलाकान पुलिस हो रही है , अपने जबलपुर में ही देख लो कितने बड़े बड़े नेता ,केंद्रीय मंत्री जिन पर पूरा दारोमदार था उनकी कैसी हालत कर दी अपने शहर के विद्रोहियों ने , गनमेन की पिटाई हो गई, नेताजी के साथ धक्का मुक्की कर दी गई, जिंदाबाद, मुर्दाबाद के नारे लग गए ,जो कुछ भी कभी बीजेपी में देखा नहीं था वो सब कुछ हो गया। यही हाल कांग्रेस में है दरअसल सारा झगड़ा टिकट रूपी महबूबा का है जिसे हर कोई अपने गले लगाना चाहता अब महबूबा एक है और आशिक सैकड़ों और फिर महबूबा खुद भी जाकर किसी गले नहीं लग सकती उसे किसके गले का हार बनाया जाएगा ये भी ऊपर बैठे नेता तय करते हैं, यानी ना आशिक की इच्छा का कोई अर्थ है और ना महबूबा की, ऐसे में तो झगड़ा होगा ही। टिकट के लिए ऐसी मारामारी पहले भी होती थी पर अब तो अपने शीर्ष पर पहुंच चुकी है। अनुशासन का डंडा चलाने वाली बीजेपी का डंडा न जाने कहां खो गया है, कांग्रेस को इन सब चीजों से बहुत ज्यादा फर्क पड़ता नहीं क्योंकि वहां ये सब चलता रहता है लेकिन बीजेपी। अपनी तो तमाम पॉलिटिकल पार्टियों को एक राय है कि अगर इन सब चीजों से मुक्ति पाना चाहते हो तो यह सर्वे फरवे का लफड़ा छोड़ दो ,ना कोई सर्वे करवाओ ना ये देखो की कौन जीता है कौन हारा हुआ है, कौन महिला है, कौन पुरुष है तमाम लोगों की एप्लीकेशन बुला लो और उनको भी बुला लो जिन्होंने आवेदन दिया है सामने एक बड़े ड्रम में सबके नाम की पर्ची डाल दो और उन उम्मीदवारों में से किसी एक से कह दो कि भैया एक पर्ची निकाल दो जिसकी पर्ची निकलेगी वो टिकट का हकदार होगा, यानी अब आप हमें दोष नहीं दे सकते ,दोष दोगे तो अपने मुकद्दर को, झंझट खत्म, ना कोई झगड़ा ना कोई लफड़ा, जो मुकद्दर का सिकंदर होगा उसके नाम की टिकिट खुल जाएगी ,कम से कम ये सब तो नहीं देखना पड़ेगा जो आज देखना पड़ रहा है बड़े नेताओं को, और फिर जिसकी किस्मत में दम होगा वो जीत भी जाएगा। ऐसे कई नेता अपन ने देखे हैं जो दासियों साल से अपने मुकद्दर के भरोसे चुनाव जीतते आ रहे हैं। अब पार्टियां अपनी बात मानती है या नहीं मानती ,लेकिन इससे अच्छा कोई दूसरा विकल्प हो नहीं सकता। एक बार ये प्रयोग करके तो देखो आनंद आ जाएगा।

**कोई नहीं सुन रहा उमा जी की**

एक जमाने में मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को भरपूर बहुमत से जिता कर लाने वाली पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती बयान पर बयान देती जा रही है लेकिन कोई सुनने तैयार नहीं है, बेचारी करें तो करें क्या ,अब कोई पूछ तो रही नहीं, पार्टी ने भी किनारे कर दिया है सो बीच-बीच में बयान देकर अपने आप को लाइमलाइट में रखने की कोशिश करती रहती हैं वैसे कहती तो सौ टके की बात जैसे अभी कह दिया उन्होंने कि हमें हमेशा जीतने की लालसा और पराजय के भय से मुक्त होना चाहिएऔर दिखना भी चाहिए हम लोगों ने सिर्फ जीतने की योग्यता को आधार मान लिया है अब उमा जी को कौन समझाए कि हर पॉलीटिकल पार्टी तो सत्ता के लिए ही बनी है और सत्ता जीतने के बाद ही हाथ आती है अब सब कोई आप जैसे तो है नहीं कि मुकदमा हो गया तो मुख्यमंत्री पद गौर साहब के हाथों में देकर कर्नाटक निकल गई लेकिन क्या हुआ ? तमाम कसमों को किनारे रख गौर साहब ने आपकी वापसी पर आपकी गद्दी छोड़ने से साफ इनकार कर दिया, तो ये तो राजनीति है जो एक बार कुर्सी पर बैठ गया फिर वो उससे उतरने की लिए तैयार नहीं होता फेविकोल का जोड़ जिस तरह से लगता है वही उसके और कुर्सी के बीच में लग जाता है फिर राजनीति में तो जो किनारे हुआ तो वो फिर किनारे ही होता जाता है आप लाख बयान देते रहो किसी के कानों मेंजूं नहीं रेंगने वाली। बेहतर है कि आप अपना ध्यान पूजा पाठ में लगाओ उसी में फायदा है क्योंकि राजनीति के नक्कारखाने में आपकी आवाज तूती की मानिंद है।

**वादोंऔर घोषणाओं का मौसम**

मध्य प्रदेश में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले दोनों प्रमुख राजनीतिक पार्टियों ने जिस तरह से वादों और घोषणाओं की झड़ी लगाई है वो अपने आप में अद्भुत है, कौन कितनी घोषणा कर सकता है इसका कंपटीशन चल रहा है ,अभी हाल में कांग्रेस में अपने वचन पत्र में 1000 वचन जनता के सामने रख दिए हैं कि यदि हमारी सरकार आई तो हम ये तमाम वचन पूरे कर देंगे, हर पार्टी जानती है कि जनता को भूलने की बीमारी होती है और इसी डिमेंशिया की बीमारी से प्रदेश और देश की जनता पीड़ित है, कौन से वादे पार्टी ने किए हैं कौन से पूरे हुए ये जनता दो ढाई महीने के भीतर भुला देती है और जनता तो छोड़ो जिन्होने वादे किए हैं वे भी भूल जाते हैं कि उन्होंने कौन-कौन से वादे किए थे क्योंकि वे भी जानते हैं कि जो भी वादे वे कर रहे हैं उनको पूरा करना मुश्किल ही नहीं बल्कि डॉन की तर्ज पर नामुमकिन है फिर भी जब चुनाव जीतना है तो वादे तो करने पड़ेंगे जनता का क्या है उसे तो वादों की चासनी में डूबो दो वो उसी में खुश होती रहेगी, बाद में वादे सिर्फ वादे रह जाएंगे और फिल्म दुश्मन का यह गाना पूरी तरह से जनता पर फिट बैठ जाएगा वादा तेरा वादा, वादे पे तेरे मारा गया बंदा मैं सीधा-साधा ,वादा तेरा वादा।

**सुपर हिट ऑफ़ द वीक**

मेरी बीवी बहुत ज्यादा मोबाइल चलाती है मैं क्या करूं श्रीमान जी के एक दोस्त ने उनसे पूछा

अगर तुम्हारी बीवी बहुत ज्यादा मोबाइल चलाती है तो उसे ना डांटे ना फटकारें केवल उसका मोबाइल फेंक दे, याद रहे हमें बीमारी से लड़ना है बीमार से नहीं श्रीमान जी का उत्तर था।

### बाल कविता

## चटनी

हर खाने को बनाते मज़ेदार
पापड़ चटनी और अचार !
प्याज़ धनिया पोदीना की बनती
चटनी स्वादिष्ट चटपटी ज़ायकेदार.
नमक मिर्च नीबू अनारदाना उसमें
डाले जाते स्वादानुसार।
सादी दाल रोटी को भी चटनी
बना देती अनोखा आहार।
मिक्सर ग्राइंडर में पिसी चटनी में
नहीं मिलता अब पहले वाला स्वाद।

# नए लायसेंस नहीं बनने से बढ़ रही अफीम की तस्करी

1969 में केंद्र सरकार पंजाब में अफीम के प्रयोग के लिए लाइसेंस पालिसी लाई थी, तब 1969 और 1975 तक पंजाब में 2463 लाइसेंस बनाए गए थे, पंजाब में अफीम के लाइसेंस जाते थे। सिविल सर्जन द्वारा बनाए गए। 1976 से नए अफीम के लाइसेंस बनाने पर पंजाब सरकार ने पाबंदी लगा दी,लेकिन अकाली सरकार में बड़े-बड़े लीडरों के इक्का दुक्का लाइसेंस बनाए गए,यह लाइसेंस एक ग्राम से लेकर 15 ग्राम तक के थे।

सरकार ने उस समय अफीम की कीमत2 रुपए प्रति ग्राम निर्धारित की थी, सभी जिलों के सिविल सर्जन अपने अपने जिले का कोटा एक्साइज विभाग को भेजते थे, आगे नारकोटिक्स सेंटर गाजियाबाद को भेजा जाता था।

पंजाब सरकार द्वारा नशेड़ियों को अफीम बांटने का पूरा बजट निर्धारित किया जाता था, जिला फिरोजपुर की बात की जाए तो यहां राजनीति से जुड़े लोगों ने इस स्कीम का पूरा लाभ उठाया। बड़े बड़े अधिकारी भी पीछे नही रहे, पंजाब के भूतपूर्व डी.जी.पी के पिता रंगा सिंह का अफीम का कोटा 20 ग्राम प्रति मास का था। वहीं भुल्लर परिवार जिनका एक भाई कांग्रेस तो दूसरा अकाली दल का था उन्हें भी मोटे लाइसेंस जारी हुए थे, सोढ़ी परिवार ने भी इस स्कीम का भरपूर लाभ उठाया। फिरोजपुर जिले के विभाजन के पश्चात मोगा, फरीदकोट, फाजिल्का जिलों से संबधित लोगों के लाइसेंस वहां के स्वास्थ्य विभाग को भेज दिए गए।

कहा जाता है कि 1985 में स्व. प्रकाश सिंह बादल की सिफारिश पर उनके रिश्तेदारों का नया लाइसेंस बनाया गया। 1969 से 1975 तक लाइसेंसी लोगों को अफीम की सप्लाई के लिए उत्तर प्रदेश से क्विंटलों के भाव से अफीम आती थी, 1976 से नए लाइसेंसों की पाबंदी और पुराने लाइसेंस धारकों की अकाल मृत्यु के कारण अब पंजाब में केवल 8 लोग लाइसेंस से अफीम ले रहे हैं। इनमें फरीदकोट के 2, कपूरथला, मानसा जालंधर, आनंदपुर साहिब, मोगा और अमृतसर में एक-एक है। अफीम के लायसेंसधारी कम हो जाने के कारण यहां अवैध रूप से मिलावटी और घटिया अफीम के नशे के अन्य साधनों की मात्रा बढ़ती जा रही है। अब भगवंत मान सरकार से अपील की जा रही है कि पंजाब में अफीम की खेती करने की इजाजत दी जाए ताकि असली अफीम की मांग पूरी हो सके। सूत्रों का कहना है कि दवाईयां बनाने के लिए बड़े पैमाने पर अफीम का प्रयोग करना पड़ता है,पंजाब के अधिकतर जिलों में अफीम का कोई भी लाइसेंस धारक नहीं बचा है।

जब अफीम के बारे में ग्रामीण लोगों से बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि पंजाब में अफीम की खेती पर पाबंदी के कारण सीमावर्ती क्षेत्र फिरोजपुर, फाजिल्का, तरनतारन, गुरदासपुर और अमृतसर में अफगानिस्तान से पाकिस्तान के रास्ते से अफीम की तस्करी हो रही है, जिसे महंगे भावों से खरीदना पड़ता है। जिन जिलों में अफीम उगाने वाले इक्का दुक्का लोग बचे है उनको जनवरी 2023 से अफीम की सप्लाई नहीं दी गई, न ही इस बार बजट का प्रावधान किया गया है। वह कई बार सिविल सर्जनों से मिल चुके है और कई बार दफ्तरों के चक्कर लगा चुके हैं। ग्रामीणों काा कहना है कि अगर सरकार यहां अफीम की खेती के लायसेंस जारी कर देती है तो अफीम की तस्करी रुक सकती है।

# कब तक सहें उदासीनता का भाव

अनुमान है कि एक लड़की वर्ष में औसतन 315 दिन तक प्रतिदिन 10 घंटे काम करती है और इस तरह परिवार को वर्ष में उसके श्रम से कम से कम लगभग 8000 रुपए की बचत होती है।

अपनी किशोरावस्था में पहुंचते-पहुंचते एक लड़की परिवार की आर्थिक दृष्टि से लगभग एक लाख रुपए मूल्य की सहायता कर चुकी होती है। विडंबना यह है कि उक्त अंशदान के बावजूद उसे परिवार पर बोझ समझा जाता है। इसका एकमात्र कारण यह है कि उसका विवाह होने पर उसे खासा दहेज देना पड़ता है।

लड़कियों द्वारा किया जाने वाला कार्य आम तौर पर दिखाई नहीं देता, क्योंकि यह घर तक ही सीमित होता है तथा प्रायः घरेलू काम की न तो मात्रा ही नियत होती है और न ही इसका आर्थिक दृष्टि से कोई मूल्यांकन किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों के परिवारों में लड़कियों को घरेलू कामकाज में अथवा घर पर चलने वाले उद्योग में परिवार का हाथ बंटाने के लिए या तो स्कूल से हटा लिया जाता है या फिर स्कूल भेजा ही नहीं जाता, जबकि शहरों में उनकी समवयस्क महिलाएं बस्तियों में रहती हैं और ऐसे कार्य करती हैं जिनके लिए बहुत कम पारिश्रमिक मिलता है- निम्नस्तरीय कार्य और अधिकांशतः गैर-संगठित क्षेत्रों में दिहाड़ी पर कार्य। तमिलनाडु में माचिस उद्योग में कार्यरत 45,000 बच्चों में लगभग 90 प्रतिशत 14 वर्ष से कम आयु की लड़कियां हैं। केरल के जूट उद्योग में तथा घर पर किए जाने वाले कार्यों में भी बड़ी संख्या में लड़कियां काम करती हैं, जैसे अगरबत्तियां और पापड़ बनाना। ये लड़कियां कारखानों या कार्यशालाओं में काम नहीं करतीं, इसलिए ये कानून की परिधि से बाहर होती हैं और इनकी संख्या की ठीक-ठीक जानकारी नहीं मिल पाती। 1990 में संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकारी संबंधी कन्वेंशन से काफी पहले ही भारत के संविधान में बच्चों की सुरक्षा, उनके विकास व कल्याण के लिए एक संरचना उपलब्ध कराई गई है और 1974 में सरकार ने बच्चों के लिए एक राष्ट्रीय नीति स्वीकार की है, जिसमें देश के बच्चों को 'सर्वोच्च महत्व की संपत्ति' घोषित किया गया है।

दुर्भाग्यवश, संविधान में उल्लिखित विभिन्न व्यवस्थाओं, नीतियों और कानूनों के बावजूद लड़कियों को समान दर्जा नहीं मिल पाया है। उदासीनता के वातावरण में जन्म लेने वाली, उपेक्षा और भेदभावपूर्ण वातावरण में पलकर बड़ी होने वाली लड़की 'हीन बनकर रह गई है, जिसे यथासंभव विकास के अवसरों से वंचित रखा जाता है। गरीबी के कारण यह समस्या और अधिक उग्र हो जाती है।'

भविष्य में ऐसा वातावरण तैयार करने का कार्य, हमारे सामने एक चुनौती है, जिसमें लड़की का विकास हर किसी के सरोकार का विषय बन सके। लड़की को आर्थिक व सामाजिक गतिविधियों की मुख्यधारा में शामिल करने की दृष्टि से सशक्त बनाने की तथा उपेक्षा की उस भूल-भुलैया से बाहर निकलने में उसकी मदद करने की जरूरत है, जिसमें वह सदियों से भटक रही है।

## क्या भीड़ का चेहरा नहीं होता?

यह बात अपनी जगह सही भी है जब एक जगह बहुत अधिक संख्या में लोग एकत्रित होते हैं तो वहां सब अपनी व्यक्तिगत पहचान खोकर सामूहिक रूप में परिवर्तित हो जाते हैं लोगों के इसी सामूहिक रूप को भीड़ के नाम से सम्बोधित किया जाता है, आमतौर पर यह भीड़ किसी खेल प्रतियोगिता, सिनेमा घरों, मेलो या फिर प्रदर्शनियों में नज़र आती है, लेकिन यही भीड़ अपने नये रूप में नज़र आ रही है वो भीड़ उग्र और मानवीय संवेदनाओं से पूर्णतः रिक्त नज़र आती है ये अमानवीय भीड़ किसी भी निहत्थे, निर्दोष, कमज़ोर इंसान को कहीं भी किसी भी बहाने से घेर कर पीट-पीट कर मौत के घाट उतार देती है, बहुत आश्चर्य इस बात पर होता है कि भीड़ में अधिकतर सभी एक दूसरे से अपरिचित होते हैं फिर भी बड़ी एक जुटता के साथ भीड़ अपने कार्य को अंजाम दे देती हैं यह विचारणीय प्रश्न है बहरहाल केवल अपनी घृणा या संदेह के आधार पर किसी निहत्थे कमज़ोर इंसान को मौत के घाट उतार देना उससे उसकी ज़िन्दगी छीन लेना केवल इंसानियत को ही शर्मसार नहीं करता बल्कि हमारी कानून व्यवस्था पर भी प्रश्न चिन्ह लगाता है।

यह दुःखद वास्तविकता अपनी जगह है कि भीड़ द्वारा की गई हत्याओं को न्यूज़ चैनल और समाचार पत्रों में प्रमुखता नहीं दी जाती और उस पर हमारी लचर कानून व्यवस्था भीड़ की पहचान नहीं कर पाती और हम सब देखते रह जाते हैं और अपराधी बहुत सहजता से अपराध करके भीड़ में कहीं गुम हो जाता हैं भीड़ को इस बात से कोई सरोकार नहीं होता कि जिस बेकसूर इंसान को उन्होंने बेमौत मारा है उसे अकेला नहीं बल्कि उसके साथ उसके पूरे परिवार को भी मार दिया है, लेकिन अफसोस इस दर्द को दर्द देने वाला कभी नहीं समझ सकता जब तक कि वह स्वयं इस दर्द से नहीं गुजरता। बहरहाल प्रश्न यह उठता है कि क्या वास्तव में भीड़ का कोई चेहरा नहीं होता? होता है न नफ़रत, आक्रोश, घृणा यह वो चेहरा है जो इंसान को इंसान नहीं रहने देता, आज भीड़ द्वारा निर्दोष लोगों की हत्याओं का आलम यह है कि लगभग हर महीने ही कोई न कोई घटना हमारे समक्ष उपस्थित हो जाती है। भीड़ द्वारा की गई हत्याएं हमारे समाज का वो आईना है जिसे हम देखना नहीं चाहते और अगर हम इस आईने को देखने का प्रयास करते हैं तो बहुत कुछ टूटा और बिखरा नज़र आता है। इसे विडम्बना ही कहेंगे कि हमारी मीडिया तो मीडिया हमारी सरकार भी इस बात को गम्भीरता से नहीं लेती और अगर लेती तो आज इन दुःखद घटनाओं की पुनरावृत्ति कभी न होती, और जो बात हमारे देश को नुकसान पहुंचाती हो उस पर को कठोर कानूनी कार्रवाई न होना उस पर मौन रहना अपराधियों के हौसले बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और वैसे भी जहां हत्यारों को पुरस्कृत किया जाता हो वहां कुछ कहने सुनने को शेष नहीं रह जाता बहुत अफ़सोस होता है कि स्वयं को सभ्य और आधुनिक कहलाने वाले लोगों की सोच का स्तर क्या है बताने की आवश्यकता नहीं, मानसिकता बदले बिना देश का तो क्या इंसान का विकास भी संभव नहीं, यही भीड़ अगर एकजुट होकर देश की समस्याओं का एक एक करके समाधान करने का प्रयास करे तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि कामयाबी न मिले। ख़त्म करना है तो हमारे देश की समस्याओं को करो और उस मानसिकता का करो जो इंसान को इंसान नहीं रहने देती। ( विनायक फीचर्स )

## आत्मनिर्भर नारी

आज के दौर में नारी का शिक्षित और आत्मनिर्भर होना आवश्यक ही नहीं बल्कि स्वयं नारी के आत्मसम्मान और पुरुष दासता से मुक्ति पाने के लिए भी एक सशक्त माध्यम है एक शिक्षित और आत्मनिर्भर नारी अशिक्षित और अनपढ़ नारी की तुलना मे समाज में सम्मान जनक स्थिति को ही प्राप्त नहीं करती बल्कि अपने अस्तित्व को मनवाती भी है और इसमें कोई दो राय नहीं कि शिक्षित और कमाऊ नारी को हमारे समाज में बहुत आदर और सम्मान भी दिया जाता है,वो ज़माने गये जब नारी के कामकाजी होने को उसके घर से बाहर निकल के काम करने को अच्छी दृष्टि से नहीं देखा जाता था। अच्छी बात ये हुई कि आज समय के साथ लोगों की सोच और मानसिकता में भी परिवर्तन आया है जिसका सकारात्मक पहलू हमें नारी प्रगति के लगातार बढ़ते ग्राफ को देखने से मिलता है वर्तमान परिवेश में जहां नारी ने सफलता के नवीन कीर्तिमान स्थापित किये हैं।

वहीं अपनी योग्यता और प्रतिभा के दम पर अपने अस्तित्व को मनवाया भी है,यह सब नारी के सदियों के त्याग, समर्पण और परिश्रम का ही परिणाम है कि जो वो आज पुरूष से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है आज की आत्म निर्भर नारी अपने निर्णय लेने में पूर्णता सक्षम है आज की आधुनिक ,शिक्षित नारी पुरुष से किसी भी दृष्टि में कमतर नहीं है और न दया की पात्र अबला, असहाय, बेचारी आज नारी सपने ही नहीं देख रही है बल्कि उन्हें पूरा भी कर रही है यह अलग बात है कि नारी को यहां तक का सफ़र तय करने में सदियां लग गई हैं लेकिन न अंत भला तो सब भला और वैसे भी समाज की बेड़ियां तोड़ना इतना आसान भी तो नहीं, वास्तव में एक शिक्षित आत्मनिर्भर सशक्त नारी परिवार, समाज, राष्ट्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है बहरहाल नारी को ज़रूरत है स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से मज़बूत बनाने की, अपनी क्षमताओं को पहचानने की और गलत बात का विरोध करने की है और इसके साथ ही सबसे अहम बात अपनी मर्यादाओं में रहने की भी है तभी वास्तव में उसकी स्वतंत्रता के सही मायने होंगे, नारी शिक्षित हो आत्मनिर्भर हो और संस्कारी हो तो वो सम्पूर्ण नारी समाज की सम्मानीय छवि को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

## करुणा के दोहे

प्रो.शरद नारायण खरे

दुनिया कितनी बेरहम,दया-धर्म से दूर।
मानवता ने खो दिया,अपना सारा नूर।।
जो होता है बेरहम,पशु के जैसा जान।
ऐसे मानव को कभी,नहीं मिले सम्मान।।
नहीं बनो तुम बेरहम,रखो नेह का भाव।
पर-उपकारी जीव में,होता करुणा-ताव।।
रखो प्रकृति औदार्य तुम,तभी बनेगी बात।
रहम जहाँ है पल्लवित,वहाँ पले सौगात।।
जो होता है बेरहम,बनकर रहे कठोर।
करे पाप,अन्याय वह,बिन सोचे घनघोर।।
नरपिशाच बन बेरहम,करता नित्य कुकर्म।
सत्य त्यागकर अब मनुज,गहता पंथ अधर्म।।
हिटलर था अति बेरहम,किया बहुत संहार।
ऐसे मानुष से सदा,फैले बस अँधियार।।
कोमलता को रख सदा,बंद अपने पास।
मत बनना तू बेरहम,वरना टूटे आस।।
जो होता है बेरहम,होता सदा कुरूप।
सूरज भी देता नहीं,उसको अपनी धूप।।
टेरेसा बनकर रहो,करुणा रखकर संग।
कभी न बन तू बेरहम,रख मानवता-रंग।।

# क्या हमारी गाजापट्टी का नाम विपक्ष है?

राकेश अचल

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच की जंग में फास्फोरस बम चल रहे हैं, पूरी दुनिया चिंतित है, लेकिन हमारे यहां जंग दूसरे किस्म की है। हमारे यहां सरकार ने समूचे विपक्ष को गाजापट्टी समझ लिया है और ईडी को फास्फोरस बम बनाकर विपक्ष पर जमकर हमले शुरू कर दिए है। पहले सत्तापक्ष देश को कांग्रेस मुक्त बनाना चाहता था लेकिन अब लक्ष्य बदलकर शायद देश को विपक्ष मुक्त बनाने का है। अब जो भी सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ है वो सरकार की दृष्टि में हमास जैसा आतंकवादी है। उसे येन-केन मैदान से हटाना ही है।

सत्ताप्रतिष्ठा की इस नीति का अगला शिकार झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं। ईडी ने उन्हें भी समन भेजकर पीएमएलए एक्ट के तहत अपना बयान दर्ज कराने को कहा था। सोरेन इस कार्रवाई के खिलाफ सीधे सुप्रीम कोर्ट पहुँच गए थे लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हेमंत सोरेन के वकील पी चिदंबरम ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की पीठ को बताया कि यह साफ नहीं है कि सोरेन को भेजा गया समन बतौर गवाह भेजा गया है या फिर आरोपी। अब हाईकोर्ट 13 अक्तूबर को इस मामले में सुनवाई करेगा।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संख्या पर हेमंत सोरेन ईडी के रडार पर आये थे। उन्हें 14 अगस्त को समन भेजा गया था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर झारखंड में रक्षा मंत्रालय की जमीन को घोटाला कर बेचने का आरोप है। इस घोटाले में कई नौकरशाह, राजनेता और जमीन माफिया कथित रूप से शामिल हैं। मुख्यमंत्री सोरेन के नजदीकी पंकज मिश्रा भी इस घोटाले में गिरफ्तार हो चुके हैं। इसी मामले में सोरेन से पूछताछ होनी थी। एक कथित अवैध खनन के मामले में भी बीते साल हेमंत सोरेन से ईडी ने पूछताछ की थी। ईडी के शिकार दूसरे नेताओं की ही तरह सोरेन ने याचिका में मांग की है कि ईडी के समन पर रोक लगाई जाए। ईडी द्वारा उन्हें समन भेजने के अधिकार क्षेत्र पर भी सोरेन ने सवाल उठाए। हेमंत सोरेन का आरोप है कि बदले की भावना से उनके खिलाफ यह कार्रवाई की जा रही है।

सत्ता प्रतिष्ठान के इस फास्फोरस बम की जद में अब तक जितने भी लोग आये हैं सभी का एक हीआरोप है की ईडी बदले की भावना से काम कर रही है। ईडी अब इतनी ज्यादा स्वायत्त है कि जिसे चाहे उसे आरोपी बना सकती है। समन भेज सकती है,छापे मार सकती है और यदि तब भी बात न बने तो गिरफ्तारी भी कर सकती है। देवयोग से अभी तक देश में सत्तारूढ़ दल का एक भी नेता, कार्यकर्ता या समर्थक नौकरशाह ईडी का शिकार नहीं बना है। सिर्फ इसी वजह से ईडी भी शंका के घेरे में है लेकिन अब तक देश की अदालतों ने ईडी को काम करने से रोका नहीं है। शायद ईडी देश में पहली बार काम करती दिखाई दे रही है। ये बात और है कि ईडी एक आँख से देखकर कार्रवाई कर रही है। ईडी को सत्ता-प्रतिष्ठान से जुड़े लोग दूध से स्नान किये हुए दिखाई देते हैं। पिछले एक दशक ने ईडी ने जितना काम सरकार के लिए किया है उतना पूरे सात दशक में नहीं किया। पिछली सरकारें ईडी से काम लेना जानती ही नहीं थीं। उन्हें पता ही नहीं था कि पिछली सरकारों ने कितना ताकतवर फास्फोरस बम बनाकर रखा हुआ था। ईडी रूपी फास्फोरस बम से भगवान भी इंसान को नहीं बचा सकता। ये ताकत केवल और केवल सत्ता प्रतिष्ठान के पास है। और ये स्वाभाविक भी है। ईडी ने बिना राग-द्वेष के विपक्ष के नेताओं,पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई की है। ईडी की निष्पक्षता की सराहना करने के बजाय विपक्ष उसे अदालतों में घसीटता है। ये क्या अच्छी बात है?

भारतीय फास्फोरस बम किसी अयातुल्लाह पर तो चलाया नहीं जा सकता इसलिए ईडी ने अमानुल्लाह को अपने निशाने पर ले लिया। बेचारे अमानुल्लाह इंद्र के बेटे जयंत की तरह इधर से उधर शरण मांगते फिर रहे हैं लेकिन कोई उन्हें शरण देने को तैयार नहीं है। खुद आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अपने विधायक अमानुल्लाह को अभयदान देने की स्थिति में नहीं है। अब अमानुल्लाह को कौन नारद आकर बताये कि उन्हें ईडी के फास्फोरस बम से केवल सत्ताप्रतिष्ठान ही बचा सकता है। उन्हें वहीं जाकर नतमस्तक होना चाहिए। जो नमस्तक नहीं होते उनका मस्तक धड़ से अलग होता ही है।

देश में शायद मै अकेला व्यक्ति हूँ जो ईडी की स्वामिभक्ति का प्रशंसक हूँ। तमाम संवैधानिक संस्थाओं को ईडी की ही तरह आँखें बंद कर अपने मालिकों का हुक्म मानना चाहिए। हालाँकि अधिकांश संस्थाएं ऐसा कर भी रही है किन्तु वे ईडी कामुकबला नहीं कर सकतीं। ईडी का मुकाबला करना आसान भी नहीं है। आसान काम तो कोई भी कर सकता है। कठिन काम केवल ईडी ही कर सकती है ,जो वो कर रही है। देश को ईडी पर नाज होना चाहिए। ईडी जो भी कर रही है राष्ट्रहित में कर रही है। राष्ट्रहित में किया जाने वाला हर काम दोष रहित माना जाता है। ईडी की कार्रवाई के लिए ईडी को, या सरकार को दोष नहीं दिया जा सकता। नहीं दिया जाना चाहिए। मै तो ईडी के शिकार तमाम लोगों से कहता होऊं कि वे बेकार अदालतों के फेर में पड़े हैं उन्हें भी जयंत की तरह ईडी के अधिष्ठाता से क्षमा मांग लेना चाहिए। ज्यादा से ज्यादा एक नयन ही तो किये जायेंगे वे सब। जेल के सींखचों में तो प्राण नहीं देना पड़ेंगे।

भारत में ईडी और विपक्ष के बिच की जंग बिलकुल हमास और इजराइल की जंग कोई तरह है। इस जंग में कोई तीसरा दखल दे ही नहीं सकता। हमास मानवता का अपराधी है और भारत का विपक्ष लोकतंत्र का अपराधी। दोनों को सजा मिलना ही चाहिये। और ये सजा है हर तरह के आतंक का सफाया करना। जैसे फिलिस्तीन को हमास विहीन होना चाहिए वैसे ही भारत को विपक्ष विहीन। विपक्ष विहीन लोकतंत्र में विकास के एक-दो इंजन वाली रेलें कितनी तेजी से दौड़ेंगी ,इसकी कल्पना आम जनता नहीं कर सकती। जनता को कल्पना करना आता ही कहाँ है? उसे तो कल्पना लोक में ले जाना पड़ता है। शायद इसीलिए मध्यप्रदेश की डगमगाती सरकार ने पूरे सूबे में जगह -जगह लोक ही लोक बनाने का ऐलान कर दिया है। 17 नवंबर को यदि जनता डबल इंजन की सरकार को चुनती है है ते ये सारे लोक बन जायेंगे अन्यथा सबका राम नाम सत्य तो अपने आप हो जाएगा। चलिए हम और आप दूर खड़े होकर ईडी, सीबीआई, आईटी का तमाशा देखे। तमाशा देखने का ये सबसे सुहाना मौसम है।

# फिलीस्तीन इजराइल युद्धः यथा राजा तथा प्रजा

क्या दुनिया युद्ध से मोक्ष पा सकती है? क्या दुनिया के पास युद्ध के तर्पण की कोई विधि है? उत्तर मिलेगा शायद नहीं। अगर ऐसा कुछ होता तो धरती पर युद्ध होते ही नहीं। युद्ध को लेकर एक और तथ्य काबिले गौर ये है कि युद्ध के समय युद्धरत देश के राजा और प्रजा का रिश्ता भी एक जैसा होता है। यदि नेतृत्व कमजोर है तो युद्ध अवश्यम्भावी हो जाता है और यदि नेतृत्व मजबूत है तो न युद्ध होता है और न वाक्युद्ध। वाक्युद्ध को शीतयुद्ध भी कहते हैं।

फिलीस्तीन और इजराइल के बीच युद्ध का कोई पहला मामला नहीं है। इजराइल भी भारत की तरह अपनी आजादी का अमृतकाल मना रहा है किन्तु उसे यहां तक आते -आते लगातार युद्धों का सामना करना पड़ा है। इजराइल अपने पड़ौसी देश के साथ 10 युद्ध लड़ चुका है। ये ग्यारहवां युद्ध है और शायद अब तक का सबसे ज्यादा विनाशकारी भी है। इस विनाशकारी युद्ध में दोनों पक्षों के हजारों नागरिक मारे जा चुके हैं। ये सिलसिला थमने में कितना वक्त और लगेगा ,ये कोई नहीं जानता। इजराइल के मौजूदा प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यकाल का शायद ये चौथा युद्ध है।

इजराइल के साथ भारत के रिश्ते नए नहीं हैं लेकिन उनमें नरमी-गर्मी होती रहती है। भारत ने वर्ष 1950 में इज़रायल को आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी थी, लेकिन दोनों देशों द्वारा 29 जनवरी, 1992 को ही पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित किये गए। भारत दिसंबर 2020 तक इजराइल के साथ राजनयिक संबंध रखने वाले 164 संयुक्त राष्ट्र सदस्य राज्यों में से एक था।भारत ने अपनी पारम्परिक विदेश नीति पर चलते हुए इजराइल के पुश्तैनी शत्रु फिलिस्तीन के साथ भी अपने रिश्ते बनाये और इजराइल से पहले बनाये। भारत फिलीस्तीन मुक्ति संगठन को फिलीस्तीनी लोगों के एकमात्र वैध प्रतिनिधि के रूप में समकालीन रूप से मान्यता देने वाला पहला गैर-अरब देश था। मार्च 1980 में पूर्ण राजनयिक संबंधों के साथ 1975 में भारतीय राजधानी में एक पीएलओ कार्यालय स्थापित किया गया था। भारत ने 18 नवंबर 1988 को घोषणा के बाद फिलिस्तीन की राज्यता को मान्यता दी थी हालांकि भारत और पीएलओ के बीच संबंध पहली बार 1974 में स्थापित हुए थे।

बात यथा राजा तथा प्रजा की हो रही थी। भारत के इजराइल और फिलीस्तीन दोनों से रिश्तों के बावजूद भारत की जनता हमेशा फिलीस्तीन के साथ खड़ी दिखाई दी। फिलीस्तीन के तत्कालीन प्रमुख यासर अराफात और भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी की दोस्ती शायद इसकी वजह थी। मजे की बात ये कि इंदिरा गाँधी और अराफात के घनिष्ठ रिश्तों के बावजूद कोई भी भारतीय प्रधानमंत्री फिलीस्तीन नहीं गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिलीस्तीन जाने वाले पहले प्रधानमंत्री थे। प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने 10 फरवरी 2018 को वेस्ट बैंक का दौरा किया, जो एक भारतीय प्रधानमन्त्री द्वारा फिलीस्तीन क्षेत्रों का पहला दौरा था। फिलीस्तीन की यात्रा के दौरान, 10 फरवरी 2018 को नरेन्द्र मोदी को फिलिस्तीन के ग्रैंड कॉलर से सम्मानित भी किया गया ,लेकिन मोदी और इजराइल की नजदीकी ज्यादा रही।

मौजूदा इजराइल-फिलीस्तीन युद्ध में मोदी फिलीस्तीन के साथ खड़े दिखाई नहीं दे रहे, और शायद इसीलिए भारत में भी जनता इस मुद्दे पर विभाजित दिखाई दे रही है। मोदी के भक्त इजराइल के साथ हैं, जबकि नृशंसता में फिलीस्तीन के आतंकी हमास और इजराइली सेना में कोई किसी से कम नहीं है। भारत इस समय इजराइल के साथ क्यों है ये समझने के लिए आपको दोनों देशों के पंत प्रधानों की तुलना करना पड़ेगी। दोनों में तमाम साम्य हैं और सबसे बड़ा समय ये है कि इस समय दोनों अमेरिका के प्रति आसक्त हैं। अमेरिका के प्रति आसक्ति दोनों देशों के पंत प्रधानों की मजबूरी है या आवश्यकता ये समझना भी आवश्यक है।

नेतन्याहू इजराइल के ऐसे नेता हैं जो सीधे प्रधानमंत्री नहीं बने। उन्हें देश के प्रतिपक्ष के नेता बनने का भी अनुभव है। वे अपने देश के वित्त मंत्री तथा विदेश मंत्री भी रहे है। जबकि हमारे पंत प्रधान को केवल मुख्यमंत्री पद का 15 साल का अनुभव है। उन्होंने संसद ही पहली बार 2014 में देखी। जबकि नेतन्याहू 1996 में ही अपने देश की बागडोर सम्हाल चुके थे। वे एक बार नहीं बल्कि तीन बार प्रधानमंत्री बने, ये उनका शायद चौथा कार्यकाल है। हमारे पंत प्रधान भी नेतन्याहू बनना चाहते हैं। वे भी युद्धप्रिय है। उनके जमाने में भारत के एक भी पड़ौसी से रिश्ते अच्छे नहीं हैं। रिश्तों में कड़वाहट का आलम ये है कि जी-20 समूह का सदस्य कनाडा अब पी -20 में आने को तैयार नहीं है। हमारे पंतप्रधान इसकी परवाह भी नहीं करते।

इजराइल-हमास संघर्ष के दौरान भारत सरकार अपना काम कर रही है। भारतीयों को युद्ध की आग में झुलसे इजराइल से बाहर निकलने के लिए भारतीय विमान लगातार उड़ाने भर रहे है। इसकी सराहना की जाना चाहिए। खुद पंत प्रधान कैलाश दर्शन पर हैं। वे वहां डमरू बजा रहे हैं। शंख फूंक रहे हैं। ये देखकर बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि ये सब एक बेफिक्र नेता की निशानियां हैं। हमारे पंत प्रधान की यही बेफिक्री देश -दुनिया ने तब भी देखी जब भारत का अभिन्न अंग मणिपुर जल रहा था,वहां भी मानवता तार-तार हो रही थी। जो बर्बरता हमास के आतंकियों ने इजराइली महिलाओं के साथ की वैसी ही बर्बरता मणिपुर की महिलाओं के साथ भी हुई थी। किन्तु स्थितिप्रज्ञ पंतप्रधान ने अपना मौन नहीं तोड़ा था।

भारत कभी भी हिंसा का, आतंकवाद का समर्थक नहीं रहा। भारत की विदेशनीति का आधार गुट निरपेक्षता और पंचशील के सिद्धांत रहे हैं। आज की भारत की विदेशनीति में इन तत्वों का घोर अभाव है। हाल के रूस-यूक्रेन युद्ध में भी हमने इस बात को रेखांकित किया और आज इजराइल तथा फिलीस्तीन के बीच जारी जंग में भी भारत की विदेश नीति को लेकर सम्भ्रम की स्थिति है।

## सेवा के बल पर

सुदर्शन भाटिया - विनायक फीचर्स

भले ही देवरानी में बहुत कमियां थीं। संस्कारों की भी कमी थी। खाना-पकाना बहुत कम जानती थी। जानती तो कम थी, किन्तु वह न तो सीखना चाहती थी, न ही कुछ करना। फिर भी घर में उसे जेठानी से अधिक महत्व दिया जाता था। ... ऐसा क्यों? यही तो पूछा था शर्मीली ने अपने पति राजीव से। वह बड़े घर की है। खूब दहेज लाई है। जब तब उसके मायके से कुछ न कुछ आता रहता है। इसीलिए...। राजीव ने बताया। तुम क्या सोचते हो कि हम दोनों के साथ घर में एक सा व्यवहार होना चाहिए या कि नहीं? शर्मीली ने कहा। जाने भी दो। ... जैसा करते हैं घर वाले करने दो उन्हें। मेरा हस्तक्षेप करना ठीक नहीं। क्यों ठीक नहीं? बड़ा पुत्र हो या बड़ी बहू... उनको उनके पद के अनुसार महत्व मिलना ही चाहिए। हमें अपने संस्कारों में ऐसी ही सीख मिलती रही है। सारे नियम, सारे कानून, सारी परंपराएं, समय तथा व्यक्ति के साथ बदल दी जाती है। मैं ऐसा नहीं होने दूंगी। शर्मीली ने थोड़ी रोबीली आवाज में कहा। जैसा हो रहा है, उसी को सहर्ष स्वीकार करो। क्यों? क्योंकि इनका प्रेम विवाह किया है तथा तुम मायके से कुछ भी नहीं ला सकी। राजीव ने आँखें मिलाते हुए सच उगल दिया। चाहे जो भी हो, मैं लक्ष्मी के सामने प्रेम को घुटने नहीं टेकने दूंगी।

# रावण बोला अबकी दशहरे पर नहीं मरूंगा

प्रभुनाथ शुक्ल

सोटागुरु का खैनी बनाने का अंदाज ही जुदा है। उनकी अदा पर लाखों फ़िदा हैं। सोटागुरु के खैनी बनाने का अंदाज उस समय बेइंतहा हो जाता है जब सिर पर पगड़ी बधी हो और मूंछे नागिन डांस करती हों। उनकी खैनीवाली अदा के लाखों दीवाने हैं। सोटागुरु कहते हैं 'अस्सी चुटकी नब्बे ताल, तब देखो खैनी की चाल।' चौपाल पर सोटागुरु का खैनीडांस जब होता है तो कितने युवा मस्ती में खुद को खो बैठते हैं। वह जमीन पर होते हुए भी ऋज की सैर कर आते हैं। सोटागुरु को देश दुनिया की अच्छी जानकारी है। बस, उन्हें कोई छेड़ दे तो बात बन जाए। खबरीलाल ने सोटागुरु को एक गंभीर खबर सुना कर आखिर छेड़ ही दिया। खबर सुनते ही सोटागुरु के चेहरे पर हवाईयां उड़ने लगीं। वह धर्मसंकट में पड़ गए। उनके माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिखने लगीं। उन्होंने स्पष्टीकरण मांगते हुए इस खबर की अंतिम पुष्टि की इच्छा से पूछा। खबरीलाल क्या तुम सच कहत हौ। जी बिल्कुल! सोटागुरु, पक्की खबर है। अबकी दशहरे पर रावण ने हड़ताल कर दिया है। उसने प्रभु श्रीराम को व्हाट्सेप, मैसेंजर, इंस्टाग्राम, फेसबुक और मेल के जरिए संदेश भेज दिया है कि अबकी दशहरे पर वह नहीं मरेगा। रावण ने लंका में इंटरनेशनल मीडिया की प्रेस बीफ भी बुलाकर अपनी इच्छा जाहिर कर दी है। दुनिया भर में यह खबर जंगल की आग की तरह फैल गयी है। इस पर इहलोक और परलोक में डिबेट छिड़ गयीं है।

रामजी को भेजे संदेश में रावण ने साफ कहा है कि त्रेता से लेकर हम मरते-मरते कलयुग तक आ पहुंचे। पांच हजार साल से कलयुग में भी मरते आ रहे हैं। लेकिन हमने अब मुफ्त में मरने का इरादा छोड़ दिया है। रावण ने कहा है- कितनी बार मैं मरूंगा? युगों-युगों तक मरने का ठेका क्या हमी ने ले रखा है। पूरे देवलोक में इस खबर से खलबली मच गयीं है। जबकि इससे भी बड़ी आश्चर्य की बात तो यह है कि रामजी ने रावण की हड़ताल को जायज बताया है।उन्होंने कहा है कि रावण की हड़ताल बिल्कुल जायज और लोकतांत्रिक है। प्रभु की इस लोकतांत्रिक इच्छा से विष्णुलोक में खलबली मच गयीं है। जबकि रावण की लंका में इसे श्रीराम का समदर्शी न्याय बताते हुए मुक्त कंठ से प्रशंसा हो रही है। खबरीलाल ने सोटागुरु को बताया कि देवलोक की मीडिया इस खबर को युगान्तकारी बताते हुए ब्रेकिंग चला रहीं है। सभी चैनल इस पर डिबेट कर रहे हैं। देव और दैत्यलोक के विश्लेषक अपने-अपने तरीके से इस पर डिबेट कर रहे है कि भविष्य में इसका क्या असर होगा। मीडिया में रामजी ने रावण के हड़ताल का समर्थन क्यों किया इसकी वजह तलाशी जा रहीं है। देवलोक चाहता है कि प्रभु श्रीराम इसका स्पष्टीकरण दें। जबकि रावण की लंका में इस पर खूब जश्न मनाया जा रहा है, लेकिन विभीषण परेशान हैं। आखिर यह सब हुआ कैसे। सोटागुरु ने कहा निशानेबाज तुमने यह खबर सुना कर त्यौहार का मजा किरकिरा कर दिया। हमने सोचा था कि दशहरा करीब है और कोरोना चरसी नींद में है। अबकी सबकुछ अच्छे से मनेगा। लेकिन रावण ने तो होलियाना मूड में भांग पीकर फैसला सुना दिया। त्यौहारी और चुनावी मौसम में सोचा था कुछ खैरात का सरकारी गिफत मिल जाएगा।

## आज का अहम सवाल -संवैधानिक स्तंभों के बीच टकराव कहां तक उचित..?

ओम प्रकाश मेहता

मारे संविधान ने लोकतंत्र के तीनों स्तंभों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच उनके अधिकारों व कर्तव्यों का स्पष्ट बंटवारा कर दिया, फिर भी आजादी के 75 साल बाद भी इन स्तंभों के बीच अधिकारों व कर्तव्यों को लेकर टकराव की स्थिति क्यों? मेरी नजर में इसका एकमात्र कारण यह है कि विधायिका येन-केन-प्रकारेण शेष दोनों स्तंभों कार्यपालिका व न्यायपालिका को अपने नियंत्रण में रखना चाहती है, अब इसके लिए हमारे संविधान निर्माताओं को दोषी ठहराया जाए या मौजूदा हालातो को? इस बारे में मत वैभिन्यता है, लेकिन यह सही है कि जो भी राजनीतिक दल सत्ता में रहता है, वह अपने को हर दृष्टि से सर्वेसर्वा मानता है और कार्यपालिका व न्यायपालिका को अपने नियंत्रण में रखने का प्रयास करता है। इसी मसले को लेकर समय-समय पर प्रजातंत्र के स्तंभों में टकराव की स्थिति निर्मित होती है और सभी को अपने-अपने अधिकार और कर्तव्य याद आते हैं, और....

यह स्थिति कोई नई नहीं है, नेहरू-इंदिरा से लेकर आज तक चली आ रही है। यद्यपि हर किसी की सोच यही है कि यह टकराव की स्थिति बननी नहीं चाहिए, क्योंकि हमारे संविधान ने तीनों स्तंभों के बीच अधिकारों व कर्तव्यों का स्पष्ट बंटवारा किया है, किंतु इसके पीछे सबसे अधिक दोषी सत्तारूढ़ राजनीतिक दल है, जो सत्ता प्राप्ति के बाद अपने आप को सत्ता का सर्वोच्च शिखर मानता है और संविधान तथा राजनीतिक मर्यादा की अहमियत नहीं समझता, भारत में यह विचित्र स्थिति अब तक कई बार निर्मित हो चुकी है।

इसका ताजा मामला महाराष्ट्र में विधायकों की अयोग्यता संबंधी याचिका का मामला सुप्रीम कोर्ट में जाने से सामने आया है, विधानसभा स्पीकर और न्यायालय के बीच तल्खी भरा वातावरण बन गया है, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों में यह साफ परिलक्षित हो रहा है, शीर्ष कोर्ट को महसूस हो रहा है कि स्पीकर के स्तर पर याचिकाओं का निर्णय लेने में अनावश्यक देरी की जा रही है, जून 2022 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र विकास अघाड़ी पार्टी सरकार गिरने के तुरंत बाद ये याचिकाएं स्पीकर की झोली में गिरी थी, ऐसे मामले में निष्कर्ष तक पहुंचने में 15 महीने का समय काम नहीं होता, सुप्रीम कोर्ट इसी बात को लेकर नाराज है। यह स्थिति सिर्फ महाराष्ट्र में नहीं देश की कई अन्य विधानसभाओं व न्यायपालिका के बीच भी निर्मित हुई है और इस मामले में संविधान में सभी के अधिकारों व कर्तव्यों का स्पष्ट उल्लेख होने के बावजूद निर्णय नहीं हो पाया था।

अब प्रजातंत्र व संविधान की देश में कायमी के 75 साल बाद ऐसे संवैधानिक टकराव के मामले सामने आ रहे हैं, तो आखिर कोई क्या करें? जबकि हमारे संविधान में सब कुछ स्पष्ट उल्लेख है और इसी स्थिति का फैसला भी संविधान में निहित है, सभी यदि अपने संवैधानिक दायरे में रहकर अपने कर्तव्यों व अधिकारों का उपयोग करें तो ऐसी स्थिति निर्मित होने का सवाल ही कहां पैदा होता है? किंतु किया जाए? जब सत्तारूढ़ दल व उसके नेता अपने आपको सभी से सर्वोच्च समझने लगे तो क्या किया जा सकता है? इसी परिदृश्य को देखकर सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति डी.वाय. चंद्रचूड़ ने हाल ही में अपना मंतव्य जाहिर किया है, उनका कहना है कि यदि सरकार के सभी फैसले संवैधानिक व देशहित में हो तो देश में अदालत की जरूरत ही नहीं पड़े, किंतु यह भी सही है कि लोकतंत्र को सिर्फ चुनावी चश्मे से नहीं देखा जा सकता, साथ ही लोकतंत्र की कोई संकीर्ण परिभाषा भी नहीं है, इसलिए लोकतंत्र को उसी के नजरिए से देखा जाना चाहिए। यद्यपि माननीय मुख्य न्यायाधिपति ने यह बात किसी और संदर्भ में कही थी, किंतु यह हर जगह सटीक भी नजर आती है, एक प्रजातांत्रिक देश में संविधान तथा लोकतंत्र के स्तंभों की अपनी अहमियतें होती है, इसलिए सभी स्तंभों को एक-दूसरे के सहयोग से प्रजातंत्र को सही रास्ते पर चलाना चाहिए, किंतु जहां राजनीतिक स्वार्थ के टकराव की स्थिति पैदा हो जाती है, तब लोकतंत्र खतरे में नजर आता है और ऐसी स्थितियां हमारे देश में कई बार पैदा हो चुकी है।

# संक्षिप्त समाचार

## शराब की भट्ठी संचालित करती दो महिलाएं गिरफ्तार

कासगंज। सोरोंजी क्षेत्र के ग्राम मानपुर नगरिया से शराब की भट्ठी संचालित करते हुए दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मौके से तैयार की गई 15 लीटर कच्ची शराब और शरा बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। रविवार की सुबह पुलिस को गांव मानपुर नगरिया में एक घर में शराब की भट्ठी संचालित किए जाने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस की टीम बताए गए स्थान पर पहुंच गई। पुलिस की टीम को देखकर वहां मौजूद लोग भाग गए। पुलिस ने मौके से एक केन में रखी 15 लीटर कच्ची शराब को बरामद कर लिया। वहीं शराब बनाने के उपकरण, एक बोतल में शराब बनाने के लिए रखी लगभग 500 ग्राम यूरिया को भी बरामद कर लिया। वहीं मौके से ग्राम मानपुर निवासी कमलेश एवं सरोज को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली प्रभारी डीके त्यागी ने बताया कि आरोपियों को कोर्ट के समक्ष पेश कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

## 40 क्वार्टर देशी शराब सहित एक गिरफ्तार

कासगंज। ढोलना क्षेत्र से एक आरोपी को पुलिस ने 40 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। शनिवार की देर शाम ढोलना से ग्राम करसरी जाने वाले मार्ग पर एक व्यक्ति के द्वारा बिक्री के लिए देशी शराब के क्वार्टर ले जाने की सूचना मिली। पुलिस ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर चेकिंग शुरु कर दी। पुलिस की चेकिंग देख व्यक्ति वापस होने लगा। शक के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक प्लास्टिक के बैग से 40 क्वार्टर देशी शराब के बरामद किए। पूछताछ में उसने अपना नाम बदन सिंह निवासी जहांगीरपुर बताया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर भेजे जाने की कार्रवाई की है।

## नीम के पेड़ पर लटका मिला छात्र का शव

कासगंज। पटियाली कोतवाली के थाना गांव में एक छात्र ने शनिवार की देर रात नीम के पेड़ पर फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। इस मामले की सूचना पुलिस को नहीं दी गई है। थाना गांव निवासी प्रियांशु ( 16 ) पुत्र कृपाल सिंह स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर थाना दरियावगंज में कक्षा 10 का छात्र था। वह रात को खाना खाने के बाद घर से निकल आया। जब काफी देर तक वह वापस नहीं आया तो परिजन चिंतित हो गए। उसके पिता कृपाल ने उसकी खोजबीन की घर से थोड़ी दूरी पर स्थित पानी की टंकी के निकट खड़े नीम के पेड़ पर प्रियांशु का शव लटकता हुआ मिला। पुत्र का शव लटकते हुए देख पिता की चीख निकल गई। इसके बाद काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। उसके शव को नीचे उतारा गया। इसके बाद उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। थाना प्रभारी गोविंद बल्लभ ने बताया कि पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी गई है।

## आंख में चोट पहुंचाने के आरोपी को जमानत नहीं

कासगंज। जिला सत्र न्यायाधीश के न्यायालय ने गुलेल से भाई की आंख में चोट पहुंचाने एवं गाली गलौज करने के आरोपी पिता पुत्र को कोर्ट ने जमानत नहीं दी। कोर्ट ने दोनों आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर दी। मोहल्ला खेरु गंजडुंडवारा निवासी शानू की आंख में उसके भाई राजा ने 27 मार्च 2023 को गुलेल मार दी। जिससे उसकी आंख नीली पड़ गई। मां शमीम ने अपने पुत्र राजा व पति शब्बन पर गाली गलोज, धमकी आदि देने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया। आरोपियों ने अपनी जमानत के लिए कोर्ट में अर्जी डाली। कोर्ट ने आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

## कोर्ट- दहेज हत्या के आरोपी ससुर को कोर्ट ने नहीं दी जमानत

कासगंज। जिला सत्र न्यायाधीश सै. माऊज बिन आसिम के न्यायालय ने दहेज हत्या के आरोपी ससुर को जमानत नहीं दी। कोर्ट ने आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। कासिमपुर निधौली कला एटा निवासी तोफान सिंह ने अपनी बहन मीरा की शादी विवेक कुमार पुत्र हरपाल सिंह निवासी ग्राम टिकुरिया थाना अमांपुर के साथ 9.मार्च 2023 को की थी। ह पति विवेक, ससुर हरपाल, पप्पू, राजवती, निवासी चिलौना थाना ढोलना, राजेश निवासी टिकुरिया, दहेज में चार पहिया वाहन की मांग करने लगे 18 जून .2023 को रात्रि में उसकी हत्या कर दी। भाई ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया। ससुर हरपाल ने अपनी जमानत के लिए अर्जी कोर्ट में डाली। कोर्ट ने आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

## लूट के आरोपी को नहीं मिली जमानत

कासगंज। जिला सत्र न्यायाधीश सै. माऊज बिन आसिम के न्यायालय ने लूट के आरोपी को जमानत नहीं दी। कोर्ट ने आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। कारोबारी हर्ष बंसल के कर्मी गोविंद व अभिषेक 4 सितंबर 2023 को सोरों से तकादा कर ई रिक्शा से लौट रहे थे। एआरटीओ कार्यालय के निकट लूट की वारदात हुई। जिसमें 4.96 लाख रुपये लूट लिए गए। कारोबारी ने कर्मियों के बताए अनुसार तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामले का खुलासा कर लूट की रकम बरामद कर तीन आरोपियों को जेल भेज दिया। आरोपी अंशुल यादव निवासी गंगागढ़ सोरोंजी ने कोर्ट में जमानत के लिए अर्जी डाली। कोर्ट ने आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

## चार दिन पहले ही आया था काम पर

कासगंज। जेसीबी चालक दुर्गेश चार दिन पहले ही जेसीबी चलाने के लिए नरेंद्र प्रधान के भट्टे पर आया था। वह चार दिन ही जेसीबी चलाने का कार्य कर पाया। उसकी मौत हो गई। बताया गया कि नौरथा के पास किरामई गांव में उसकी बड़ी संगीता का घर है। वह संगीता के घर पर रहकर ही भट्टे पर जेसीबी चलाने के काम पर जा रहा था।

## गृह क्लेश में फंदे पर लटकी महिला, रेफर

कासगंज। सोरोंजी क्षेत्र के रफातपुर गांव में पति से कहासुनी होने पर पत्नी ने फंदा लगा लिया। सही समय पर परिजन उसे देख लिए और फंदे से जबतक उतारे उसकी हालत बिगड़ गई। परिवार के सदस्य महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराए। अस्पताल के डाक्टरों ने उसे के लिए अलीगढ़ रेफर कर दिया। फंदा लगाने वाली महिला नेमवती सोरोंजी थाना क्षेत्र के रफातपुर गांव निवासी मनोज की पत्नी है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि शनिवार की रात नेमवती ( 28 ) का पति मनोज से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद नेमवती ने कमरे में फंदा लगा लिया। परिजनों ने देखकर उसे बचाया और फंदे से नीचे उतारा। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसकी स्थिति गंभीर देखते हुए अलीगढ़ रेफर कर दिया।

## फंदा लगाकर महिला ने की आत्महत्या, पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम

कासगंज। क्षेत्र कैमौसमपुर गांव में एक महिला ने रविवार को फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। फंदा लगाकर आत्महत्या मंजू ( 26 ) पत्नी गजेंद्र निवासी मौसमपुर ने की। उसने रविवार को कमरे में फंदा लगा लिया। मंजू की मौत की जानकारी जब उसके पति गजेंद्र व अन्य परिजन को हुई तो परेशान हो गए। महिला की मौत की सूचना उसके मायके ग्राम बढ़ारी कोतवाली देहात एटा दी गई। सूचना पर पिता प्रेम सिंह व अन्य परिजन भी मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम को भेजा है। कोतवाली प्रभारी हरिभान सिंह ने बताया कि अभी मायके पक्ष से कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## किनारे खेत में मिला जेसीबी चालक का शव, मौत का कारण स्पष्ट नहीं

कासगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र के नौरथा गांव के पास नहर के किनारे खेत में जेसीबी चालक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। चालक के हाथ पैर पर चोट के निशान मिले, लेकिन कोई गंभीर चोट दिखाई नहीं थी। परिवार के लोगों ने हत्या की आशंका जताई। वहीं पुलिस मौत की इस गुत्थी को सुलझाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। मौके पर फॉरेंसिक टीम भी जांच पड़ताल के लिए बुलाई गई। सायं तक परिजनों ने कोई तहरीर पुलिस को नहीं दी है।

मौत का शिकार जेसीबी चालक दुर्गेश (22) पुत्र ओमकार यादव निवासी राजा का नगला थाना सोरोंजी हुआ। बताया गया कि शनिवार की रात्रि को जेसीबी चालक दुर्गेश भट्टे पर जेसीबी मशीन खड़ी करने घर के लिए निकला था, लेकिन देर रात्रि तक वह घर नहीं लौटा जिससे परिवार के लोगों को चिंता होने लगी। दुर्गेश को परिजनों ने कॉल की लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ था। रविवार की सुबह जब नहर किनारे के खेतों में ग्रामीण पहुंचे तो वहां झाड़ियों के पास युवक का शव दिखाई दिया। ग्रामीणों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। सुबह करीब 10 बजे शव की शिनाख्त हो सकी। शिनाख्त होते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए और चीत्कार मचने लगा। पिता ओमकार यादव ने कहा कि उनके पुत्र की हत्या की गई है। हत्यारों ने चाहें गला दबाकर हत्या की हो या किसी अन्य तरीके से। उन्होंने बताया कि किसी से रंजिश भी नहीं है।

# अंधविश्वास में खौफनाक हत्या-तंत्र क्रिया में चली गई महिला की जान, तांत्रिक गले पर खड़ा हुआ...यातनाएं भी दीं

इटावा। 24 घंटे बीत जाने के बाद जब परिजनों को इस बात का अहसास हुआ कि उनकी बेटी जिंदा नहीं है। तब जाकर उन्होंने पुलिस से इस मामले की शिकायत की। इटावा जिले में तंत्र क्रिया करने के चलते एक महिला की मौत से इलाके में हड़कंप मच गया। मानसिक रूप से बीमार महिला को तांत्रिक ने उसको ठीक करने के एवज में शारीरिक यातनाएं देकर मौत के घाट उतार दिया। तंत्र क्रिया के दौरान तांत्रिक ने महिला के गले पर खड़े होकर क्रिया की। साथ ही पानी के पाइप से यातनाएं भी दीं। इस दौरान महिला की बीते शनिवार को मौत हो गई। इसके बावजूद तांत्रिक ने महिला को सात दिवस में जिंदा करने का पीड़ित परिजनो से दावा किया था। महिला के जिंदा होने के आस में 24 घंटे तक परिवार लाश को रखकर आराम करता रहा। बीते रविवार की शाम जब महिला के शरीर में कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई, तब जाकर परिजनों में पुलिस को महिला की मौत की सूचना दी। घटना की जानकारी पर नायब तहसीलदार और पुराना शहर चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे। महिला के शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

**तांत्रिक क्रियाओं के चलते बेटी की मौत हो गई**

जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र पुराना शहर चौकी के पथवारिया मोहल्ले में प्रिया सक्सेना ( 40 ) पुत्री सुरेश सक्सेना की तंत्र साधना के दौरान मौत के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। परिजनों कि ओर से ऐसा कहा जा रहा है कि तांत्रिक क्रियाओं के चलते उनकी बेटी की मौत हो गई है।

**घर में भूत-प्रेत का साया होने की बात बताई**

मृतक प्रिया सक्सेना दिमागी रूप से कुछ समय से बीमार चल रही थी। तभी उनके संपर्क में एक तांत्रिक आया और प्रिया को सही करने का दावा किया। तांत्रिक द्वारा महिला और उनके घर में भूत-प्रेत का साया होने की बात बताई थी। नवरात्र के समय हवन पूजन और तंत्र साधना करने को कहा।

**तांत्रिक ने प्रिया की गर्दन पर खड़े होकर क्रिया को अंजाम दिया**

इसके बाद बीते शनिवार को तांत्रिक ने घर में पहले हवन पूजन किया। उसके बाद महिला का भूत भगाने के लिए उनकी बेटी को शारीरिक यात्राएं दी गई। इस दौरान तांत्रिक ने प्रिया की गर्दन पर खड़े होकर तंत्र क्रिया को अंजाम दिया। साथ ही पानी के पाइप से उसके शरीर पर यातनाएं दीं।

**सात दिन में ठीक होने की बात कहकर फरार**

इसके बाद से प्रिया होश में नहीं आई, लेकिन तांत्रिक ने परिजनों को भरोसा दिया कि उनकी बेटी सात दिवस में पूरी तरीके से ठीक हो जाएगी। रविवार सुबह प्रिया को जब होश नहीं आया, तो उनके परिजनों ने तांत्रिक को पुनः बुलाया, तो तांत्रिक ने मृतक प्रिया को सात दिन में ठीक होने की बात कहकर फरार हो गया।

**अहसास हुआ कि उनकी बेटी जिंदा नहीं है**

24 घंटे बीत जाने के बाद जब परिजनों को इस बात का अहसास हुआ कि उनकी बेटी जिंदा नहीं है। तब जाकर उन्होंने पुलिस से इस मामले की शिकायत की। इस सनसनीखेज घटना जानकारी पर पुराना शहर चौकी इंचार्ज संजय दुबे, टीटी चौकी इंचार्ज, नायब तहसीलदार, फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर जांच पड़ताल करने पहुंचे।

# बैनर लगाने को लेकर विवाद, मछलीशहर में बंद कराया पूजा पंडाल

मछलीशहर। शहर में एक पूजा पंडाल के पास बैनर लगाने को लेकर दो पक्षों में रविवार की रात में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि शहर के कुछ पूजा समितियों ने पंडालों के पट बंद कर दिए। इस दौरान चेयरमैन और पुलिस ने झड़प भी हुई। चुंगी चौराहा पर बने नगर पंचायत के शौचालय के पास मकान की दीवार पर महासमिति द्वारा अपना बैनर लगाया गया। जिस स्थान पर बैनर लगाया गया वहां पहले से ही मछलीशहर सांसद बीपी सरोज के एक समर्थक का बैनर था। जानकारी होने पर सांसद के समर्थक के साथी मौके पर पहुंचे और पूजा महासमिति का बैनर उतारने लगे। इसकी जानकारी किसी ने नगर पंचायत अध्यक्ष संजय जायसवाल को दी तो वे मौके पर पहुंच गए। दोनों पक्षों में विवाद हो गया। घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष यजुवेंद सिंह ने पहले से लगे हुए बैनर पर दूसरा बैनर लगाने को अनुचित बताया तो चेयरमैन से नोक झोंक भी हुई। बात बढ़ने पर चेयरमैन संजय जायसवाल जो पूजा महासमिति के अध्यक्ष हैं उनके समर्थन में कुछ पूजा समितियों ने पंडालों का पट बंद कर दिया। चेयरमैन संजय जायसवाल का कहना है कि नगर के एक डाक्टर और पुलिस द्वारा अभद्रता की गई है। घटना की सूचना मुख्यमंत्री के साथ ही उच्चाधिकारियों को दी जा रही है। उपजिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया ने बताया कि कुछ लोगों के बीच विवाद हुआ है। सोमवार को वार्ता कर सुलझाया जाएगा।

## सेंध लगाकर स्कूल से तीन लाख के नकदी और जेवर ले गए चोर

तालग्राम। लूट और चोरी की बढ़ रही वारदातों को रोकने में पुलिस नाकाम साबित हो रही है। गुरुवार रात चोरों ने स्कूल में सेंध लगाकर 25 हजार की नकदी, कंप्यूटर, सीसीटीवी कैमरे समेत तीन लाख के उपकरण चोरी कर लिए। पुलिस ने मौके पर जांच-पड़ताल की। तालग्राम के टिकुरियनपुर्वा सलेमपुर में मां विंध्यवासिनी एजुकेशन सेंटर के नाम से स्कूल संचालित है। गोविंदपुर निवासी सुमनलता स्कूल की प्रबंधक और उनके पुत्र मयंक राजपूत प्रधानाचार्य हैं। प्रधानाचार्य ने बताया कि गुरुवार को छुट्टी के बाद स्कूल बंद कर स्टाफ के साथ घर चले गए। रात में बदमाशों ने प्रधानाचार्य कक्ष की छत पर चढ़कर दीवार में सेंध लगाई और अंदर दाखिल हो गए। चोरों ने कक्ष में रखी नकदी और सामान पार कर दिया। सुबह स्कूल पहुंचे प्रधानाचार्य शिक्षकों ने दीवार में सेंध लगी देखी और विद्यालय रिकॉर्ड व सामान अस्त-व्यस्त पड़ा देखा तो वह लोग दंग रह गए।

## शॉट सर्किट से मकान में लगी आग, गृहस्थी का सामान जलकर राख

ललितपुर। शॉट सर्किट के चलते शनिवार की रात मकान की दूसरी मंजिल में आग लग गई, जिससे घर में रखा गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। मोहल्लेवासियों ने पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, इसके बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग को बुझाया। गृहस्वामी ने बताया कि आग से गृहस्थी का सामान जलकर नष्ट हो गया। शहर के मोहल्ला नदीपुरा निवासी राकेश साहू शनिवार की रात को पास में रखी दुर्गा प्रतिमा पंडाल में अपने परिवार सहित गए थे। इस दौरान उनके मकान की दूसरी मंजिल से धुंआ और आग की लपटे उठते हुए मोहल्ले के लोगों को दिखाई दीं। इस पर मोहल्लेवासी अपने घरों से पानी लाकर पानी बुझाने का प्रयास करने लगे। इस बीच सूचना मिलने पर गृहस्वामी राकेश साहू अपने परिजनों के संग मौके पर पहुंच गए। करीब आधा से एक घंटे तक मोहल्ले के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। तब जाकर आग पर कुछ काबू पाया जा सका। इधर सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई, लेकिन मकान तंग गली में होने के चलते फायर ब्रिगेड का वाहन मौके तक नहीं पहुंच पा रहा था। इस फायर ब्रिगेड टीम ने मोहल्लेवासियों के साथ बाल्टियों से पानी भरकर-भरकर आग को बुझाया। आग बुझने के बाद जब लोग मकान के अंदर पहुंचे तो देखा कि आग से दूसरी मंजिल के कमरों में रखा घर गृहस्थी का पूरा सामान जलकर राख हो चुका था।

# स्पीड पोस्ट सेवा की गति! तीन दिन में सात किमी चली डाक विभाग की चिट्ठी, पिन कोड नंबर तक लिखा था गलत

कानपुर। प्रवर अधीक्षक डाकघर कानपुर मंडल की मोहर लगे लिफाफे के ऊपर पत्र भेजने वाले ने इंडस्ट्रियल स्टेट का पिन कोड नंबर 208009 डाला था, जो कि गलत था यह पिन कोड अर्मापुर स्टेट का है। कानपुर में गजब मामला सामने आया है, जहां डाकघर की स्पीड पोस्ट सेवा की गति देखते ही बनती है। आप को कोई पत्र कम समय में दूर भेजना है, तो डाक घर की स्पीड पोस्ट सेवा के भरोसे न रहें। डाक विभाग खुद अपने विभागीय पत्र को सही समय पर डिलीवर नहीं कर पा रहा है। बता दें बड़े डाकघर से भेजे गए स्पीड पोस्ट को फजलगंज पहुंचने में तीन दिन लग गए। ये कोई मामूली स्पीड पोस्ट नहीं है इसे शहर के सबसे बड़े डाक अधिकारी ( प्रवर अधीक्षक डाक ) ने खुद भेजा था। डाक विभाग की ये लापरवाही तब है जब इस स्पीड पोस्ट को महज सात किमी दूर जाना था। डाक विभाग की ओर से 18 अक्तूबर को जॉगिंग करते हुए कूड़ा उठाने की रैली निकाली गई। फिट इंडिया स्वच्छता फ्रीडम 4.0 के अंतर्गत स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत थीम के साथ निकाली गई इस रैली की विज्ञप्ति उसी दिन ( 18 अक्तूबर ) दोपहर 3ः49 बजे बड़ा डाकघर से भेजा गया था।

**डाक विभाग नहीं जानता अपने पिन कोड नंबर**

प्रवर अधीक्षक डाकघर कानपुर मंडल की मोहर लगे लिफाफे के ऊपर पत्र भेजने वाले ने इंडस्ट्रियल स्टेट का पिन कोड नंबर 208009 डाला था, जो कि गलत था यह पिन कोड अर्मापुर स्टेट का है। काउंटर नंबर छह से बुक हुआ यह स्पीड पोस्ट जब आरके नगर पोस्ट ऑफिस पहुंचा।

**सात किमी की दूरी तय करने में तीन दिन लगे**

वहां के पोस्टमास्टर ने इस पर लिखा पिन कोड गलत पाया। उन्होंने इस लिफाफे के ऊपर एक मोहर लगा दी। जिस पर लिखा है कि उक्त पते का सही पिन कोड नंबर 208012 है।

# बैराज पर फिर स्टंटबाजी! स्पोर्ट्स बाइक में फंसकर 50 मीटर घिसटी महिला...मौत, पहले भी हो चुके हैं हादसे

इटावा। गंगा बैराज पर नवाबगंज और कोहना थाने की दो चौकियां है। इसके बावजूद स्टंटबाजी नहीं रुक रही है। शनिवार को हुए हादसे में बाइक में फंसकर रामरती 50 मीटर तक घसीटती गई। कानपुर के गंगा बैराज पर शनिवार को स्पोर्ट्स बाइक से स्टंटबाजी ने एक और महिला की जान ले ली। महिला बाइक में फंसकर करीब 50 मीटर तक घिसटती चली गई। युवकों ने बाइक नहीं रोकी और उन्नाव की ओर भाग निकले। नवाबगंज के रामनिहालपुर निवासी राजमिस्त्री शंकर निषाद के परिवार में पत्नी रामरती ( 48 ) व दो बेटे सतीश और आशु हैं। बेटे सतीश ने बताया कि शनिवार शाम मां रामरती घर से खेत के लिए निकली थीं। गंगा बैराज पुल पर पहुंची थीं कि पीछे से स्टंटबाजी करते हुए आए तेज रफ्तार बाइक सवार दो युवकों ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर से महिला बाइक के निचले हिस्से में फंस गई, जिससे गंभीर रूप से घायल हो गई।

पुलिस ने उन्हें हैलट अस्पताल भेजा, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका के बेटे सतीश की तहरीर पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से बाइक युवकों की तलाश की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया गया।

**दो थानों की चौकियां, फिर भी नहीं थम रही स्टंटबाजी**

गंगा बैराज पर नवाबगंज और कोहना थाने की दो चौकियां है। इसके बावजूद स्टंटबाजी नहीं रुक रही है। शनिवार को हुए हादसे में बाइक में फंसकर रामरती 50 मीटर तक घसीटती गई। फिर भी दोनों चौकियों पर मौजूद पुलिस कर्मी उसे पकड़ नहीं सके। बाइक सवार उन्नाव की ओर भाग निकले।

घटना गंभीर है। गंगा बैराज पर स्टंटबाजी की घटनाओं को रोकने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिससे कि हादसे पर विराम लगाया जा सके। -प्रमोद कुमार, डीसीपी सेंट्रल

**बैराज पर हो चुके हादसे**

12 फरवरी 2021 - बाइक सवार स्टंटबाजों की चपेट में आए नानी और नाती, दोनों की मौत।

28 नवंबर 2021 - तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से सीनियर सिटीजन महिला की मौत

31 जुलाई 2022 - तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

4 दिसंबर 2022 - कार का एयरबैग खुलने से टला बड़ा हादसा, तेज गति की वजह से टकराई थी कार।

14 सितंबर 2022 - कार और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत, कार सवार तीन लोगों की मौत।

## विश्वविद्यालय की बैडमिंटन टीम में सुरभि ने बनाई जगह

ललितपुर। अपने शानदार खेल प्रदर्शन के चलते ललितपुर की सुरभि पटेल ने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की बैडमिंटन टीम में अपनी जगह बना ली है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालयीन बालिका बैडमिंटन प्रतियोगिता में 30 महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। इसमें ललितपुर के भगवान आदिनाथ महाविद्यालय ( महर्रा ) की छात्रा सुरभि पटेल ने हिस्सा लेकर विश्वविद्यालय की टीम में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है। उन्होंने पहले विभिन्न महाविद्यालयों से आई छात्राओं को हराया। इसके बाद सेमी फाइनल मैच में विश्वविद्यालय कैंपस की रश्मि चौरसिया को सीधे सेटों में 21-15 और 21 -18 से शिकस्त देकर विश्वविद्यालय की टीम में जगह बनाई। वे नवंबर माह में अंबाला में आयोजित होने वाली अंतर विश्वविद्यालयीन नॉर्थ जोन बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी।

# पेट्रोलिंग पर निकले सिपाहियों की बाइक में स्कार्पियो ने मारी टक्कर, एक की मौत जबकि दूसरे हालत नाजुक

कासगंज। कासगंज में पेट्रोलिंग पर निकले सिपाहियों की बाइक में स्कार्पियो ने टक्कर मार दी। हादसे में एक सिपाही की मौत हो गई। जबकि, दूसरे की हालत नाजुक है। उत्तर प्रदेश के कासगंज में बीती रात स्कार्पियो की टक्कर से बाइक सवार एक सिपाही की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। हादसा उस समय हुआ जब सिपाही पेट्रोलिंग पर निकले थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। स्कार्पियो गाड़ी को कब्जे में लिया है। घटना बीती रात करीब सवा नौ बजे ढोलना थाना क्षेत्र के गढ़ी हरनाढेठर-घिनौना मार्ग पर हुई। यहां थाने में तैनात आरक्षी उपेंद्रनाथ व दीपक कुमार बाइक से पेट्रोलिंग पर निकले थे। नगला कहर के पास स्कार्पियो ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद दोनों उछलकर दूर गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को हमराही उपनिरीक्षक महावीर सिंह एवं मुख्य आरक्षी सुभाष भदौरिया और विक्रम सिंह जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां से दोनों को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। घायलों को नीलम हॉस्पिटल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद आरक्षी दीपक कुमार निवासी कस्बा व थाना अनूपशहर, जनपद बुलंदशहर को मृत घोषित कर दिया।

वहीं उपेंद्रनाथ निवासी टीकाराम कॉलोनी, थाना कंकरखेड़ा, जनपद मेरठ को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। उसे पत्नी रेखा एवं पुलिस कर्मियों द्वारा मेरठ के लिए एंबुलेंस से भेजा गया है। दीपक का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। एक्सीडेंट करने वाली स्कार्पियो को पुलिस ने कब्जे में लिया है।

## हर 20 मिनट पर जाम... साहब का फोन में रहा ध्यान

लखीमपुर खीरी। एलआरपी चौराहे पर दोपहर 1.10 बजे जाम लगा था। हार्न और शोर-शराबे की आवाजें गूंज रही थीं। वाहन चालक और राहगीर परेशान थे, लेकिन यातायात पुलिसकर्मी पेड़ के नीचे बैठकर फोन पर बातें करने में मशगूल थे। चौराहे की बिगड़ती यातायात व्यवस्था की उन्हें कोई परवाह नहीं थी। चौराहे पर हर 20 मिनट में जाम की स्थिति बनती रही और जिम्मेदार बेखबर रहे। एलआरपी चौराहे पर ओवरब्रिज निर्माण हो रहा है। काम का असर यातायात व्यवस्था पर भी पड़ा है। वाहनों को साइड सड़क से निकाला जा रहा है। जाम की स्थिति न बने, इसके लिए चौराहे पर यातायात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके बावजूद वाहन चालकों और आमजन को जाम की समस्या से दो-चार होना पड़ता है। रविवार की दोपहर एक से दो बजे के बीच पांच से अधिक बार जाम की स्थिति बनी। हालांकि, जाम की समस्या 10 मिनट में समाप्त हो गई, लेकिन लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं यातायात व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी संभालने वाले पुलिसकर्मी मोबाइल चलाने में व्यस्त दिखे। यातायात निरीक्षक ने बताया कि मैं अवकाश पर हूं। फिर भी ड्यूटी में लापरवाही के बारे में जानकारी करता हूं। हिदायत दी जाएगी। कई बार बिगड़ी यातायात व्यवस्थादोपहर 1.10 बजे जब चौराहे पर जाम की स्थिति थी। उस समय यातायात पुलिसकर्मी शहर को जाने वाली सड़क के किनारे पेड़ की छांव में बैठकर फोन पर बातें करते दिखे। फोन पर बात करने का सिलसिला काफी देर तक चला। इस दौरान चौराहे की यातायात व्यवस्था कई बार बिगड़ी। होमगार्ड और पीआरडी जवान भी बातों में मशगूल नजर आए। दोपहर में राजापुर चौराहे की यातायात व्यवस्था भी लड़खड़ाई।

## 12 स्कूलों के प्रधानाध्यापकों से स्पष्टीकरण तलब

ललितपुर। निपुण भारत अभियान की समीक्षा बैठक में शामिल न होना 12 स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को भारी पड़ सकता है। खंड शिक्षा अधिकारी ने सभी से स्पष्टीकरण तलब किया है। परिषदीय विद्यालयों में निपुण भारत मिशन अभियान कार्यक्रम चल रहा है, जिसमें विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को सरल विधि और विशेष सामग्री से शिक्षण कार्य कराते हुए निपुण बनाया जा रहा है। अभियान की समय-समय पर विद्यालय स्तरीय समीक्षा भी होती रहती है। ब्लॉक जखौरा के विद्यालयों की निपुण भारत अभियान की समीक्षा के लिए 19 अक्तूबर को बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें ब्लॉक के सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक व प्रभारी प्रधानाध्यापकों को प्रतिभाग करना था। लेकिन, इस बैठक में प्राथमिक विद्यालय चैनावारा, तिलहरी, निवाहो, परौंदा, कछ्याना दावनी, पंचौरा, सहरिया बस्ती पनारी, जिजयावन, घटवार, इंचार्ज प्रधानाध्यापकों से स्पष्टीकरण तलब किया है।

# 2023-'संजीव' के संवाद से सजीव हो जाता 'रावण' का किरदार, कहा- याद नहीं कितनी बार निभा चुका हूं भूमिका

कानपुर। संजीव की दिनचर्या भगवान भोलेनाथ की आराधना से शुरू होती है। प्रदेश के बाहर तीर्थ स्थलों में कानपुर शैली की रामलीला मंचन में धनुष यज्ञ लीला का आयोजन करवाने का श्रेय भी संजीव अवस्थी को ही जाता है। कानपुर में रामलीलाओं का दौर जब भी शुरू होता है, तो कल्याणपुर निवासी डायरेक्टर जनरल ऑफ क्वालिटी एश्योरेंस ( डीजीक्यूए ) विभाग के सहायक अभियंता संजीव अवस्थी का चेहरा लोगों के जेहन स्वयं ही आ जाता है।

संजीव पिछले 13 वर्षों से रामलीलाओं में रावण का किरदार निभाते आ रहे हैं। वह अब इस किरदार में इतने रच बस गए हैं कि लोग उन्हें अक्सर इसी नाम से ही पुकारने लगते हैं। रावण को लेकर जो मानसिकता लोगों में है, उससे संजीव का जीवन बिल्कुल उलट है। वह परिवार और समाज के बीच सुलझे व्यक्ति और अच्छे अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं।

**याद नहीं...कितनी बार निभा चुके हैं रावण का किरदार**

संजीव बताते हैं कि उन्हें याद ही नहीं कि वह अब तक कितनी बार रावण का किरदार निभा चुके हैं। मूलरूप से कानपुर देहात के औनहां निवासी संजीव के जीवन में रावण जैसे किरदार का उदय उस समय हुआ, जब उन्होंने रामानंद सागर के रामायण सीरियल में अभिनेता अरविंद त्रिवेदी को रावण के रूप में शिव तांडव स्तोत्र कहते सुना।

**भगवान भोलेनाथ की आराधना से शुरू होती है दिनचर्या**

उसी समय से उन्हें लगा कि इस किरदार में कुछ है, जो उन्हें उसकी ओर प्रेरित कर रहा है। संजीव की दिनचर्या भगवान भोलेनाथ की आराधना से शुरू होती है। प्रदेश के बाहर तीर्थ स्थलों में कानपुर शैली की रामलीला मंचन में धनुष यज्ञ लीला का आयोजन करवाने का श्रेय भी संजीव अवस्थी को ही जाता है।

**विभिन्न जिलों में निभा चुके हैं रावण का किरदार**

वह बताते हैं कि अब तक मध्य प्रदेश, हमीरपुर, जालौन, उरई, कानपुर देहात, फतेहपुर, उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर, प्रयागराज में कुंभ मेला, वृंदावन, चित्रकूट धाम, अयोध्या में लक्ष्मण किला सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में वह रावण का किरदार निभा चुके हैं।

**रावण की गायन शैली का प्रारंभ उन्होंने ही किया**

बताते है कि शिव तांडव का संपूर्ण वाचन व रावण-राम संवाद में रावण की गायन शैली का प्रारंभ उन्होंने ही किया। उनका कहना है कि भोले शंकर ही उनके गुरु और पूज्य है, जिनका अनुशरण कर वह अपनी भूमिका को दमदार बनाने में सफल होते आ रहे हैं।

# खून की जांच में खेल, बजट और स्वास्थ्य दोनों हो रहा फेल

बक्शा। प्लेटलेट्स कम होने पर मरीजों को डेंगू का डर सताने लगता है। अस्पताल में पहुंचते ही उसी तरह की दवा होने होती है। कई बार कुछ अस्पतालों में तो डेंगू की दवा के नाम पर जमकर पैसे की वसूली भी होती है, लेकिन कई मामले में प्लेटलेट्स कम होना डेंगू नहीं होता। इतना ही नहीं जनपद के कुछ इलाकों में खून की जांच के नाम पर जो खेल हो रहा है उससे लोगों का बजट और स्वास्थ्य दोनों फेल हो रहा है। ताजा मामला बक्शा क्षेत्र में आया है। यहां कुछ ने नाम बताने से इन्कार किया, लेकिन कुछ ने खुलकर बताया कि दो अलग-अलग जांच में अलग-अलग रिपोर्ट आती है। सरकारी और प्राइवेट जांच में भी अंतर होता है। स्थिति यह है कि जिस व्यक्ति की जांच में प्लेटलेट्स 55 हजार था 24 घंटे बाद ही उसकी जांच रिपोर्ट में प्लेटलेट्स करीब एक लाख 23 हजार हो गया। यह हाल केवल प्लेटलेट्स का ही नहीं बल्कि शुगर और हीमोग्लोबीन का भी है। हालांकि अधिकारी अपनी ही जांच रिपोर्ट को सही ठहराते हैं।

**केस-एक**

गोपालापुर निवासी विजय कुमार ने बुखार की शिकायत पर सीएचसी में दवा के लिए गए। वहां जांच कराए तो प्लेटलेट्स 55 हजार था और हीमोग्लोबीन सात। 24 घंटे बाद ही वाराणसी के पैथोलॉजी में जांच कराने पर प्लेटलेट्स एक लाख 23 हजार व हीमोग्लोबिन 9.4 प्रतिशत आया।

**केस-दो**

बक्सा बाजार निवासी श्रीप्रकाश सिंह को नौ अक्तूबर को बुखार की शिकायत थी। जब सी एचसी पर जांच करवाएं तो शुगर 225 व प्लेटलेट्स 85 हजार था। वहीं जब वह बाहर पैथोलॉजी पर करवाये तो शुगर 140 व प्लेटलेट्स एक लाख से अधिक था।

**केस-03**

कुछ दिन पहले प्रसव के लिए गई एक महिला का हीमोग्लोबीन भी जांच में काफी कम आया था। बाद में बाहर दूसरी जगह जांच करवाने पर सही निकला। महिला ने नाम प्रकाशित न करने का अनुरोध किया इस लिए नाम नहीं दिया जा रहा।

24 घंटे में अधिकतम 20 हजार प्लेटलेट्स बढ़ सकता है। दो एलटी नियुक्त हैं जिनकी देखरेख में खून जांच की जा रही है। बी फार्मा और डी फार्मा के प्रशिक्षण लेने वाले छात्र भी लैब में रहते हैं। हमारे यहां रिपोर्ट ठीक आती है। बाहर के विषय में नहीं कह सकते। अभी तक मेरे संज्ञान में मामले नहीं आए हैं फिर भी हम इसकी जांच करेंगे। जांच में हीमोग्लोबीन कम आने के मामले में संबंधित को फटकार लगाई गई थी।
- डॉ. जीके सिंह, प्रभारी चिकित्साधिकारी सीएचसी बक्शा

## घरों में दौड़ा करंट, उपकरण फुंके, महिला की जान गई

तिर्वा। एचटी लाइन का तार टूटकर ट्रांसफार्मर पर गिरने से घरों में करंट दौड़ गया। कई घरों के उपकरण फुंकने के साथ एक महिला की मौत हो गई और एक झुलस गई। मौत की जानकारी होते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इंदरगढ़ थानाक्षेत्र के बढ़नपुर वीरहार गांव निवासी रानी ( 35 ) पत्नी जीतू शुक्रवार सुबह घर पर खाना बना रहीं थीं। इसी दौरान ऊपर से निकला एचटी लाइन का तार टूटकर ट्रांसफार्मर पर गिर गया। इससे घरों हाईवोल्टेज करंट दौड़ गया। गांव के कई घरों में लगे बिजली उपकरण फुंक गए। रानी करंट की चपेट में आ गईं। परिजन रानी को लेकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

वहीं गांव की शहनाज पत्नी शकील एमसीबी गिराने पहुंचीं तो करंट की चपेट में आकर झुलस गईं। थानाध्यक्ष किशनपाल ने बताया कि मौत की सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

## जमीनी विवाद में अधिवक्ता व उसके भाईयों पर जानलेवा हमला

कन्नौज। जमीनी रंजिश में आलू की फसल की बुआई करा रहे अधिवक्ता व उसके भाईयों पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला बोल दिया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना स्थल पर पुलिस के पहुंचने से पहले हमलावर फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सदर कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड सरायमीरा निवासी अधिवक्ता राजेंद्र सिंह का इमलियापुरवा गांव में खेत है। रविवार को वह खेत में आलू की फसल की बुआई करवा रहे थे। तभी जमीनी रंजिश को लेकर जसौली गांव निवासी ऐनुद्दीन व उसके दो बेटों सलाउद्दीन और शहाबुद्दीन भाई मैनुद्दीन के अलावा जुबैर, आजम सहित करीब 20 लोगों ने हाथों में लाठी-डंडा, लोहे की रॉड, धारदार हथियार व तमंचा लेकर हमला बोल दिया। बचाने आए भाई विनोद, अहिबरन, अजीत व नितिन पर भी जानलेवा हमला किया। मारपीट में पांचों लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित ने मारपीट के दौरान गले में पड़ी सोने की चेन व घड़ी लूटने का भी आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंचे अन्य लोगों ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी अजय अवस्थी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस के पहुंचने से पहले हमलावर फरार हो गए। पीड़ित राजेंद्र सिंह ने बताया कि वह अपने खेत में आलू की फसल गढ़वा रहे थे। तभी योजनाबद्ध तरीके से हमला बोला गया।

कहा कि बहादुरपुर महादेवा गांव निवासी राकेश से 15 जून 22 को खेत खरीदा था। तब से ही ऐनुद्दीन व मैनुद्दीन रंजिश मानता है। कहा कि दोनों भाईयों का कहना है कि सरायमीरा वाले उनके गांव में खेत नहीं खरीद सकते हैं। आरोप लगाया है कि वह लोग उसके खेत पर जबरन कब्जा करना चाहते हैं। कोतवाल ने बताया कि दो पक्षों में विवाद हुआ है। तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# संक्षिप्त समाचार

## किशोर की डूबने से मौत के मामले में परिजनों का हंगामा

पलियाकलां। इलाके के नगला गांव में घर से दोस्तों के साथ निकले 15 वर्षीय किशोर सौरभ की मौत मामले में परिजनों ने हंगामा किया। शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। पुलिस ने मृतक के तीन दोस्तों को हिरासत में लिया है। नगला गांव निवासी रामसागर का 15 वर्षीय पुत्र सौरभ शुक्रवार को अपने तीन दोस्तों के साथ घर से निकला था। जिसके बाद से वह लापता था। शनिवार सुबह सुतिया नाले के कुंडा से उसका शव बरामद हुआ था। मृतक के पिता रामसागर ने साथ गए दोस्तों पर हत्या करने का आरोप लगाया था। देर रात करीब नौ बजे शव जब पीएम के बाद घर पहुंचा तो परिवार वालों ने पुलिस को नामजद तहरीर दी। तीनों दोस्तों पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी की मांग कर अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी समझाने का प्रयास किया। लेकिन परिजन अपनी बात पर अड़े रहे। इसके बाद दबाव में आई पुलिस ने नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस का दावा है कि तीनों युवकों ने मृतक की डूबने से मौत की बात कही है। इनके बयान दर्ज करने के बाद एसडीएम ने पीड़ित परिवार को मुआवजे की बात कही। जिस पर परिजन मान गए और रविवार दोपहर एक बजे के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया कोतवाल प्रमोद कुमार मिश्रा का कहना है कि तीन दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पीएम रिपोर्ट में डूबने से मौत की बात आई है। उन्होने मामले में किसी प्रकार का मुकदमा न दर्ज करते हुए हत्या की बात को सिरे से खारिज किया है।

## ललितपुर में सड़क हादसाः तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, महिला का सिर धड़ से हुआ अलग, पति-देवर घायल

ललितपुर। ललितपुर में एक कंटेनर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई है। महिला बाइक से पति और चचेरे देवर के साथ अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जा रही थी। बेटी की दादी सास की मौत हो जाने पर अंतिम संस्कार में जा रहे थाना बार अंतर्गत ग्राम डुलावन निवासी गोविंददास प्रजापति ( 70 ), उसकी पत्नी नाराहटबाई ( 60 ) और हरीराम ( 60 ) की बाइक से ग्राम खोंखरा तिराहा के पास तेज रफ्तार भाग रहे कंटेनर ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार महिला का सिर धड़ से अलग हो गया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पति और चचेरा देवर गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसमें चचेरे देवर हरीराम को मेडिकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

## मिट्टी भरे कलश को राजधानी पहुंचाएंगे मंगल दल के 12 युवा

महराजगंज। युवा कल्याण विभाग की देखरेख में कार्य करने वाले नवयुवक मंगल दल के 12 चयनित सदस्य ग्रामीण क्षेत्र से कलश में एकत्रित किए गए मिट्टी को राजधानी लखनऊ पहुंचाएंगे। वहां से पूरे प्रदेश के मंगल दलों के युवाओं को देश की राजधानी दिल्ली भेजा जाएगा। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत नवयुवक व महिला मंगल दल के युवाओं ने 15 अक्तूबर तक गांव में पहुंचकर मिट्टी व चुटकी भर अक्षत प्राप्त किए। इसके बाद ब्लॉक मुख्यालय पर उसे रखा गया। एकत्रित कलश को जिला मुख्यालय पर पहुंचाया जाएगा। 26 अक्तूबर को कार्यक्रम के माध्यम से उसे राजधानी लखनऊ भेजा जाएगा। 27 अक्तूबर को राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम के बाद विशेष अमृत कलश को रेलगाड़ी के माध्यम से नई दिल्ली भेजा जाएगा। 30 अक्तूबर को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर मुख्य कार्यक्रम का आयोजन होगा।

## बिना यू-डायस कोड के चलने वाले विद्यालयों पर कसेगा शिकंजा

महराजगंज। जिले में पांच वर्ष अथवा उससे अधिक समय से संचालित ऐसे विद्यालय जिनका यू-डायस कोड नहीं है, उन्हें कोड के आवंटन के लिए 27 अक्तूबर तक बेसिक शिक्षा विभाग में आवेदन करना है। ऐसा न किए जाने पर विभाग की ओर से विद्यालयों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र भेजकर ऐसे विद्यालयों को यू-डायस कोड आवंटित कराने के लिए कहा है, जिनका कोड आवंटित नहीं है। यदि कोई भी विद्यालय बिना कोड के चलते मिला तो विभागीय नियमों के विपरीत कार्य करने पर उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए बीईओ की भी जिम्मेदारी तय कर दी गई है। बीईओ को सुनिश्चित करना है कि उनके ब्लॉक क्षेत्र के सभी विद्यालयों ने कोड आवंटित करा लिया है।

## लोकसभा चुनाव में केंद्र से होगा बीजेपी का सफाया- धनंजय सिंह

सुइथाकलां। भाजपा सरकार सिर्फ जुमलों के सहारे चल रही है। आगामी 2024 में इसका सफाया तय है। यह बातें पूर्व सांसद तथा जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव धनंजय सिंह ने रविवार को इंदिरा पूर्व माध्यमिक विद्यालय बुढ्ढुपुर में पार्टी की ओर से आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की नई अवधारणा लोकहित में नहीं है। वर्तमान सरकार से पूर्व की सरकारों में देश का तीव्र गति से विकास हुआ था। देश का विकास करना सरकार का मूल कर्तव्य होता है। विकास करना जनता का अहसान करना नहीं होता है। उन्होंने कहा कि बुढ्ढुपुर गांव को भाजपा के एक पूर्व सांसद द्वारा गोद लिया गया था किंतु यहां कितना विकास हुआ यह सबके सामने है। 2024 में सरकार आने के बाद सर्वे कराकर सभी आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का उत्थान किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश महासचिव सुशील कुमार पटेल ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। कार्यकर्ता सम्मेलन में संजय निषाद ने तलवार और रमेश निषाद ने गदा भेंट कर सम्मानित किया। अध्यक्षता राज कुमार बिंद ने की। इस मौके पर दीनानाथ राजभर, जिलाध्यक्ष रामसहाय ने भी अपने विचार रखा। इस मौके पर रमेश निषाद, राजेंद्र मिश्र, आनंद बिंद, अमित सिंह, विकास सिंह आदि लोग मौजूद थे।

## बीएडः पहली बार पूल काउंसलिंग में राजकीय कॉलेज में ले सकेंगे प्रवेश

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा रविवार से शुरू होने वाली बीएड की पूल काउंसलिंग में पहली बार राजकीय, अनुदानित कॉलेजों में खाली सीटों पर छात्र-छात्राएं प्रवेश ले सकेंगे। अभी इन महाविद्यालयों में 432 सीटें खाली हैं। काउंसलिंग 29 अक्तूबर तक चलेगी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बीएड की तीन चरणों की काउंसलिंग पूरी हो चुकी है। अब काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल होने से रह गए और कॉलेज में सीट आवंटन होने के बावजूद प्रवेश न लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए 22 अक्तूबर से पूल काउंसलिंग शुरू की जा रही है। इसमें एक से 4.22 लाख रैंक तक के अभ्यर्थी शामिल हो सकेंगे। बताया गया कि राजकीय और अनुदानित बीएड कॉलेजों में 7680 सीटें हैं। तीन चरणों की काउंसलिंग के बाद 7248 सीटें भर चुकी हैं। जबकि, 432 सीटें खाली हैं। ऐसे में बीएड की पूल काउंसलिंग में पहली बार राजकीय, अनुदानित कॉलेजों की रिक्त सीटों पर प्रवेश का मौका अभ्यर्थियों को मिलेगा। कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने बताया कि 22 अक्तूबर से पूल काउंसलिंग शुरू होगी। जो कि 29 अक्तूबर तक चलेगी।

कम फीस होने से छात्रों की रहती प्राथमिकता

राजकीय, अनुदानित कॉलेजों में कम फीस लगती है। ऐसे में छात्र-छात्राओं की प्राथमिकता इन कॉलेजों में प्रवेश लेने की होती है। बताया गया कि एसएफएस कॉलेजों की फीस 51,250 होती है। जबकि, राजकीय, अनुदानित महाविद्यालय की 2500 से सात हजार फीस होती है।

## हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना कर पुलिस ने किया गिरफ्तार, अदालत ने छोड़ा

कन्नौज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की ओर से गिरफ्तारी पर रोक के आदेश के बावजूद एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। रविवार को उसे रिमांड मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। अदालत ने विवेचक के युवक को तत्काल रिहा करते हुए विवेचक के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई का आदेश दिया है। मामला ठठिया थाना की पुलिस से जुड़ा है। चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्वेतांक तिवारी ने बताया कि रविवार को ठठिया थाना के उपनिरीक्षक राहुल पाल ने मुकेश पुत्र राधेश्याम को गिरफ्तार कर रिमांड मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। चीफ डिफेंस काउंसिल श्वेतांक तिवारी व असिस्टेंट डिफेंस काउंसिल मोहम्मद सैफ ने उसकी निशुल्क पैरवी करते हुए न्यायालय में बताया की पुलिस की ओर से गिरफ्तार किया गया युवक के लिए उच्च न्यायालय ने आरोप पत्र दाखिल किए जाने तक गिरफ्तार न किए जाने का आदेश पारित किया है। इसके बावजूद विवेचक ने कोर्ट की आदेश की अवहेलना करते हुए युवक को गिरफ्तार किया है। रिमांड मजिस्ट्रेट श्रीमती रंजना ने पत्रावली का अवलोकन कर डिफेंस के पक्ष पर विवेचक से जवाब मांगा।

# जिलाधिकारी ने लाभार्थी को प्रदान किया थ्री व्हीलर विद् आइस बाक्स

बहराइच । प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत थ्री व्हीलर विद आइसबाक्स वित्तीय वर्ष 2023-24 के लाभार्थी तहसील कैसरगंज अन्तर्गत विकास खण्ड जरवल के ग्राम बेलना पारा निवासी पवन कुमार निषाद को जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में थ्री व्हीलर प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सहायक निदेशक मत्स्य डॉ0 जितेन्द्र कुमार को निर्देश दिया कि योजना के सफल संचालन हेतु मत्स्य कृषकों को समय-समय पर दी जाने वाली सुविधाओं की निगरानी भी की जाय। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी मत्स्य पालकों की आय दोगुनी करने हेतु कटिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा अनुमन्य सुविधाओं की मत्स्य पालकों को प्रचार-प्रसार के माध्यम से जानकारी प्रदान कर अधिक से अधिक मत्स्य पालकों लाभान्वित किया गया।

इस मौके पर जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय, ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक नारद लाल राणा सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

## योगी राज में महिलाएं हुई निर्भीक- दयाशंकर मिश्र दयालु

जलालपुर। प्रदेश में योगी राज के सत्ता की हनक है, गुंडे, मवाली और अब मजनुओं का पता नहीं है। महिलाएं रात में भी निर्भीक होकर अपने-कामकाज को लेकर आती-जाती हैं। यह बातें मथुरा सिंह सभागार के पास रविवार को आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में प्रदेश के आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कही। कहा कि भाजपा ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं। अब महिलाओं को देश के सभी सदनों में 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। महिलाएं चौका और बर्तन तक ही सीमित नहीं रह गई हैं। अपितु देश की सुरक्षा में लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। भाजपा सरकार मूल उद्देश्य महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर उनका सम्मान बढ़ाना है। मछली शहर सांसद बीपी सरोज ने कहा कि देश में आज सभी क्षेत्रों में महिलाओं का सराहनीय योगदान है। जंगे आजादी से लेकर सेना व अन्य क्षेत्रों में महिलाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सम्मेलन में पूर्व विधायक डॉ. हरेंद्र सिंह ने भाजपा सरकार की उपलब्धियों व जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

# भव्य समारोह में अमृत कलश यात्रा का होगा ऐतिहासिक स्वागत

## *राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं माटी गीत से गूंजेगा स्टेडियम*

बहराइच। आजादी के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में 12 मार्च 2021 को साबरमती के तट से मा. प्रधानमंत्री जी के राष्ट्रप्रेम के उद्बोधन से प्रारम्भ हुए महोत्सव का ''मेरी माटी मेरा देश-अमृत कलश यात्रा'' के चरम के साथ 30 अक्टूबर, 2023 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर समापन किया जाना प्रस्तावित है। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम अन्तर्गत 26 अक्टूबर 2023 को इन्दिरा गॉधी स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित भव्य कार्यक्रम में अपरान्ह 12:30 बजे विकास खण्डों से जिला मुख्यालय पर आने वाली अमृत कलश यात्रा का ऐतिहासिक स्वागत किया जायेगा।

आजादी का अमृत महोत्सव अन्तर्गत 'मेरी माटी मेरा देश' के तहत इन्दिरा स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान वीरों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित करने के साथ-साथ संस्कृति विभाग द्वारा चयनित कलाकारों जसबीर सिंह व सुश्री राजकुमारी एण्ड पार्टी द्वारा थारू जनजाति पर आधारित हुरदुग्वा नुत्य के अलावा विकास खण्ड चित्तौरा, रिसिया, कैसरगंज एवं तेजवापुर की कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं माटी गीत प्रस्तुत किये जायेंगे। इस अवसर पर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पौधरोपण किया जायेगा तथा पंचप्रण की शपथ भी दिलायी जायेगी।

यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि जिला मुख्यालय पर एकत्र हुए अमृत कलश पुष्प से सजे वाहन ( बस ) के माध्यम से 27 अक्टूबर 2023 को नोडल अधिकारी जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रत्येक विकास खण्ड/नगर निकाय से 01 व्यक्ति ( स्वयंसेवक ) प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लिए रवाना होंगे। डीएम मोनिका रानी ने जनपदवासियों, जनप्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों, छात्र-छात्राओं से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इन्दिरा स्टेडियम में आयोजित जनपद स्तरीय कार्यक्रम में प्रतिभाग करें।

# ग्राम प्रधान के कब्जे पर चला बुलडोजर, दो पर केस

## *नौगढ़ तहसील के बर्डपुर नंबर-10 के टोला देउरा चौधरी का मामला*

सिद्धार्थनगर। तहसील नौगढ़ की ग्राम पंचायत बर्डपुर नंबर-10 टोला देउरा चौधरी में बंजर भूमि पर वर्तमान प्रधान के परिजनों ने दीवार खड़ी की थी। इसे सोमवार को तहसील प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त कराते हुए खाली करा दिया है। साथ ही आसपास के अन्य कब्जे भी हटवाए गए। वहीं, पक्का निर्माण करा चुके दो लोगों पर केस दर्जकर कब्जा खाली कराने के निर्देश दिए गए हैं। बर्डपुर नंबर-10 के टोला देउरा चौधरी में सामुदायिक शौचालय के बगल में आठ बीघा सरकारी बंजर भूमि है। इस पर कई लोगों ने अवैध निर्माण कर कब्जा कर लिया है। इसमें कुछ लोगों ने पक्का मकान भी बना लिया है, जबकि कुछ ने भूसा रखने के लिए मंडीला रखा था। इस बंजर भूमि में वर्तमान ग्राम प्रधान शांति देवी के परिजनों ने कई वर्ष पूर्व दीवार खड़ी की थी। इसके बगल में ही गांव के हरिशंकर चौधरी की भी पुरानी दीवार थी। इसे तहसील प्रशासन ने सोमवार को बुलडोजर से ध्वस्त करा दिया।

इसके साथ ही वहां भूसा रखने के लिए बना मंडीला भी हटवा दिया गया। इस भूमि में गांव के 20 से अधिक लोगों ने भूसा रखने के लिए मंडीला बना रखा है। इसे खाली करने के लिए प्रशासन की तरफ से तीन दिन का समय दिया गया है। इसके साथ ही इसी भूमि में दो लोगों द्वारा पक्का निर्माण कराया गया है। एक भवन में राइस मिल का संचालन किया जाता है।

तहसीलदार देवेंद्र मणि त्रिपाठी ने इन दोनों कब्जाधारकों के विरुद्ध सरकारी भूमि पर कब्जा के मामले में केस दर्ज कराते हुए कब्जा हटाने का नोटिस दिया है। तहसीलदार ने बताया कि बर्डपुर नंबर-10 के देउरा चौधरी टोले में पंचायत भवन से सामुदायिक शौचालय के बीच में एक बीघा से अधिक सरकारी भूमि खाली कराई गई है। जबकि डेढ़ हेक्टेयर जमीन पर दो लोगों के कब्जा किया था, उनके खिलाफ केस दर्ज करवा दिया गया है। जल्द ही वह खाली भी करवा दिया जाएगा।

नियम विरुद्ध कब्जा हटवाना जरूरी

बर्डपुर। बर्डपुर नंबर-10 की ग्राम प्रधान शांति देवी का कहना है कि सरकारी भूमि पर कब्जा करना नियमविरुद्ध है। इसे तत्काल हटाया जाना चाहिए। उनका कहना है कि कई वर्ष पूर्व उनके परिजनों ने सरकारी भूमि में भूसा आदि रखने के लिए दीवार का निर्माण कराया था। उन्होंने खुद कब्जा हटाने की पहल करते हुए अन्य कब्जाधारकों से भी हटाने की अपील की है।

## हादसे के बाद पिकअप चालक ने किसान को चार किमी. तक घसीटा, मौत

लहरपुर ( सीतापुर )। कोतवाली क्षेत्र में एक किसान को पिकअप ने रौंद दिया। जिसके बाद किसान पिकअप में फंस गया और पिकअप चालक उसे करीब चार किलोमीटर तक घसीटते हुए ले गया। इस दौरान कई लोगों ने चालक को चिल्लाकर वाहन रोकने के लिए भी कहा, लेकिन वह नहीं रुका। चार किलोमीटर के बाद पुलिस ने चालक को रुकवाकर उसे गिरफ्तार किया।क्षेत्र के लहरपुर-भदफर मार्ग पर गांव चनिया पेट्रोल के निकट गांव शाहपुर निवासी राधेश्याम मिश्रा ( 50 ) सड़क के किनारे अन्य किसानों के साथ धान की खंदाई कर रहे थे। भदफर की तरफ से आ रहे एक पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसके बाद किसान राधेश्याम पिकअप में फंस गए। किसान के अन्य साथियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद भी पिकअप चालक ने वाहन नहीं रोका। वह उन्हें घसीटता हुआ ग्राम किशनपुर तक ले गया। घटनास्थल से पीछा कर रहे ग्रामीणों के शोर मचाने पर किशनपुर में ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने पिकअप को रोक लिया। वाहन रुका तो उसके कुछ दूर पहले ही शव वाहन से छूटकर सड़क पर ही रह गया था। पिकअप क्षेत्र के गांव रंगवा रौसीपुर की बताई जा रही है। इसमें काफी संख्या में महिलाएं बैठी थीं। ये लोग धार्मिक स्थल से मुंडन कराकर वापस आ रहे थे।

# रातभर बेचैन रहे आजम, डॉक्टरों ने जाना हाल

सीतापुर। रामपुर से सीतापुर जिला कारागार लाए गए समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां को अपने बेटे अब्दुल्ला के बगैर रातभर बेचैनी सताती रही। वह करवटें बदलते रहे और नींद भी काफी कम आई। हालांकि पहले ही दिन से कारागार प्रशासन उनके लिए मुस्तैद दिखा। दो बार चिकित्सकों ने उनका चेकअप किया। फिर उन्हें जेल में बनने वाला सादा खाना दिया गया।रविवार को आजम खां जेल में अपनी पुरानी बैरक में पहुंचे। जहां उन्हें पहले भी रखा गया था। आजम ( शुगर ) मधुमेह और बीपी की बीमारी से ग्रसित बताए जाते हैं। जब वह जेल आए तब उनके सामान के साथ दवाएं भी लाई गईं थीं। शाम को ही एक चिकित्सक उनके पास पहुंचा और करीब एक घंटे तक उनका चेकअप करने के बाद दवाओं की भी जांच की।

आलू-बैंगन की सब्जी संग खाई रोटी

आजम खां ने देर रात दाल, चावल, रोटी के साथ बैंगन-आलू की सब्जी भी खाई। रात में वह अपनी बैरक में करवटें बदलते दिखाई दिए। सोमवार सुबह होते ही नाश्ते के बाद फिर एक चिकित्सक ने उनका हाल जाना। इस दौरान जेल के डिप्टी जेलरों ने भी आजम की बैरक की निगरानी की।

जेल के जिम्मेदार भी परेशान

अब्दुल्ला के न होने से जेल के जिम्मेदारों की भी चिंता बढ़ गई है। पहले हल्की सी भी परेशानी होने पर अब्दुल्ला जेल प्रशासन को जानकारी दे दिया करते थे। अब्दुल्ला साथ रहते थे तो आजम को अकेलेपन का अहसास नहीं होता था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है।

जेल के बाहर दिखा सन्नाटा

दूसरे दिन जेल के बाहर सन्नाटा पसरा रहा। आम दिनों की तरह ही मुलाकात करने वाले लोग ही वहां दिखाई दिए। इसके अलावा कोई अन्य हलचल देखने को नहीं मिली।

वहीं, पिछली बार आजम खां से मुलाकात करने आने वाले समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमवार को जेल से दूरी बनाए रहे। हालांकि सीतापुर में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के यहां आजम खां को लेकर चर्चा होती रही।

हफ्ते में सिर्फ एक बार ही मुलाकात संभव

आजम खां के सजायाफ्ता होने के कारण लोग उनसे हफ्ते में सिर्फ एक बार ही मुलाकात कर सकते हैं। अगर उनको सजा न सुनाई जाती तो नियमानुसार हफ्ते में तीन बार मुलाकात की जा सकती थी। मुलाकात से पहले आजम खां से जानकारी भी ली जाएगी। - एस के सिंह, जेल अधीक्षक, जिला कारागार, सीतापुर

## नाले के पास पड़ा मिला बुजुर्ग का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

कन्नौज। थानाध्यक्ष किशनपाल ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है। कन्नौज जिले में इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव के बाहर नाले के पास शव देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने श की शिनाख्त करते हुए परिजनों को सूचना दी। हादसे की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने हत्या कर शव फेंक देने की आंशका जताई है। वहीं, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के मढ़पुरा मौजा के अर्जुनपुर गांव के बाहर नाले के पास एक शव पड़ा था। शनिवार की सुबह नाले के पास शव पड़ा देख गांव के लोगों के बीच मे हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की शिनाख्त की। मृतक की शिनाख्त तालग्राम थाना क्षेत्र के तिकुरियन गांव निवासी बच्चन लाल ( 50 ) के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दी।

मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि अर्जुनपुर गांव के निवासी संजय के कारखाने में मिस्त्री के रूप में कार्य करते थे।

# पराली जलाने वाले चार किसानों पर दस हजार जुर्माना

सीतापुर। जिले के चार किसानों पर पराली जलाने का दोषी पाए जाने पर जुर्माना लगाया गया है। जिले में पराली जलाना प्रतिबंधित है, इसे लेकर पूर्व में गाइडलाइन भी जारी है। इसके बावजूद चार किसानों को पराली जलाने का दोषी पाया गया है। उप कृषि निदेशक डॉ. एसके सिंह ने बताया कि चार किसानों ने पराली जलाई है। इस मामले की निगरानी के लिए गठित समिति ( ग्राम प्रधान, राजस्व लेखपाल और प्राविधिक सहायक ) द्वारा संयुक्त आख्या तहसील भेजी गई है। समिति ने चारों किसानों पर ढाई- ढाई हजार रुपये का जुर्माना प्रस्तावित किया है। इसमें महमूदाबाद तहसील के रामपुर मथुरा ब्लॉक के आलमपुर गांव निवासी सतेन्द्र कुमार, रूदाईन गांव निवासी बरकत, डफरा गांव निवासी शिवरतन और लालपुर गांव निवासी जाबिर शामिल हैं।

कृषि विभाग के कर्मचारी कर रहे जागरूक

जिला कृषि अधिकारी मंजीत कुमार ने बताया कि पराली न जलाने के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है। प्रचार वाहन भी गांव-गांव जा रहे हैं। ये प्रचार वाहन सभी विकास-खंडों के ग्रामीण क्षेत्रों में घूम-घूमकर पराली जलाने से होने वाले दुष्परिणामों और फसल अवशेष प्रबंधन के तरीके बता रहे हैं। प्रत्येक प्रचार वाहन के साथ कृषि विभाग के एक कर्मचारी को भी लगाया गया है। जिले में सभी कंबाइन हार्वेस्टर मालिकों के लिए सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। ऐसा न करने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि किसान अपने खेत में पड़े फसल अवशेषों पर बायो-डिकंपोजर का प्रयोग कर सड़ा सकते हैं। इसके अलावा पैडी स्ट्राचापर, श्रेडर, मल्चर, श्रब मास्टर, रोटरी स्लेशर, हाइड्रोलिक रिवर्सेबल एमबी पलाऊ, सुपर सीडर, बेलर, सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम यंत्रों के माध्यम से फसल अवशेषों को खेत में मिला सकते हैं। इससे जमीन की दशा में सुधार भी होता है।

यह है जुर्माने की गाइडलाइनः

2 एकड़ से कम भूमि वाले किसान- 2500 रुपये प्रति घटना।

2 से 5 एकड़ भूमि वाले किसान- 5000 रुपये प्रति घटना।

5 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसान- 15000 रुपये प्रति घटना।

## सड़क हादसे में दो बच्चों समेत छह की मौत

सिद्धार्थनगर। नेपाल के पर्यटक क्षेत्र रानीमहल से तानसेन लौट रही एक जीप के रविवार देर शाम बैकुंठ पहाड़ी से बरंगदी नदी में गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। बागमती प्रांत की जीप से हुए हादसे में तीन महिलाएं, दो बच्चे और एक पुरुष की मौत हुई है, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। भारतीय सीमा से करीब 70 किमी दूर हादसा हुआ है। पाल्पा के पुलिस प्रमुख हेरंब शर्मा ने बताया कि जीप का चालक घायल हो गया है।पुलिस के मुताबिक, राजघरा, देवचुली नगर पालिका-16, नवलपरासी के कृष्ण बहादुर लोहानी ( 65 ), सविना ढिताल ( 35 ), पार्वती लोहानी ( 55 ), सविस लोहानी ( 11 ), ढाई वर्षीय ईशाव लोहानी और लामजुंग के बेसिशहर नगर पालिका-2 निवासी चूना धिताल ( 55 ) की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक हेरंब शर्मा ने बताया कि 35 वर्षीय चालक ईश्वर लोहानी भी इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए।

# पीएम को भाया शांतनु का परीक्षा उत्सव का आइडिया

लहरपुर( सीतापुर )। परीक्षा देते समय तनाव बिल्कुल न लें। घर में जब उत्सव होता है तो बेहतर तैयारी करके उसमें शामिल होते हैं। अपना सौ फीसदी योगदान देकर उसको सफल बनाते हैं। यहीं फॉर्मूला हमें परीक्षा के समय भी अपनाना चाहिए। शांतुन अवस्थी का यह आइडिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भा गया। परीक्षा पे चर्चा में बेहतर आइडिया देने पर प्रधानमंत्री ने उन्हें धन्यवाद पत्र भेजा है। इससे शांतनु सहित स्कूल प्रबंधन खुशी से झूम उठे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष अभियान परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन 20 अप्रैल 2023 को किया गया था। कार्यक्रम में सीबीएसई से संचालित ओएनजीसी विद्यालय लहरपुर के कक्षा 12वीं के छात्र शांतनु अवस्थी ने हिस्सा लिया था। उन्होंने ऑनलाइन सवालों के जवाब दिए थे। शांतनु ने कहा था कि परीक्षा के समय बच्चे नर्वस हो जाते हैं। यह बिल्कुल नहीं होना चाहिए। उत्सव की तरह परीक्षा में भाग लेना चाहिए। परीक्षा के समय उत्साह बढ़ाने की जरूरत होती है। यह काम शिक्षक व अभिभावक कर सकते हैं। प्रधानमंत्री को यह आइडिया बहुत पसंद आया है। उन्होंने शांतनु को धन्यवाद पत्र भेजा है। पत्र मिलते ही शांतनु का पूरा परिवार खुशी से झूम उठा है।

पत्र में छात्र की विशेष प्रतिभा के लिए उसका उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय परिवार की तरफ से शांतनु व उनके पिता पूर्व सदस्य जिला पंचायत महेंद्र अवस्थी को सम्मानित किया गया। शांतनु की इस सफलता पर क्षेत्र के उत्तम अवस्थी, शिक्षक अरुण सिंह आचार्य, उमेश मेहरोत्रा, अभिषेक अवस्थी, भगवान दीन त्रिवेदी ने शुभकामनाएं दीं।

# जाम से निपटने का ब्लूप्रिंट तैयार, दो क्षेत्रों में बांटी यातायात व्यवस्था

सीतापुर। जिले की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए अब एक नया ब्लूप्रिंट तैयार किया गया है। शहरी व ग्रामीण इलाकों में यातायात व्यवस्था दुरस्त करने के साथ जाम से निपटने के लिए यातायात पुलिस को दो भागों में बांट दिया गया है। इसके बाद अब कस्बों में लगने वाले जाम से भी लोगों को निजात मिलने की उम्मीद है। साथ ही समय की भी बचत होगी। अब तक जिले में एक यातायात निरीक्षक की तैनाती थी, जिस पर पूरे जिले का प्रभार था। लेकिन अब इसमें बदलाव किया गया है।

एसपी चक्रेश मिश्र ने यातायात पुलिस को उत्तरी और दक्षिणी दो भागों में बांट दिया है। दोनों के क्षेत्र उसी तरह से बंटे हैं, जिस तरह से अपर पुलिस अधीक्षकों के क्षेत्र बांटे गए हैं। उत्तरी क्षेत्र में सिटी सर्किल, सदर, लहरपुर, बिसवां शामिल हैं। वहीं दक्षिणी क्षेत्र में मिश्रिख, महोली, सिधौली और महमूदाबाद सर्किल शामिल हैं। दक्षिणी क्षेत्र का प्रभार निरीक्षक विनोद कुमार यादव को दिया गया है। इनका मुख्यालय सिधौली में बनाया गया है। इनको दो टीएसआई और दस कांस्टेबल दिए गए हैं। इसी के साथ उत्तरी का प्रभार निरीक्षक फरीद अहमद के पास है, जो कि पहले से यातायात की व्यवस्था को देख रहे हैं। फरीद यातायात पुलिस के प्रभारी भी हैं। मतलब दक्षिणी क्षेत्र के निरीक्षक उनकी देखरेख में ही कार्य करेंगे।

बनाए गए पांच स्पॉट

स्थानीय पुलिस से जानकारी लेकर पांच नए स्पॉट बनाए गए हैं। ये स्पॉट सिधौली, महमूदाबाद, बिसवां, लहरपुर और खैराबाद नगर पालिका क्षेत्र में हैं। इन क्षेत्रों में जाम ज्यादा लगता है। क्षेत्रों के व्यस्ततम चौराहों पर तीन-तीन घंटों के स्लॉट के हिसाब से ड्यूटी लगाई जाएगी। इसके बाद जाम की समीक्षा भी होगी।

वीआईपी गतिविधियों में होगी आसानी

राजधानी से सिधौली तहसील होते हुए नैमिषारण्य जाने वाले मार्ग पर आए दिन कोई न कोई मंत्री या जनप्रतिनिधि आता-जाता रहता है। अक्सर उसको सिधौली में जाम की समस्या से जूझना पड़ता था, जिसमें अब काफी राहत मिलेगी।

जाम से मिलेगा छुटकारा

यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए यह प्लान बनाया गया है। इससे काफी हद तक लोगों को जाम की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

## डॉक्टर नहीं तैनात, फार्मासिस्ट करते इलाज

लहरपुर ( सीतापुर )। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में अब सिर्फ कोरम पूरा किया जा रहा है। लहरपुर के चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में किसी पर भी डॉक्टर की तैनाती नहीं है। फार्मासिस्ट ही मरीजों का इलाज कर रहे हैं। इसी वजह से अब मरीजों का भरोसा उठता जा रहा है। इन केंद्रों पर अब इक्का-दुक्का ही मरीज आते हैं। रविवार को क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ढखेरा पर लगे जन आरोग्य मेले में डॉक्टरों के अभाव में फार्मासिस्ट वीरेंद्र विक्रम सिंह ने 26 मरीजों का चेकअप कर उन्हें दवाइयां दीं। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से बीमार तीन मरीजों को सीएचसी लहरपुर रेफर कर दिया गया है। इस क्षेत्र में चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ढखेरा, खैरुल्लापुर, बिलरिया और अकबरपुर आते हैं। इन केंद्रों पर दो साल से डॉक्टर नहीं है। इससे आने वाले मरीज बिना इलाज के ही वापस लौट जाते हैं। सीएमओ डॉ. हरपाल सिंह ने बताया कि चिकित्सकों की कमी को लेकर शासन को पत्र लिखा जा चुका है।

वायरल के अधिक थे मरीज

सीतापुर शहर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इस्माइलपुर, दुर्गापुरवा व सदर बाजार में भी आरोग्य मेला लगा। इस्माइलपुर में 26, दुर्गापुरवा में 30 व सदर बाजार में 50 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। इन केंद्रों पर अधिकतर मरीज वायरल से पीड़ित थे। मरीजों की प्राथमिक जांच कर दवा दी गई।

# नवनिर्मित वृहद गोआश्रय स्थल अचौलिया का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

बहराइच । विकास खण्ड फखरपुर अन्तर्गत ग्राम अचौलिया में धनराशि रू. 1.20 करोड़ रूपये की लागत से 300 गौवंशों की क्षमता वाले कार्यदायी संस्था पैक्सेफेड द्वारा नवनिर्मित वृहद गोआश्रय स्थल अचौलिया का जिलाधिकारी मोनिका रानी ने आकस्मिक निरीक्षण कर यहॉ पर निर्मित 04 अदद कैटिल शेड, 02 अदद पानी की चरही, 01-01 भूसा गोदाम व कार्यालय कक्ष का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ राजेन्द्र प्रसाद को निर्देश दिया कि वृहद गोआश्रय स्थल के स्टीमेट के साथ-साथ सत्यापन से सम्बन्धित अभिलेखीय साक्ष्य उपलब्ध कराएं।

निरीक्षण के समय मौके पर मौजूद खण्ड विकास अधिकारी फखरपुर शैलेन्द्र कुमार सिंह को निर्देश दिया गया कि गौआश्रय स्थल का समतलीकरण कराकर अविलम्ब गौशालय का संचालन कर यहां पर क्षमता के अनुसार गौवंशों को संरक्षित किया जाय। बीडीओ को यह भी निर्देश दिया गया कि यहां पर निर्मित शेडों की बाउण्ड्रीवाल के लिए प्राक्कलन तैयार कराएं। डीएम ने मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि वृहद एवं अस्थायी गोआश्रय स्थलों पर संरक्षित गोवंशों को छाया उपलब्ध कराएं जाने हेतु पाकड, बरगद, नीम, पीपल इत्यादि के पौधे रोपित किए जाए तथा उपलब्ध अवशेष भूमि पर गोवंशों के हरे चारे की बुआई करा दी जाए।

वृहद्व गौआश्रय स्थल का निरीक्षण करते समय अचौलिया में ही पूर्व से संचालित अस्थायी गोआश्रय स्थल की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को संरक्षित गौवंशों हेतु मानक के अनुसार सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

## कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–गोण्डा

### मैन्यूवल निविदा की प्रेस सूचना

पत्रांक 796 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा पत्रावली / अनु0 सहायक / 23–24 दिनांक 03.10.2023

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–गोण्डा के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए.बी.सी. एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से मैन्यूवल विधि के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकता है।

1– स्वीकृति एवं धन प्राप्त होने की प्रत्याशा में निविदा आमंत्रित की जा रही है। निविदा खुलने के उपरान्त धनराशि प्राप्त न होने की दशा में एक या समस्त निविदायें निरस्त की जा सकती है। इसका पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

2– कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नलिखित है।

| क्र0 सं0 | जनपद का नाम | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (लाख रू0 में) | बिड सिक्योरिटी (लाख में) | निविदा प्रप्त्र का मूल्य जीएसटी सहित | कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित | निविदा प्राप्त करने का स्थान | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| | | विधायक निधि–विधान सभा क्षेत्र, गौरा वित्तीय वर्ष 2023–24 | | | | | | |
| 01 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय, वीरपुर (द्वितीय) पासीपुरवा में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–गोण्डा | अधीक्षण अभियन्ता, ग्रा0अ0वि0, परिमण्डल–देवीपाटन, गोण्डा |
| 02 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय कलेनिया में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |
| 03 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय सैजलपुर में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |
| 04 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय शीतलगंजग्रन्ट में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |
| 05 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय ढढोवा मेहनिया में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |
| 06 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय बरसैनिया में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |
| 07 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय पिपरा खुर्द में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |
| 08 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय चटकनवां में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–गोण्डा | अधीक्षण अभियन्ता, ग्रा0अ0वि0, परिमण्डल–देवीपाटन, गोण्डा |
| 09 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय पटखौली में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |
| 10 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय खपरीपारा में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |
| 11 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय पतिजिया खुर्द में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |
| 12 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय भवाजितपुर में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |
| 13 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय धर्मदासपुर में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |
| 14 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय सुरवारखुर्द में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |
| 15 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय चारू में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |
| 16 | गोण्डा | प्राथमिक विद्यालय गायघाट में वाटर कूलर, आर0ओ0, टीनसेट व फाउडेशन का निर्माण कार्य। | 2.423 | 0.121 | 300+500+ GST | 2 माह | | |

2– निविदा सूचना में अंकित कार्यालयों में बिड डाक्यूमेंट की उपलब्धता की तिथि 30.10.2023 से 02.11.2023 तक।

3– निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि, समय व स्थान–02.11.2023 को दोपहर 12.00 बजे तक कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–गोण्डा, अधीक्षण अभियन्त्रण, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल–देवीपाटन, गोण्डा एवं जिलाधिकारी जनपद–गोण्डा।

4– निविदा खोलने की तिथि एवं समय–03.11.2023 को अपरान्ह् 12.30 बजे।

5– अधिक जानकारी के लिए नियोक्ता कार्यालय अर्थात् अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग में संपर्क करें।

(इं0 मुनेश कुमार लोधी)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभिन्त्रण विभाग
प्रखण्ड–गोण्डा

उ0प्र0–195965 दिनांक–14.10.2023
वेबसाइट–www.upgov.nic.in

# राजकीय अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु उर्दू वैकल्पिक प्रवीणता परीक्षा 2023–24 दिनांक 06, 07 एवं 08 दिसम्बर, 2023 को आयोजित होगी

## परीक्षा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर, 2023 निर्धारित

लखनऊः उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राजकीय अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु जूनियर हाईस्कूल/हाईस्कूल स्तर की उर्दू वैकल्पिक प्रवीणता परीक्षा 2023–24 दिनांक 06, 07 एवं 08 दिसम्बर, 2023 को आयोजित होगी। परीक्षा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर, 2023 निर्धारित की गयी है। परीक्षा में भाग लेने हेतु अर्हताएं भी निर्धारित की गई हैं। समस्त राजकीय तथा नियमो से स्थानीय निकायों से अधिकारी/कर्मचारी पात्र होंगे। हाईस्कूल स्तर या समकक्ष अथवा उच्च स्तर की परीक्षा में उर्दू विषय के रूप में न लिया हो वे ही अभ्यर्थी हाईस्कूल स्तर की उर्दू वैकल्पिक प्रवीणता परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु अर्ह हैं। जूनियर हाईस्कूल स्तर या समकक्ष अथवा उच्च स्तर की परीक्षा में उर्दू विषय के रूप में न लिया हो वे ही अभ्यर्थी जूनियर हाईस्कूल स्तर की उर्दू बैकलिक प्रवीणता परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु अर्ह है।

सचिव, परीक्षा नियामक अधिकारी उ0प्र0 प्रयागराज से प्राप्त जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र राजकीय इण्टर कालेज, निशातगंज लखनऊ, राजकीय इण्टर कालेज, मुरादाबाद, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, आगरा बनाए गए हैं। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार जूनियर हाईस्कूल स्तर की परीक्षा हेतु प्रथम प्रश्न पत्र 06 दिसम्बर, 2023 को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय प्रश्न पत्र अपराह्न 01:00 बजे से 03:00 बजे तक आयोजित होगा। हाईस्कूल स्तर की परीक्षा हेतु प्रथम प्रश्न पत्र दिनांक 06 दिसम्बर प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय प्रश्न पत्र अपराह्न 02:00 बजे से 04:00 बजे तक होगा। मौखिक परीक्षा दिनांक 08 दिसम्बर को प्रातः 10:00 बजे से आयोजित की जायेगी।

परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए सादे आवेदन पत्र एवं नियमादि, उत्तर प्रदेश के समस्त विभागाध्यक्षों एवं कार्यालयाध्यक्षों के पास प्रेषित कर दिए गए तथा कार्यालय की वेबसाइट ूणमगंउतमहनसंजवतलंनजीवतपजलनचणपद पर उपलब्ध है। आवेदन पत्र जनपद के जिला सूचना अधिकारी कार्यालय से भी प्राप्त किये जा सकते है। अभ्यर्थियों द्वारा भरे गये आवेदन पत्र उनके कार्यालयाध्यक्ष द्वारा अग्रसारित होकर सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उ0प्र0 प्रयागराज के कार्यालय में अनिवार्य रूप से दिनांक 31 अक्टूबर, 2023 तक अवश्य पहुँच जाना चाहिए। हाईस्कूल स्तर के उर्दू वैकल्पिक प्रवीणता परीक्षा में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को क्रमशः रू0 1400/– रू0 1000/– रू0 800/– नगद पुरस्कार तथा जुनियर हाईस्कूल स्तर के उर्दू वैकल्पिक प्रवीणता परीक्षा में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को क्रमश रू0 600/– रू0 400/– रू0 200/– का नगद पुरस्कार तथा साथ में दक्षता प्रमाण पत्र भी दिया जायेगा। अधिकारियों/कर्मचारियों का यात्रा भत्ता नियमानुसार उनके विभाग/कार्यालय से देय होगा।

## ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में 229 गॉव चयनित

लखनऊ– ग्रामीण होम स्टे को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता शीघ्र आयोजित की जायेगी। इसके लिए पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार सर्वश्रेष्ठ होम स्टे चयन करने की तैयारी कर रहा है। होम स्टे के माध्यम से जहां एक ओर ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, वहीं पर्यटकों को देश की गौरवशाली संस्कृति, रहन सहन, खानपान, जीवनशैली, भेष भूषा, स्थानीय परम्पराओं आदि के बारे में करीब से जानने का अवसर प्राप्त होगा। ग्रामीण पर्यटन से ग्रामीण अंचल की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और वैकल्पिक ढांचागत विकास के अवसर खुलेंगे। यह जानकारी आज यहां प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता ग्रामीण होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करेगी। जिसमें से सर्वश्रेष्ठ 5 होमस्टे को विभिन्न श्रेणियों के तहत भारत के सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे के रूप में मान्यता दी जाएगी। होमस्टे के माध्यम से पर्यटकों को स्टैंडर्ड और प्रामाणिक स्थानीय सुविधाओं के साथ गांव की अनोखी जीवनशैली को करीब से जानने का मौका मिलेगा।

श्री जयवीर सिंह ने बताया कि ग्रामीण होमस्टे प्रतियोगिता मुख्यतः तीन चरणों जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाएगी। सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण होमस्टे के चयन के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाए होनी चाहिए जैसे- सभी मूलभूत सुविधाओं के साथ उपलब्ध कराने के लिए कम से कम से एक कमरा, ग्रीन होमस्टे में सोलर आधारित बिजली व्यवस्था, आयुर्वेदिक और वेलनेस होमस्टे में स्पा, योगा और ध्यान लगाने जैसी सुविधाएं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि ग्रामीण होमस्टे के माध्यम से ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे ग्राम स्तर पर रोजगार मिलेगा और जिसका सीधा आर्थिक लाभ स्थानीय लोगों को होगा।


### पूर्वोत्तर रेलवे

ई–आक्शन सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल द्वारा लखनऊ मण्डल के KEA & RMBG स्टेशन पर General Minor Unit (GMU) की स्थापना एवं संचालन हेतु ई–आक्शन के माध्यम से निविदा आमंत्रित की गयी है। जिसके खुलने की तिथि दिनांक 06.11.23 समय 13:00 बजे एवं बंद होने की तिथि दिनांक 06.11.23 समय 13:40 (KEA)/13:40 सम्बन्धित लाट के अनुसार है। इस आक्शन के अन्तर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नहीं होंगे। ई आक्शन से सम्बन्धित अन्य जानकारी www.ireps.gov.in (E-Auction Module) वेबसाइट पर उपलब्ध है। ध्यान दें कि निविदा मूल्य एवं धरोहर राशि का भुगतान केवल through online payment mode किया जाएगा। www.ireps.gov.in (E-Auction Module) की वेबसाइट पर उपलब्ध है, डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं है। अन्य जानकारी www.ireps.gov.in (E-Auction Module) की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ई आक्शन सूचना संख्या प्लेटफार्म सं0, स्टेशन, लोकेशन, आदि का विवरण निम्न है। **ई आक्शन सूचना सं0** : Cat-LJN-GMU-01 **स्टेशन** : कटरा **प्लेटफार्म सं0** : 01 **लोकेशन** : प्लेटफार्म सं0–1 पर स्टाल न0 01 जी0एम0यू **कैटेगरी** : सामान्य **आक्शन/ लॉट बन्द होने की तिथि व समय** : दिनांक 06.11.23 समय 13:40 **ई–आक्शन सूचनाई आक्शन सूचना सं0** : Cat-LJN-GMU-01 **स्टेशन** : रामघाट **प्लेटफार्म सं0** : 01 **लोकेशन** : सर्कुलटिंग एरिया में सं0–1 पर स्टाल न0 01 जी0एम0यू **कैटेगरी** : सामान्य **आक्शन/ लॉट बन्द होने की तिथि व समय** : दिनांक 06.11.23 समय 13:30

मण्डल रेल प्रबंधक (वा.)
मुजाधि/वा0–157 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें


## व्यक्तिगत निर्माण/उत्पाद इकाई हेतु अधिकतम रु0 10.00 लाख तक का प्रोजेक्ट बैंकों के माध्यम से वित्तपोषित कराया जायेगा–जिला ग्रामोद्योग अधिकारी

बलरामपुर। जिलाधिकारी श्री अरविन्द सिंह के दिशा–निर्देश एवं मार्ग दर्शन में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राजीव कुमार सक्सेना ने बताया कि उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना में माटीकला से सम्बन्धित व्यवसायिक गतिविधियां जैसे खिलौना निर्माण, घरेलू उत्पाद( घड़ा, सुराही, जग, कुल्हड़ गिलास, कटोरी, अचारदानी, कप–प्लेट इत्यादि ) व भवन निर्माण सामग्री ( फ्लोर टाइल्स, रूफ टाइल्स, लैट्रिन पाइप, वॉश बेसिन ) एवं सजावटी सामान–गुलदस्ता, गार्डन पार्ट्स, बोनसाई पाट्स, लैम्प इत्यादि की व्यक्तिगत निर्माण/उत्पाद इकाई हेतु अधिकतम रु0 10.00 लाख तक का प्रोजेक्ट बैंकों के माध्यम से वित्तपोषित कराया जायेगा।

उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत लाभार्थी का स्वयं का अंशदान 05 प्रतिशत तथा शेष 95 प्रतिशत बैंक ऋण अनुमन्य होगा। नियमानुसार 25 प्रतिशत मार्जिन मनी ( अनुदान ) राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा। 5.00 लाख के ऋण हेतु लाभार्थी को उत्तर प्रदेश का मूल निवासी, न्यूनतम उम्र 18 वर्ष एवं साक्षर होना अनिवार्य है, जबकि रु0 5.00 लाख से अधिक की परियोजना हेतु कक्षा आठ पास व माटीकला में प्रशिक्षण अथवा माटीकला की परम्परागत जानकारी होना आवश्यक है।

माटीकला उत्पाद निर्माण इकाई की स्थापना हेतु इच्छुक व्यक्ति जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, रानी धर्मशाला, नौशहरा, जनपद बलरामपुर से सम्पर्क कर किसी भी कार्यदिवस में निःशुल्क आवेदन प्राप्त कर पूर्ण रूप से भरकर नवीनतम फोटो, आधार/पैन कार्ड, शैक्षिक योग्यता, जाति/निवास प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र के साथ 15 नवम्बर, 2023 तक जमा कर सकते है। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए मो0नं0–9598782988/9956527350 पर भी सम्पर्क कर सकते है।

## भव्य भंडारे का आयोजन किया गया

बलराम मौर्या

अयोध्या। काली माता सेवा समिति काली नगर तोगपुर अयोध्या के तत्वावधान में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया । जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया । काली माता सेवा समिति के अध्यक्ष / सेवक विशाल जी के नेतृत्व में इस भंडारे का आयोजन किया गया ।

भंडारे के अवसर पर काली माता सेवा समिति के सेवक ने बताया कि प्रत्येक वर्ष हम लोग सभी समिति के सदस्यों द्वारा सहयोग के माध्यम से भंडारे का आयोजन करते है जिससे बहुत से भक्तगण भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के लिए आते है द्य हम सभी के लिए बड़े ही सौभाग्य का विषय होता है और मानव सेवा का उद्देश्य भी पूरा हो जाता है । इस अवसर पर राजेश सिंह , राजू चंद्रभान , प्रदीप कुमार , जितेंद्र कुमार , अंशु सहित समिति के सभी सदस्य भंडारे को संपन्न कराने में सक्रिय रूप से लगे रहे।

## मतदेय स्थलों पर बूथ लेविल एजेन्ट्स की जायेगी नियुक्ति

बलरामपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ0प्र0 एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, बलरामपुर के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों से बूथ लेविल एजेन्ट्स की नियुक्ति की जायेगी। उन्होंने मान्यता प्राप्त अध्यक्ष/मंत्री, राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दल जनपद बलरामपुर से अपील किया है कि जनपद के चारों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के समस्त मतदेय स्थलों पर बूथ लेविल एजेन्ट्स की नियुक्ति करके एक प्रति जिला निर्वाचन कार्यालय, बलरामपुर तथा एक प्रति सम्बन्धित तहसील के उपजिलाधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध करायेंगें।

## दस दिवसीय एनसीसी के वार्षिक कैंप की सभी तैयारियां पूर्ण

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा ।महाराजा देवी बख्श सिंह इंटर कॉलेज बेलसर गोंडा में 48 बटालियन गोंडा के तत्वाधान में सी ए टी सी 171 एन सी सी प्रशिक्षण शिविर हेतु विद्यालय स्तर पर सभी प्रकार की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। विद्यालय के प्रधानाचार्य अजीत सिंह ने बताया कि कैंप की लगभग सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। कैंप के दौरान जल, विद्युत और किसी भी प्रकार की आवश्यक संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी। विद्यालय कैंप में आने वाले सभी कैडेट्स व एनसीसी अधिकारियों के आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति कर ली गई है ।विद्यालय के एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट आनंद कुमार पांडेय व बटालियन से आए एनसीओ अस्लामी की देखरेख मे एनसीसीकैरेट्स ने दिन – रात अथक परिश्रम करते हुए प्रत्येक आवासीय व शिक्षण कक्षों, विद्यालय परिसर, रसोई घर, क्रीड़ा मैदान, विद्यालय प्रांगण , श्री राम सभागार की विधिवत्साफ सफाई करके निर्धारित स्थलों पर टेंट लगा दिया है। क्वार्टर गार्ड्स्थल को गार्ड ऑफ ऑनर के लिए तैयार हो चुका है। विद्यालय के एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट आनंद कुमार पांडेय ने कैंप के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह एन सी सी प्रशिक्षण शिविर 26 अक्टूबर 2023 से प्रारंभ होकर 4 नवंबर 2023 तक चलेगा। जिसमें लगभग 600 एनसीसी कैडेट्स प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

## यूट्यूब चैनल में साक्ष्य बिहीन बयान देने और प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के कानूनी नोटिस

सुशील श्रीवास्तव

सादुल्लाह नगर ( बलरामपुर )। थाना सादुल्लाह नगर क्षेत्र के तीन लोगों पर यूट्यूब चैनल इंडिया टाइम एजेंसी को बेबुनियाद तथा साक्ष्य विहीन दिए गए बयान को लेकर तीन लोगों को कानूनी नोटिस भेजी गई है। एडवोकेट कमलेश कुमार श्रीवास्तव के अधिवक्ता मित्र इरशाद खां पुत्र श्री शाहजहां खां निवासी नानपारा, बहराइच/ इंदिरा नगर लखनऊ ने( 1 )मोहम्मद शमीम खां पुत्र मोहम्मद हनीफ खां निवासी ग्राम रंकी बदलपुर थाना सादुल्ला नगर जिला बलरामपुर ( 2 ) अब्दुल वहीद पुत्र अब्दुल रशीद निवासी ग्राम- गोकुला बुजुर्ग थाना सादुल्ला नगर( 3 ) अतुल कुमार उपाध्याय पुत्र रामदेव निवासी ग्राम- गोकुला बुजुर्ग थाना- सादुल्लाह नगर जिला –बलरामपुर। ने इरशाद खां के विरुद्ध मीडिया के यूट्यूब चैनल में मनगढ़ंत तथा कपोल कल्पित तरीके से भू माफिया तथा जाल साज कहकर संबोधित किया है ।जिससे विधि व्यवसाय व सामाजिक प्रतिष्ठा को छति पहुंची है। लोगों के साक्ष्य बिहीन तथा बेबुनियाद बयान से वो दुखी हैं तथा मानसिक पीड़ा के शिकार हो गये है। लोगों का ऐसा कृत्य संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। क्यों ना इन लोगों के विरुद्ध सक्षम न्यायालय में मुकदमा दायर कर डंडात्मक कार्यवाही की जाए।

## विद्युत परिवार, आपके द्वारा कार्यक्रम के क्रम में ग्राम प्रधानगण एवं सभासदगण से बकाया राजस्व वसूली हेतु तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम का आयोजन

### ''राष्ट्र हित में बिजली बचाए बल्ब की जगह एल0ई0डी0 लगाएं''

अमरेन्द्र त्रिपाठी

बलरामपुर – उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन एवं जिलाधिकारी श्री अरविन्द सिंह के दिशा–निर्देश एवं मार्गदर्शन में अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड, बलरामपुर द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं के समस्याओं के निराकरण, मीटर रीडर्स द्वारा किये जाने वाले बिलिंग कार्य की गुणवत्ता को परखने एवं पायी जाने वाली समस्या के निस्तारण, मीटर रीडर्स द्वारा उपभोक्ताओं के परिसरों पर मीटर रीडिंग एवं बिल निर्गम कार्य के दौरान उपभोक्ताओं के प्रति मीटर रीडर्स के कार्य एवं व्यवहार को परखने एवं सुधार लाने इत्यादि कार्यों के साथ–साथ बकायेदार विद्युत उपभोक्ताओं से बकाया राशि की वसूली का कार्य, चलाये जाने वाले कार्यक्रम ''विद्युत परिवार, आपके द्वार'' कार्यक्रम में 23.10.2023 तक 46 विद्युत उपभोक्ताओं के परिसरों पर 91200 द्म2द्ध संरक्षित यूनिट के रूप में पायी गयी तथा रीडिंग को नियमानुसार विद्युत बीजकों में संयोजित किया गया, 307 ऐसे उपभोक्ता जिनके परिसरों पर स्वीकृत भार से अधिक ( 1.028 रूड्ड ) भार का उपभोग हो रहा था, को बढ़ाने की कार्यवाही की गयी। 143 विद्युत संयोजन जो घरेलू श्रेणी में चल रहे थे और विद्युत का उपभोग वाणिज्यिक श्रेणी में उपभोक्ताओं द्वारा किया जा रहा है, को घरेलू से वाणिज्यिक श्रेणी में परिवर्तित करने की कार्यवाही की गयी।

कार्यक्रम के दौरान अब तक 335 इच्छुक परिवारों को नये विद्युत संयोजन निर्गत किये गये। साथ ही क्षेत्रों में 2614 विद्युत उपभोक्ताओं का के0वाई0सी0 अपडेशन कराया गया। इस दौरान 143 विद्युत उपभोक्ताओं के परिसरों के अन्दर लगे मीटर को परिसर के बाहर करने की कार्यवाही करते हुए उपभोक्ताओं को परिसर के बाहर मीटर स्थापित कर, उन्हें मिलने वाले लाभ जैसेकि परिसर के बन्द होने की स्थिति में प्रत्येक माह मीटर रीडर द्वारा आसानी से रीडिंग के आधार पर ससमय विद्युत बिल परिसर पर उपलब्ध कराना, मीटर अथवा सर्विस केबिल में आने वाली अचानक तकनीकी खराबी के दौरान होने वाली शार्ट सर्किट से उत्पन्न होने वाली विद्युत दुर्घटना से बचने इत्यादि की जानकारी दी गयी।

कारपोरेशन की मंशानुरूप विद्युत उपभोक्ताओं को भरपूर लाभ देने के साथ–साथ ''विद्युत परिवार, आपके द्वार'' कार्यक्रम पूर्णतया सफल बनाने के उददेश्य से जनपद के ग्रामीण क्षेत्र के प्रधानगण एवं नगर पालिका तथा नगर पंचायत के सभासद / सदस्यगण से व्यक्तिगत संवाद करने विशेष रूप से बकायेदार विद्युत उपभोक्ताओं से विद्युत बकाये की राशि जमा कराने के कार्य में विशेष सहयोग लेने हेतु जनपद के ग्रामीण एवं नगर पालिका तथा नगर पंचायत क्षेत्रों में तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम दिनांक 26, 27 तथा 28 अक्टूबर – 2023 को आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय उपखण्ड अधिकारियों एवं अवर अभियन्ताओं द्वारा अधिशासी अभियन्ता के दिशा निर्देशन में किया जायेगा।


RNI No. 46071/85

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।

गोण्डा कार्यालय


फोन / फैक्स–05262–230683
मो0– 09415120085
लखनऊ कार्यालय–
फोन– 0522–4028445
मो0– 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com